THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 336 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन पूर्णिमा, 2082 मंगलवार, 3 मार्च-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

दीपक जलाने पर घमासान : स्टालिन बोले आस्था पर राजनीति नहीं होनी चाहिए

चेन्नई, 2 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में तिरुप्परनकुंद्रम के अरुलमिगु सुब्रमण्या स्वामी मंदिर का दौरा किया था। इसके बाद उन्होंने मदुरै में एक रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने दीपक जलाने के मुद्दे पर द्रमुक सरकार को लोगों की भावनाओं के प्रति असंवेदनशील बताया था। उन्होंने कहा था कि अंत में भक्तों की ही जीत होगी। पीएम मोदी के दौरे के बाद सीएम स्टालिन ने एक वीडियो संदेश जारी कर अपनी सरकार का बचाव किया।

> भारत-कनाडा के बीच ऐतिहासिक आर्थिक समझौता

भारत को यूरेनियम देगा कनाडा

> पीएम मोदी और कार्नी की मुलाकात के बाद करार > डिफेंस और एनर्जी सेक्टर में सहयोग करेंगे दोनों देश

नई दिल्ली, 2 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री मोदी और कनाडाई पीएम मार्क कार्नी के बीच सोमवार सुबह हैदराबाद हाउस में मुलाकात हुई। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा- भारत और कनाडा के बीच निवेश-ट्रेड डील पर बातचीत हुई है। दोनों देशों के बीच कई क्षेत्रों के लिए एमओयू किया गया है। इससे दोनों देशों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

भारत को यूरेनियम देगा कनाडा :
पीएम मोदी ने कहा- सिविल न्यूक्लियर एनर्जी में, हमने यूरेनियम की दीर्घकालिक आपूर्ति के लिए एक ऐतिहासिक समझौता किया है। इसके अतिरिक्त, हम छोटे मॉड्यलर रिएक्टरों और उन्नत रिएक्टर प्रौद्योगिकियों के विकास पर सहयोग करेंगे। कृषि, कृषि प्रौद्योगिकी और खाद्य सुरक्षा में मूल्यवर्धन करना भी हमारे लक्ष्यों में शामिल है। पीएम ने पश्चिम एशिया में ईरान वार को लेकर कहा- पश्चिम एशिया में तनाव से भारत चिंतित है। भारत विश्व में शांति और स्थिरता चाहता है। हर समस्या का समाधान बातचीत के जरिए निकाला जाना चाहिए। पीएम ने आगे कहा- हम इस बात से सहमत हैं कि आतंकवाद, उग्रवाद और कट्टरता न केवल हमारे दोनों देशों बल्कि पूरी मानवता के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए इन खतरों से निपटने में हमारा घनिष्ठ सहयोग आवश्यक है। विभिन्न मौजूदा मुद्दों पर भारत का रुख स्पष्ट है।

भारत में भारत-कनाडा पल्स प्रोटीन उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाएगा। रक्षा एवं सुरक्षा क्षेत्र में बढ़ता सहयोग हमारे गहरे आपसी विश्वास और परिपक्व संबंधों का प्रतीक है। हम रक्षा उद्योगों, समुद्री क्षेत्र जागरूकता और सैन्य आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए काम करेंगे। इसी उद्देश्य से हमने आज भारत-कनाडा रक्षा संवाद स्थापित करने का निर्णय लिया है।

10 साल का यूरेनियम सप्लाई समझौता

पीएम कार्नी के इस दौरे का सबसे बड़ा मकसद भारत-कनाडा के बीच 10 साल का यूरेनियम सप्लाई समझौता है। बताया जा रहा है कि यह डील करीब 3 अरब डॉलर की हो सकती है। कनाडा दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा यूरेनियम उत्पादक देश है।

भारत और कनाडा के बीच न्यूक्लियर कोऑपरेशन एग्रीमेंट 2013 में लागू हुआ था, जिसके बाद कनाडा ने भारत को यूरेनियम सप्लाई शुरू की थी। भारत अपने तेजी से बढ़ते परमाणु ऊर्जा क्षेत्र के लिए और अधिक यूरेनियम खरीदना चाहता है।

> भारत में निवेश को बढ़ावा दे रहा कनाडा

भारत इस समय दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। कनाडा के सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, दोनों देशों के बीच सालाना व्यापार 21 अरब डॉलर से ज्यादा है। भारत में 600 से ज्यादा कनाडाई कंपनियां काम कर रही हैं। भारत से कनाडा को मुख्य निर्यात में दवाइयां, रत्न-आभूषण और समुद्री उत्पाद शामिल हैं। कनाडा के बड़े पेंशन फंड पहले से ही भारत में रियल एस्टेट और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में बड़ा निवेश कर चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने भारत में 100 बिलियन डॉलर (करीब 8 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा) का निवेश किया है। अब कनाडा इस निवेश को और बढ़ाना चाहता है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का कहना है कि दोनों देशों के बीच कभी-कभी राजनीतिक मतभेद रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद कनाडा भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था का भरोसेमंद साझेदार बना रहेगा।

बहरीन में भारत ने वीजा-पासपोर्ट सर्विस बंद की

ओमान की खाड़ी में तेल टैंकर पर ड्रोन से हमला, भारतीय की मौत

नई दिल्ली, 2 मार्च (एजेंसियां)। बहरीन में स्थित भारतीय दूतावास ने एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि मौजूदा हालात को देखते हुए इंडियन कांसुलर एप्लीकेशन सेंटर (आईसीएसी) ने भारतीय वीजा और पासपोर्ट सर्विस अगले नोटिस तक बंद करने का फैसला किया है।

ओमान की खाड़ी में सोमवार को एक तेल टैंकर पर बम से लैस ड्रोन बोट से हमला किया गया, जिसमें एक भारतीय नाविक की मौत हो गई। मिडिल ईस्ट के मौजूदा हालात को देखते हुए और अबू धाबी के बीएपीएस हिंदू मंदिर को 9 मार्च तक विजिटर्स के लिए बंद किया गया है। इधर पीएम नरेंद्र मोदी ने आज इजराइल-ईरान जंग के बीच दिल्ली में कनाडा के पीएम मार्क कार्नी से मुलाकात के बाद कहा- पश्चिम एशिया में हालात चिंताजनक हैं। भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए सभी देशों के साथ मिलकर काम करेगा।

इजराइल-ईरान जंग, भारत में 2 दिन में 760+फ्लाइट कैंसिल

'सभी देशों के साथ मिलकर भारतीयों की रक्षा करेंगे'

नई दिल्ली, 2 मार्च (एजेंसियां)। इजराइल-ईरान जंग के कारण बीते दो दिन में भारत में 760+ इंटरनेशनल फ्लाइट्स कैंसिल हो चुकी हैं। आज भी दिल्ली एयरपोर्ट पर 87 फ्लाइट कैंसिल रहीं। दिल्ली, मुंबई, कोच्चि, बेंगलुरू, चेन्नई, जयपुर, अहमदाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स पर हजारों यात्री फंसे हुए हैं।

मिडिल ईस्ट के मौजूदा हालात को देखते हुए और अबू धाबी के बीएपीएस हिंदू मंदिर को 9 मार्च तक विजिटर्स के लिए बंद किया गया है। इधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज इजराइल-ईरान जंग पर प्रतिक्रिया दी है। मोदी ने दिल्ली में कनाडा के पीएम मार्क कार्नी से मुलाकात के बाद कहा, पश्चिम एशिया में हालात चिंताजनक हैं। भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए सभी देशों के साथ मिलकर काम करेगा। हम बातचीत से समस्या का समाधान निकालने के पक्ष में हैं। इधर, जम्मू-कश्मीर में लगातार दूसरे दिन ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत पर विरोध प्रदर्शन हुए। श्रीनगर के बेमिना इलाके में सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस भी छोड़ी। कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया। शोपियां, बारामूला, बांदीपोरा में लोगों ने बाजार बंद रखा।

भारत के अलावा पाकिस्तान में भी खामेनेई की मौत के विरोध में हंगामा जारी है। आज सुबह पाकिस्तान के कब्जे वाला जम्मू-कश्मीर (पीओके) में विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया है। गिलगित-बाल्टिस्तान में प्रदर्शनकारियों ने यूनाइटेड नेशंस के ऑफिस में आग लगाई। वहीं, स्कर्दू में एसपी ऑफिस और कई सरकारी इमारतों को जला दिया। इस दौरान सुरक्षाबलों की ओर से की गई फायरिंग में 7 प्रदर्शनकारी मारे गए, 12 से ज्यादा घायल हैं।

पीएम मोदी ने बहरीन के किंग और सऊदी के क्राउन प्रिंस को किया फोन

नई दिल्ली, 2 मार्च (एजेंसियां)। ईरान हमलों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को बहरीन के किंग और सऊदी के प्रिंस से बात की और भारतीयों की सुरक्षा को लेकर उनसे चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने बहरीन के किंग हमाद बिन ईसा अल खलीफा और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और पीएम मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद से बात की।

पीएम मोदी ने इन दोनों देशों पर हुए हमलों की निंदा की और दोनों देशों में भारतीय समुदाय की सुरक्षा को लेकर चर्चा की। पीएम मोदी ने एक्स पर बताया, बहरीन के किंग हमाद बिन ईसा अल खलीफ़ा के साथ फोन पर अच्छी बातचीत हुई। भारत बहरीन पर हुए हमलों की निंदा करता है और इस मुश्किल समय में वहां के लोगों के साथ खड़ा है। मैं बहरीन में भारतीय समुदाय को दिए गए लगातार सपोर्ट के लिए उनका शुक्रिया अदा करता हूं। पीएम मोदी ने बताया कि सऊदी के प्रिंस से भी उनकी बात हुई। प्रधानमंत्री ने कहा, सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ पश्चिम एशिया में बदलते हालात पर चर्चा की। भारत सऊदी अरब पर हाल ही में हुए हमलों की निंदा करता है, जो उसकी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन है। हम इस बात पर सहमत हुए कि इलाके में शांति और स्थिरता जल्द से जल्द वापस लाना सबसे जरूरी है। मैंने इस मुश्किल समय में भारतीय समुदाय की भलाई का ध्यान रखने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। इससे पहले, पीएम मोदी ने रविवार रात संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से बात की और खाड़ी देश पर हुए हमलों की कड़ी निंदा की। मोदी ने कहा कि भारत इस मुश्किल घड़ी में यूएई के साथ पूरी एकजुटता से खड़ा है। मोदी ने खाड़ी देश में रहने वाले भारतीय समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यूएई के राष्ट्रपति को धन्यवाद भी दिया और कहा कि भारत तनाव कम करने, क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता का समर्थन करता है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैंने संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति, मेरे भाई शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से बात की।

सुप्रीम कोर्ट बोला एआई जेनरेटेड सबूतों पर फैसला लेना बिल्कुल गलत

नई दिल्ली, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार आंध्र प्रदेश हाइकोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से बनाए गए सबूतों पर फैसला लिखना गलत काम है। कोर्ट ने कहा कि ये कोई गलती से होने वाला काम नहीं है।

जस्टिस पी एस नरसिम्हा और आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि इसके नतीजों और जवाबदेही की जांच करना चाहते हैं क्योंकि इसका सीधा असर फैसले की प्रक्रिया की ईमानदारी पर पड़ता है। कोर्ट ने इस मामले में अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और बार काउंसिल ऑफ इंडिया को नोटिस जारी किया है। दरअसल, पिछले साल अगस्त में आंध्र प्रदेश की एक ट्रायल कोर्ट ने विवादित प्रॉपर्टी के केस में एआई से बनी तस्वीर के आधार पर फैसला दिया था।

'कुवैत ने हमारे 3 फाइटर जेट गिराए'

अमेरिका बोला सिस्टम ने दुश्मन के विमान समझकर हमला किया, सभी पायलट सुरक्षित

तेल अवीव/तेहरान, 2 मार्च (एजेंसियां)। इजराइल-अमेरिका और ईरान जंग का आज तीसरा दिन है। अमेरिका ने बताया कि कुवैत ने उसके 3 एफ-15ई स्ट्राइक ईगल फाइटर जेट्स को गिरा दिया है। अमेरिकी सेना के मुताबिक, कुवैत के एयरडिफेंस सिस्टम ने गलती से इन विमानों को दुश्मन समझकर निशाना बनाया। हादसे में सभी अमेरिकी पायलट सुरक्षित हैं।

दूसरी तरफ ईरान ने साइप्रस में ब्रिटिश रॉयल एयर फोर्स (आरएएफ) के अक्रोटिरी बेस पर ड्रोन हमला किया है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, रविवार देर रात हुए इस हमले में बेस को मामूली नुकसान पहुंचा, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। इसके जवाब में ब्रिटिश सेना कार्रवाई कर रही है। दरअसल, ब्रिटिश पीएम कीर स्टारमर ने ईरानी मिसाइल साइट्स पर हमले के लिए अमेरिका को इस बेस का इस्तेमाल करने की अनुमति दी थी।

ईरान का 4 देशों में 6 अमेरिकी बेस पर हमला :
ईरान ने सोमवार को मिडिल-ईस्ट के 4 देशों में 6 अमेरिकी बेस पर हमला किया है। कुवैत में अमेरिका के कई फाइटर जेट क्रैश हो गए है। जेट हवा में गोल-गोल घूमने के थोड़ी देर बाद जमीन से टकरा गए। हालांकि, इसमें किसी मौत की नहीं हुई है। दूसरी ओर ईरान के टॉप नेशनल सिक्योरिटी अधिकारी अली लारीजानी ने सोमवार को कहा कि ईरान अमेरिका से कोई बातचीत नहीं करेगा। यह बयान उन खबरों के जवाब में आया है, जिनमें कहा गया था कि ईरान ने अमेरिका से फिर से बातचीत शुरू करने की कोशिश की है।

ईरान में 555 की मौत, 740 घायल :
रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका और इजराइल ने मिलकर अब तक ईरान के 1000 से ज्यादा ठिकानों पर हमले किए हैं। इस दौरान शुरूआती 30 घंटे में 2000 से ज्यादा बम गिराए गए। इनमें अब तक 555 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 700 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। एक स्कूल पर मिसाइल गिरने से 180 छात्राओं की मौत हो गई और 45 घायल हैं। 28 फरवरी को शुरू हुई इस लड़ाई के पहले दिन हुई बमबारी में ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए थे। इसके अलावा रविवार को 3 अमेरिकी सैनिक मारे गए थे।

दिल्ली की बेटियां बनेंगी 'लखपति'

> राष्ट्रपति ने लॉन्च की योजनाएं

नई दिल्ली, 2 मार्च (एजेंसियां)। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा 'सशक्त नारी, समृद्ध दिल्ली' कार्यक्रम में शामिल हुए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इंदिरा गांधी स्टेडियम में दिल्ली सरकार की चार महिला-केंद्रित कल्याणकारी योजनाओं को लॉन्च किया। इसमें दिल्ली लखपति बिटिया योजना, मेरी पूंजी मेरा अधिकार योजान, फ्री एलपीजी सिलेंडर स्कीम, मुफ्त बस यात्रा के लिए सहेली पिंक स्मार्ट कार्ड शामिल हैं। यह दिल्ली की लाखों महिलाओं और बेटियों को होली से पहले विशेष सौगात है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, मुझे विश्वास है कि ये सभी कल्याणकारी योजनाएं दिल्ली की बहनों और बेटियों को सशक्त बनाएंगी और एक समृद्ध दिल्ली बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। मैं जनहित की इन पहलों की शुरूआत करने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उनकी पूरी टीम को बधाई देती हूं।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, यह जिंदगी के तीन पहलुओं को छूने की कोशिश है : एजुकेशन, मोबिलिटी और घरेलू एम्पावरमेंट। मैं दिल्ली की बेटियों को बधाई देती हूं। जब सरकार ने जांच की, तो हमें पता चला कि 1.75 लाख लड़कियों के लिए लाडली-लाडली स्कीम का पैसा सरकारी अकाउंट में पड़ा था। इसलिए, पहले फेज़ में, हमें 30,000 लड़कियां मिलीं और डीबीटी के जरिए 90 करोड़ रुपये दिए गए।

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिल्ली में महिलाओं के लिए मुफ्त पिंक कार्ड लॉन्च किया। दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, यह बहुत गौरव की बात है कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली की महिलाओं के लिए ये स्कीम निश्चित की और उन्हें माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा शुरू किया गया। पिंक कार्ड को इस्तेमाल करके बहने बसों में फ्री जा सकती हैं। हमारा वादा था कि हम दिवाली और होली पर दो सिलेंडर मुफ्त देंगे, आज मुख्यमंत्री ने उसे भी लागू किया है।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने कहा, दिल्ली सरकार अपनी जनता के लिए कुछ न कुछ योजना बनाए रखती है। आज हमारी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जो योजना लाई हैं, उससे हमारी महिलाओं को लाभ मिलेगा। हमारी जो बहनें पढ़ना चाहती हैं, यह उनके लिए बहुत लाभकारी रहेगा। पिंक कार्ड का मकसद था कि महिलाओं को उसका फायदा मिले। हमारी बहनों को इसका पूरा फायदा मिलेगा।

भारतीय वायुसेना ने शुरू की नए वीआईपी विमानों की खरीद प्रक्रिया

नई दिल्ली, 2 मार्च (एजेंसियां)। एक लंबे अंतराल के बाद भारतीय वायुसेना ने अपने पुराने वीआईपी परिवहन विमानों के बेड़े को बदलने की औपचारिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए उसने 4 से 6 लॉन्ग रेंज बिजनेस जेट (एलआरबीजे) की खरीदारी के लिए 'रिक्वेस्ट फॉर इंफॉर्मेशन' (आरएफआई) जारी किया है। ये विमान सैन्य नेतृत्व और सरकारी प्रमुख हस्तियों के सुरक्षित, तेज और भरोसेमंद आवागमन के लिए उपयोग किए जाएंगे।

वायुसेना द्वारा जारी की गई रिक्वेस्ट फॉर इंफॉर्मेशन विमान की औपचारिक खरीद शुरू करने से पहले संभावित विक्रेताओं की पहचान करने और उपलब्ध तकनीक को समझने का पहला चरण है। यह कदम पालम, दिल्ली स्थित एयर हेडक्वार्टर कम्युनिकेशन स्क्वाड्रन के आधुनिकीकरण के तहत उठाया गया है। वायुसेना द्वारा जारी आरएफआई में कहा गया है कि, भारतीय वायु सेना लगभग चार/छह लंबी दूरी के बिजनेस जेट (एलआरबीजे) खरीदने की योजना बना रही है।

दुबई एयरपोर्ट बंद होने से उड़ानें रद्द

इंदौर, 2 मार्च (एजेंसियां)। ईरान के लगातार हमले के बाद दुबई एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है। कई उड़ानें निरस्त होने से मध्य प्रदेश के इंदौर के कई बड़े नेता और उद्योगपति वहां फंस गए हैं। फिलहाल इन सभी की वतन वापसी मुश्किल दिख रही है। स्थानीय प्रशासन ने सभी को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया है। सभी ने खुद को सुरक्षित बताया है।

मध्य पूर्व में बढ़े तनाव के असर के बीच दुबई से इंदौर आने वाली फ्लाइट अचानक निरस्त हो गई। शनिवार को जब शहर के कई नेता और उद्योगपति दुबई एयरपोर्ट पहुंचे तो उन्हें उड़ान रद्द होने की जानकारी मिली। दुबई में अटके लोगों में पूर्व विधायक संजय शुक्ला, पूर्व विधायक विशाल पटेल, प्रवीण कक्कड़, उद्योगपति मनीष शाहरा, मनीष अग्रवाल, पिंटू छाबड़ा, गोलू पाटनी, उत्पल गोयल और आदित्य शर्मा और संजय शुक्ला के बेटे आकाश शुक्ला सहित अन्य नाम शामिल बताए जा रहे हैं।

दिल्ली आबकारी नीति केस

हाई कोर्ट में सीबीआई ने निचली कोर्ट के फैसले को बताया 'कानूनी रूप से गलत'

नई दिल्ली, 2 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने केजरीवाल मामले में दिल्ली हाईकोर्ट में दाखिल याचिका में कहा कि दिल्ली आबकारी नीति केस में निचली अदालत का फैसला पूरी तरह गलत और कानून के मुताबिक नहीं है। सीबीआई ने ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती देते हुए दिल्ली हाईकोर्ट में 974 पन्नों की रिवीजन याचिका दायर की है, जिसमें अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत सभी 23 आरोपियों को बरी कर दिया गया था।

सीबीआई ने अपनी रिवीजन याचिका में निचली अदालत के फैसले को न केवल 'गलत' बताया है, बल्कि इसे कानून की स्थापित प्रक्रियाओं के खिलाफ भी करार दिया है। सीबीआई ने अपनी याचिका में कहा है कि 27 फरवरी को स्पेशल जज जितेंद्र सिंह द्वारा पारित आदेश कानून के खिलाफ है और इसमें गंभीर त्रुटियां हैं। ट्रायल कोर्ट ने मामले की पूरी जांच-पड़ताल किए बिना ही फैसला सुना दिया। कोर्ट ने सिर्फ चुनिंदा तथ्यों पर ध्यान दिया और आरोप तय करने के शुरुआती चरण में ही एक तरह का 'मिनी ट्रायल' चला दिया, जो कानूनी प्रक्रिया के विरुद्ध है।

सीबीआई ने यह भी कहा कि कोर्ट ने पूरे कथित साजिश को एक साथ देखने के बजाय अलग-अलग हिस्सों में बांटकर देखा, जिससे जांच एजेंसी के पूरे केस की सही तस्वीर सामने नहीं आ सकी। सीबीआई का कहना है कि यह तरीका गलत है और इससे केस की गहराई प्रभावित हुई। सूत्रों के मुताबिक, सीबीआई ने उस निर्देश पर भी कड़ी आपत्ति जताई है जिसमें अदालत ने मामले की जांच करने वाले सीबीआई अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की सिफारिश की थी। एजेंसी ने इसे हैरान करने वाला और अनुचित बताया है।

हाईकोर्ट में अगली सुनवाई कब?

दिल्ली हाईकोर्ट ने इस याचिका पर 9 मार्च 2026 को सुनवाई तय की है। यह मामला जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच के समक्ष सूचीबद्ध है। हाईकोर्ट की इस सुनवाई से मामले में नया मोड़ आ सकता है। यह विकास दिल्ली शराब नीति घोटाले केस में महत्वपूर्ण है, जहां पहले निचली अदालत ने सबूतों के अभाव में सभी आरोपियों को राहत दी थी, लेकिन अब सीबीआई ने मजबूत चुनौती पेश की है।

खाड़ी देशों में हिमाचल प्रदेश के 45 हजार लोग परिजन चिंतित; केंद्र सरकार से की ये मांग

शिमला, 2 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच युद्ध के कारण खाड़ी देशों में रह रहे भारतीय मूल के लोगों के परिजन चिंतित हैं। हिमाचल प्रदेश के 45,000 से ज्यादा लोग दुबई, सऊदी अरब, कतर, कुवैत और ओमान में कार्यरत हैं। इन खाड़ी देशों के युद्ध की चपेट में आने से हिमाचल के हजारों परिवारों की चिंता बढ़ गई है। हिमाचल सरकार ने भी ओवरसीज प्लेसमेंट के तहत कई युवाओं को सऊदी अरब भेजा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार ने अधिकारियों को खाड़ी देशों में रह रहे हिमाचली युवाओं और उनके परिजनों से संपर्क करने के निर्देश दिए हैं।

श्रम एवं रोजगार मंत्री हर्षवर्धन सिंह चौहान ने कहा कि विभाग को सतर्क किया गया है। यदि युवाओं या उनके परिजनों की ओर से वापसी की मांग आती है, तो राज्य सरकार केंद्र सरकार के माध्यम से उन्हें सुरक्षित वापस लाने का मामला उठाएगी। परिजनों और सामाजिक संगठनों ने सरकार से आग्रह किया है कि जरूरत पड़ने पर केंद्र के साथ समन्वय कर विशेष उड़ानों की व्यवस्था की जाए। सिरमौरी जोड़ीदार भाई कपिल नेगी बहरीन में काम कर रहे हैं। कपिल ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर कहा कि बहरीन में जहां मैं काम करता हूं, उसके साथ लगते यूएस आर्मी बेस पर मिसाइलें गिराई गई हैं।

हालांकि, जिस ओर मैं रहता हूं, वहां हालात सामान्य हैं, लेकिन डर है। हमीरपुर के रोशन लाल शर्मा का बेटा पंकज और बहू रुचि दोहा (कतर) में रहते हैं। रोशन लाल ने बताया कि बहू ने फोन पर जानकारी दी है कि तनाव के चलते प्रशासन ने घरों से बाहर न निकलने की एडवाइजरी जारी की है। परिवार दिन में कई बार फोन कर उनका हाल जान रहा है।

टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर को बदलना पड़ा पार्टी का नाम

कोलकाता, 2 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले की अल्पसंख्यक बहुल भरतपुर विधानसभा सीट से विधायक हुमायूं कबीर ने अपनी नई पार्टी का नाम बदल दिया है। चुनाव आयोग ने उनके प्रस्तावित दल के नाम को खारिज कर दिया था, जिसके बाद उन्हें यह फैसला लेना पड़ा। कबीर ने शुरुआत में अपनी पार्टी का नाम जनता उन्नयन पार्टी (जेयूपी) रखा था। निर्वाचन आयोग ने इस नाम को स्वीकार नहीं किया। आयोग का कहना था कि इस नाम से पहले ही एक राजनीतिक दल पंजीकृत है।

इसके बाद कबीर ने अपनी पार्टी का नया नाम 'आम जनता उन्नयन पार्टी' (एजेयूपी) घोषित किया है। हुमायूं कबीर ने सोमवार को इस बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय ने पिछले हफ्ते उनके पुराने नाम (जेयूपी) की सिफारिश दिल्ली भेजी थी। लेकिन दिल्ली स्थित चुनाव आयोग मुख्यालय ने सूचित किया कि यह नाम पहले से किसी और के पास है।

इसके बाद कबीर खुद अपने प्रतिनिधियों के साथ दिल्ली गए और नया और नए नाम एजेयूपी का प्रस्ताव दिया। इस सबसे पहले, हुमायूं कबीर के निलंबन की कहानी भी काफी चर्चा में रही थी। तृणमूल कांग्रेस ने उन्हें बेलडांगा में एक मस्जिद के शिलान्यास की घोषणा के बाद बाहर का रास्ता दिखाया था। कबीर ने कहा था कि वह इस मस्जिद को अयोध्या में 6 दिसंबर 1992 को ढहाई गई बाबरी मस्जिद के डिजाइन जैसा बनाएंगे। इस बयान के बाद विवाद बढ़ा और पार्टी ने उन पर कार्रवाई की।

निलंबन के बाद 22 दिसंबर 2025 को कबीर ने अपनी नई पार्टी बनाने का एलान किया था। उन्होंने पार्टी के मुख्य पदाधिकारियों के नामों की घोषणा भी कर दी। कबीर इस साल होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के उम्मीदवार उतारने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने बीजेपी और तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ लड़ने के लिए दूसरे दलों से गठबंधन करने की अपील भी की है।

गड्ढे में गिरा बाइक सवार युवक, मौत

जालंधर, 2 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर के गांव कंगनीवाल में देर रात एक दर्दनाक हादसे में बाइक सवार युवक की जान चली गई। जानकारी के अनुसार गांव में पुली निर्माण के लिए करीब 15 फीट गहरा गड्ढा खोदा गया था, लेकिन उसके आसपास किसी प्रकार की बैरिकेडिंग या चेतावनी संकेत नहीं लगाए गए थे। अंधेरा होने के कारण युवक को गड्ढा दिखाई नहीं दिया और वह सीधे उसमें जा गिरा। हादसा इतना गंभीर था कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई थी। वहीं, घटना के बाद कुछ लोगों द्वारा मृतक की जेब से पर्स और गले से चैन निकालने की भी बात सामने आई है, जिसकी पुलिस अलग से जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और पूरे घटनाक्रम की गहनता से जांच जारी है।

'यूएई और इजरायल से बात की लेकिन ईरान पर एक शब्द भी नहीं कहा'

पीएम पर उद्धव गुट का निशाना

मुंबई, 2 मार्च (एजेंसियां)। ईरान-इजराइल युद्ध के बीच भारत में भी सियासत तेज हो गई है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो चुकी है।

इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से कोई भी प्रतिक्रिया नहीं आई है। जिस पर विपक्ष ने सवाल खड़े कर दिए हैं। शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि पीएम मोदी ने यूएई और इजराइल के राष्ट्र प्रमुखों से बात की लेकिन ईरान पर एक शब्द भी नहीं कहा।

ऐसा लगता है कि भारत सरकार ने एक पक्ष चुन लिया है। पीएम मोदी की भूमिका को लेकर अब जमकर सवाल उठना शुरू हो गए हैं। शिवसेना यूबीटी सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने अपनी 'एक्स' पोस्ट में लिखा कि अगर ईरान के साथ हमारे अच्छे संबंध हैं तो अयातुल्ला खामेनेई के निधन पर संवेदना संदेश क्यों नहीं दिया गया है। क्यों अभी तक डिप्लोमेटिक रुख अपना रखा है।

उन्होंने आगे लिखा कि भारत में बहुत से शिया हैं और हमें तेहरान के साथ संबंध बनाए रखने की जरूरत है। प्रधानमंत्री मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से बात की और खाड़ी देश पर हुए हमलों की निंदा की है। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति से कहा कि भारत इस मुश्किल घड़ी में यूएई के साथ एकजुटता से खड़ा है। पीएम मोदी ने खाड़ी देश में रहने वाले भारतीय समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यूएई के राष्ट्रपति को धन्यवाद दिया।

आगे कहा कि हम तनाव कम करने, क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता का समर्थन करते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात की और क्षेत्र में मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। पीएम मोदी ने हालिया घटनाक्रम को लेकर भारत की चिंताएं व्यक्त कीं और आम नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

भारत-पाक सीमा पर पाकिस्तानी युवक गिरफ्तार; हेरोइन बरामदगी का दावा

तरनतारन, 2 मार्च (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान सीमा के पास खेमकरण सेक्टर में एक पाकिस्तानी युवक की गिरफ्तारी का मामला सामने आया है। सूत्रों के अनुसार युवक के पास से हेरोइन के 10 पैकेट बरामद किए गए हैं। हालांकि इस संबंध में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक तड़के सुबह हरभजन चौकी के पास बीएसएफ की 142वीं बटालियन ने संदिग्ध गतिविधि देखी। बताया जा रहा है कि एक युवक भारतीय सीमा में प्रवेश कर चुका था। बीएसएफ जवानों ने तुरंत घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। सूत्रों का दावा है कि गिरफ्तार युवक की पहचान अबू बक्र (20) पुत्र इलियास मन्नू निवासी चटनवाल, जिला कसूर (पाकिस्तान) के रूप में हुई है। सूत्रों के हवाले से यह भी जानकारी मिली है कि युवक के पास से हेरोइन के 10 पैकेट बरामद किए गए। हालांकि बरामद नशे की मात्रा और वजन को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। यही वजह है कि पूरे मामले को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पाई है।

बताया जा रहा है कि प्रारंभिक पूछताछ के बाद आरोपी को आगे की जांच के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) को सौंपे जाने की तैयारी है। यह भी जांच की जा रही है कि क्या यह मामला संगठित तस्करी गिरोह से जुड़ा हुआ है या युवक किसी बड़े नेटवर्क का हिस्सा है। सीमा क्षेत्र में हाल के समय में ड्रोन के जरिए नशा तस्करी और घुसपैठ की घटनाएं सामने आती रही हैं। ऐसे में यह गिरफ्तारी सुरक्षा एजेंसियों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

तमिलनाडु में तीन महीने भीषण गर्मी की चेतावनी

चेन्नई, 2 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले दो दिनों में पश्चिमी घाट के जिलों में मध्यम वर्षा का पूर्वानुमान लगाया है, साथ ही उत्तरी तमिलनाडु में अगले तीन महीनों तक चलने वाली भीषण गर्मी की चेतावनी भी जारी की है। मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार, हालांकि इस वर्ष तमिलनाडु में शीत ऋतु सामान्य से अधिक समय तक चली, लेकिन आगामी ग्रीष्म ऋतु में काफी अधिक गर्मी पड़ने की संभावना है।

मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने चेतावनी दी है कि राज्य के उत्तरी जिलों में तापमान में लगातार वृद्धि होने की संभावना है और इस महीने से लेकर मई तक लू की स्थिति बनी रहने का अनुमान है। चेन्नई स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने बताया कि इस अवधि के दौरान तमिलनाडु में अधिकतम तापमान सामान्य स्तर से 2 से 3 डिग्री सेल्सियस अधिक रह सकता है। राज्य के उत्तरी भागों में भीषण गर्मी पड़ने की आशंका है, जिसके चलते अधिकारियों ने निवासियों को गर्मी से संबंधित बीमारियों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी है। भीषण गर्मी की आशंका के बावजूद, राज्य के कुछ हिस्सों में बारिश के रूप में राहत मिल सकती है।

कोमोरिन सागर और आसपास के क्षेत्रों में बने निम्न दबाव के तंत्र के कारण अगले पांच दिनों तक पश्चिमी घाट के जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इन जिलों में रुक-रुक कर बारिश हो सकती है, जिससे मौसम अपेक्षाकृत ठंडा रहेगा। इसके अलावा बुधवार को दक्षिणी तमिलनाडु के तटीय जिलों में हल्की बारिश की संभावना है। हालांकि, राज्य के अधिकांश अन्य जिलों में आने वाले दिनों में शुष्क मौसम रहने की आशंका है। आईएमडी ने यह भी बताया कि पश्चिमी घाट के जिलों के साथ-साथ चेन्नई सहित तटीय क्षेत्रों में सुबह के शुरुआती घंटों में हल्की धुंध या कोहरा देखा जा सकता है।

मौसम में बदलाव के दौरान ऐसी स्थितियां आम होती हैं, लेकिन इससे सुबह के समय दृश्यता थोड़ी कम हो सकती है। अधिकारियों ने विशेष रूप से बुजुर्गों और बच्चों जैसे कमजोर समूहों से पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और लंबे समय तक धूप में रहने से बचने का आग्रह किया है क्योंकि तमिलनाडु भीषण गर्मी के मौसम के लिए तैयार हो रहा है।

नशीली दवा खिलाकर किया गैंगरेप

बेंगलुरु, 2 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेंगलुरु में अमृतहल्ली स्थित एक विला में हुए गैंगरेप मामले में तीन और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने जिन तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, उनमें एक पूर्व पार्षद का बेटा भी शामिल है, जो इस अपराध में मुख्य साजिशकर्ता निखिल का समर्थन कर रहा था। पुलिस ने निखिल द्वारा अपराध के दौरान इस्तेमाल की गई कार को भी जब्त कर लिया है।

अमृतहल्ली पुलिस ने इस मामले के मुख्य आरोपी निखिल और डिक्सन को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था और अब अनिरुद्ध, श्रवण और मोहित को हिरासत में लिया है। जांच में पता चला है कि ये तीनों भी निखिल को उसके अपराध में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग दे रहे थे।

छात्र ने जहर खाकर दी जान

इंदौर, 2 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर के भंवरकुआ थाना क्षेत्र में किराए के कमरे में रहने वाले एक छात्र ने जहर खाकर आत्महत्या की कोशिश की। तीन दिन इलाज के बाद रविवार को एमवाय अस्पताल में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मयंक (22) पुत्र हरिहर द्विवेदी ने 26 फरवरी की रात मेडिकल स्टोर से ब्लड प्रेशर की दवा लाकर अपने कमरे में खा ली थी। अगले दिन दोस्तों ने उसकी हालत खराब होने पर उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। निजी अस्पताल में इलाज के दौरान हालत गंभीर होने पर रविवार को उसे एमवाय अस्पताल रेफर किया गया। यहां उपचार के दौरान शाम को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

सेना के मेजर की एक महिला ने बीच सड़क पर चप्पल से पिटाई की

इंदौर, 2 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां सेना के एक मेजर की बीच सड़क पर एक महिला ने चप्पल से पिटाई की है। इस मौके पर लोगों की भारी भीड़ भी जमा हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक, मेजर की कार से 4 से 5 वाहनों को टक्कर लग गई थी। इस टक्कर से एक मासूम बच्चे समेत 3 लोग घायल हो गए। इसके बाद घायल बच्चे की मां का गुस्सा मेजर पर टूट पड़ा और उसने मेजर की चप्पलों और लात घूसों से पिटाई कर दी। घटना के बाद महू इंदौर रोड पर घंटों तक जाम लगा रहा। आर्मी के मेजर की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

कोतवाली पुलिस ने वाहन जब्त कर मेजर के खिलाफ कार्रवाई की है। इंदौर के नजदीक महू ग्रामीण क्षेत्र में एक आर्मी मेजर की कार ने अनियंत्रित होकर चार से पांच वाहनों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक मासूम बच्चे समेत तीन लोग घायल हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद मौके पर जमकर हंगामा हुआ। घायल बच्चे की मां का गुस्सा फूट पड़ा और उसने मेजर की चप्पलों से पिटाई कर दी। वहीं मौजूद अन्य लोगों ने भी आर्मी मेजर को लात-घूसों से पीटा। इस पूरी घटना का वीडियो मौके पर मौजूद लोगों ने बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

पीपुल्स यूनिवर्सिटी को उड़ाने की धमकी झूठी निकली

भोपाल, 2 मार्च (एजेंसियां)। भोपाल की पीपुल्स यूनिवर्सिटी को सोमवार को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली। धमकी भरे ई-मेल में लिखा था- आपके कॉलेज में सायनाइड पॉइजन वाले बम रखे गए हैं, जो दोपहर 12:15 बजे ब्लास्ट करेंगे। सुबह 11 बजे तक डॉक्टरों और स्टूडेंट्स को निकाल लें। अल्लाह हू अकबर।

सूचना मिलते ही पुलिस, बम डिस्पोजल और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंचे। ऐहतियातन यूनिवर्सिटी परिसर को खाली करा लिया गया। निशातपुरा टीआई मनोज पटवा सहित थाना स्टाफ ने यूनिवर्सिटी पहुंचकर सर्च ऑपरेशन किया।

क्लासरूम, हॉस्टल, पार्किंग समेत सभी जगहें खंगाली लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस ने ई-मेल आईडी और आईपी एड्रेस के आधार पर जांच शुरू कर दी है। साइबर सेल को भी मामले में शामिल किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, जल्द ही धमकी देने वाले की पहचान कर ली जाएगी।

खामेनेई की मौत के बाद श्रीनगर में तनाव

प्रदर्शन हिंसक होने पर पुलिस ने किया बल प्रयोग

श्रीनगर, 2 मार्च (एजेंसियां)। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत के बाद जम्मू-कश्मीर में तनावपूर्ण हालात बन चुके हैं। सोमवार को एक बार फिर बड़ी संख्या में लोग खामेनेई की मौत के विरोध में सड़कों पर उतरे थे, लेकिन श्रीनगर में प्रदर्शन के दौरान भीड़ ने हिंसक रूप से लिया। कश्मीर के सभी जिलों में एहतियात के तौर पर पाबंदियां लगाई गई हैं। भारी सुरक्षा तैनात है। इसके बावजूद सोमवार को लोग प्रदर्शन करने पहुंचे। इसी बीच, प्रदर्शन हिंसक हो गया और सुरक्षा बलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। तस्वीरों में सुरक्षाबलों की ओर से प्रदर्शनकारियों को खदेड़ते हुए और आंसू गैस के गोले छोड़ते हुए देखा गया।

सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों पर लाठियां भी बरसाईं। श्रीनगर में मोबाइल व इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस के अनुसार, सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं और प्रदेश के सभी स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय अगले दो दिनों तक बंद रहेंगे। प्रशासन ने सभी शैक्षणिक संस्थानों को 3 मार्च को बंद करने का आदेश दिया है।

तेज आवाज में डीजे बजाने पर क्लब मैनेजर पर केस

इंदौर, 2 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर में तेज आवाज में डीजे बजाने की शिकायत पर तुकोगंज पुलिस ने रविवार रात यशवंत क्लब के मैनेजर और आयोजकों सहित पांच लोगों पर मामला दर्ज किया। कार्रवाई रहवासियों की शिकायत के बाद की गई। तुकोगंज थाना प्रभारी जितेंद्र यादव के अनुसार यशवंत क्लब में मैनेजर मजहर खान, आयोजक तेजवीर खान, हेमंत बिजोरे निवासी नंदानगर, स्वराज पाठक निवासी रेजीडेंसी क्षेत्र और चंचल वर्मा के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं में कार्रवाई की गई। मौके पर पुलिस को तीन स्पीकर तेज आवाज में बजते मिले। पुलिस ने जंजीर वाला चौराहे के पास एक शादी समारोह में तेज आवाज में डीजे बजाने पर डीजे संचालक अमित बागरे निवासी न्यू पलासिया के खिलाफ भी कार्रवाई की।

अजित पवार के बेटे ने सोशल मीडिया पर शेयर किया वीडियो

वीएसआर की सभी उड़ानों को रोकने की मांग की

मुंबई, 2 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बेटे जय पवार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया है और लिखा मैंने अपने पिता को खो दिया है। यह पीड़ा जिंदगी भर मेरे साथ रहेगी। उन्होंने लिखा कि इस वीडियो में वीएसआर के मालिक रोहित सिंह मुख्य पायलट की सीट पर उड़ान के दौरान सोते हुए दिखाई दे रहे हैं। आसमान में रहते हुए ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जा सकती। यह बेहद गंभीर और चौंकाने वाला मामला है।

उन्होंने लिखा कि मैं डीजीसीए से दृढ़ता से मांग करता हूं कि इस मामले में तुरंत सख्त कार्रवाई की जाए। पूरी जांच होने तक वीएसआर की सभी उड़ानों को तत्काल ग्राउंड किया जाए और रोहित सिंह को तुरंत गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। यह एक बेटे की आर्त पुकार है। मेरे पिता के लिए और हर यात्री की सुरक्षा के लिए। इससे पहले डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने वीएसआर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के चार प्लेन को ग्राउंड कर दिया है। यह कदम 28 जनवरी 2026 को महाराष्ट्र के बारामती में हुए लियरजेट 45 क्रैश के बाद किए गए स्पेशल सेफ्टी ऑडिट के दौरान पाए गए नियमों के उल्लंघन के कारण उठाया गया।

इस क्रैश में प्रदेश के डिप्टी सीएम अजित पवार की मृत्यु हो गई थी। डीजीसीए के बयान में कहा गया '28.01.2026 को बारामती में वीएसआर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के लियरजेट 45 एयरक्राफ्ट (वीटी-एसएसके) के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद, डीजीसीएने स्पेशल सेफ्टी ऑडिट का आदेश दिया। ऑडिट टीम ने एयरवर्दीनेस, एयर सेफ्टी और फ्लाइट ऑपरेशन में कई बार नियमों का पालन न होने की जानकारी दी।

इस आकलन के बाद, डीजीसीए ने चार एयरक्राफ्ट(वीटी-वीआरए, वीटी-वीआरएस, वीटी-वीआरवी और वीटी-टीआरआई) को तुरंत ग्राउंड कर दिया और सुधारात्मक कार्रवाई शुरू कर दी।

सुविचार: सहयोगी होने का अर्थ गुलाम बनना नहीं है
निराशाजनक परिस्थितियों में भी कभी आशा मत छोड़ें

ब्रह्मोत्सवों का शुभारंभ 26 मार्च से होगा : वीरब्रह्मम्

वोंटिमिट्टा ब्रह्मोत्सवों की तैयारियों की समीक्षा

तिरुपति, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम् (टीटीडी) के संयुक्त कार्यपालक अधिकारी वीरब्रह्मम् ने निर्देश दिया कि कोदंडरामस्वामी मंदिर के वार्षिक ब्रह्मोत्सवों की तैयारियों को शीघ्र पूर्ण करते हुए भव्य रूप से आयोजित किया जाए। ब्रह्मोत्सवों का शुभारंभ 26 मार्च को अंकुरार्पणम् से होगा, जबकि 27 मार्च को श्रीराम नवमी के पावन अवसर पर ध्वजारोहणम् संपन्न किया जाएगा। संयुक्त कार्यपालक अधिकारी ने सोमवार को अन्य अधिकारियों के साथ मंदिर परिसर तथा वोंटिमिट्टा स्थित कल्याण वेदिका में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर उन्होंने 1 अप्रैल को आयोजित होने वाले श्री सीता राम कल्याणम् की तैयारियों को पूर्व वर्षों के अनुभव को ध्यान में रखते हुए तीव्र गति से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कल्याणम् के दिन अपेक्षित हजारों श्रद्धालुओं के लिए अन्न प्रसाद, पेयजल तथा मठ्ठा की समुचित व्यवस्था करने को कहा। सभी विभागों को विशेष कार्ययोजना तैयार कर श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। ग्रीष्म ऋतु की तीव्र गर्मी से राहत प्रदान करने हेतु अभियंत्रण अधिकारियों को पैदल मार्गों पर शीतल रंग का लेप करने तथा आवश्यक स्थानों पर शामियाने लगाने के निर्देश दिए गए। शोभायात्रा के वाहनों तथा मंदिर रथ की उपयुक्तता और सुरक्षा की भली-भांति जांच कर प्रमाणित करने को कहा गया। चिकित्सा अधिकारियों को एंबुलेंस तत्पर रखने, प्राथमिक उपचार केंद्र स्थापित करने तथा आपात स्थिति से निपटने के लिए ओआरएस के पर्याप्त पैकेट उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए। संयुक्त कार्यपालक अधिकारी ने सांस्कृतिक एवं संगीत कार्यक्रमों की रूपरेखा भी शीघ्र अंतिम रूप देने को कहा। आंध्र प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के अधिकारियों को श्रद्धालुओं के लिए सुगम परिवहन एवं पार्किंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की सलाह दी गई। सभी विभागीय अधिकारियों को पूर्ण रूप से तैयार रहने तथा कडपा जिले के जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण एवं समीक्षा बैठक में अधीक्षण अभियंता मनोहर, उप कार्यपालक अधिकारी शिव प्रसाद, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुसुमा, सतर्कता एवं सुरक्षा अधिकारी गिरिधर, विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता रवि शंकर रेड्डी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मध्य पूर्व की स्थिति के मद्देनजर तेलंगाना भवन में नियंत्रण कक्ष स्थापित

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मध्य पूर्व की मौजूदा स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार ने तेलंगाना के नागरिकों की सहायता के लिए नई दिल्ली स्थित तेलंगाना भवन में 24 घंटे कार्यरत नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है।

अधिकारियों ने बताया कि सरकार पश्चिम एशिया के कुछ देशों में विकसित हो रही परिस्थितियों पर लगातार नजर रखे हुए है। तेलंगाना भवन, नई दिल्ली के वरिष्ठ अधिकारी विदेश मंत्रालय और संबंधित भारतीय दतावासों के साथ समन्वय कर स्थिति का आकलन कर रहे हैं। प्रभावित देशों में रह रहे तेलंगाना के नागरिकों और उनके परिजनों से मिल रही पूछताछ के मद्देनजर यह कदम उठाया गया है। सरकार के अनुसार नियंत्रण कक्ष चौबीसों घंटे कार्य करेगा और संकट, यात्रा में बाधा या अन्य आपात स्थिति में नागरिक या उनके परिवारजन यहां संपर्क कर सकते हैं। आवश्यकतानुसार समन्वय स्थापित कर सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

एससी आरक्षण 18 प्रतिशत करने की मांग : कविता

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जागृति अध्यक्ष के. कविता ने मांग की है कि संशोधित जनसंख्या आंकड़ों के अनुसार अनुसूचित जाति (एससी) आरक्षण को बढ़ाकर 18 प्रतिशत किया जाए और इस संबंध में चल रहे विधानसभा बजट सत्र के दौरान ही प्रस्ताव पारित किया जाए।

सोमवार को कविता ने बंजारा हिल्स स्थित तेलंगाना जागृति कार्यालय में विभिन्न एससी उप-जातियों के नेताओं के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि राज्य में एससी आबादी 15 प्रतिशत से बढ़कर 18 प्रतिशत हो गई है, जो पहले हुए समग्र परिवार सर्वेक्षण तथा वर्तमान सरकार द्वारा कराए गए सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और जाति जनगणना में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। उन्होंने याद दिलाया कि एससी वर्गीकरण लागू करने के तहत राज्य सरकार ने पहले आश्वासन दिया था कि केंद्र सरकार द्वारा जनगणना पूर्ण होने और आधिकारिक जनसंख्या आंकड़े जारी होने के बाद एससी आरक्षण बढ़ाया जाएगा। कविता ने कहा कि अब विधानसभा को बिना किसी देरी के आरक्षण वृद्धि के लिए प्रस्ताव पारित करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि आरक्षण का लाभ एससी उप-जातियों तक पहुंचना चाहिए और इसे केवल शिक्षा व रोजगार ही नहीं, बल्कि राजनीतिक क्षेत्र में भी लागू किया जाना चाहिए।

तेलंगाना जागृति की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कविता ने कहा कि संगठन आरक्षण वृद्धि और लंबित समस्याओं के समाधान के लिए एससी उप-जातियों के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि कुछ एससी उप-जातियों को जाति प्रमाण पत्र प्राप्त करने में आ रही कठिनाइयों को दूर करने के लिए वे ईमानदारी से प्रयास करेंगी। कविता ने आगे घोषणा की कि तेलंगाना जागृति दलित संगठनों के समन्वय से एससी आरक्षण बढ़ाने के लिए एक सतत आंदोलन शुरू करेगी। इस बैठक में 20 एससी उप-जातियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इससे पहले सुबह कविता ने बेरोजगार युवाओं की एहतियाती गिरफ्तारियों की कड़ी निंदा की और कहा कि यह कार्रवाई कथित रूप से राहुल गांधी की यात्रा में बाधा रोकने के लिए की गई।

रियल एस्टेट धोखाधड़ी मामले में 14.63 करोड़ की संपत्ति अस्थायी रूप से जब्त

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के हैदराबाद क्षेत्रीय कार्यालय ने साई सूर्या डेवलपर्स और उसके मालिक से जुड़े कथित रियल एस्टेट धोखाधड़ी मामले में 14.63 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की गई है। ईडी ने कई घर खरीदारों की शिकायतों के आधार पर जांच शुरू की थी, जिनमें विभिन्न परियोजनाओं में आवासीय भूखंड देने के नाम पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था। अधिकारियों के अनुसार जब्त संपत्तियों में साई सूर्या डेवलपर्स के नाम पर मौजूद जमीन के टुकड़े शामिल हैं।

ईडी ने तेलंगाना पुलिस द्वारा फर्म संचालक सतीश चंद्र गुप्ता के खिलाफ दर्ज कई एफआईआर के आधार पर अपनी जांच शुरू की। पुलिस जांच में सामने आया कि गुप्ता ने कई ग्राहकों से पैसे लेने के बावजूद न तो बिक्री विलेख निष्पादित किए और न ही वादा किए गए भूखंड उनके नाम पर पंजीकृत कराए। जांच के दौरान ईडी को यह भी पता चला कि बिना उचित अनुमोदन के भूखंडों का विपणन और बिक्री की जा रही थी। कुछ मामलों में एक ही भूखंड को एक से अधिक खरीदारों को बेचने के आरोप भी सामने आए हैं। अधिकारियों के अनुसार भुगतान बैंक हस्तांतरण, चेक और नकद के माध्यम से लिया गया, लेकिन कई मामलों में वैध समझौते नहीं किए गए। जांच में यह भी पाया गया कि मालिक, उसके परिवार के सदस्यों और संबंधित व्यावसायिक संस्थाओं के नाम पर कई बैंक खाते संचालित किए जा रहे थे। वित्तीय जांच में संकेत मिला कि खरीदारों से एकत्र धनराशि को विभिन्न खातों के माध्यम से घुमाकर उसके स्रोत को छिपाने की कोशिश की गई। एजेंसी ने अब तक कथित अपराध से अर्जित धनराशि का अनुमान 14.63 करोड़ रुपये लगाया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

शमशाबाद एयरपोर्ट पर राहुल गांधी का स्वागत

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का सोमवार को शमशाबाद हवाई अड्डे पर पार्टी नेताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, मंत्रियों तथा कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने एयरपोर्ट पर राहुल गांधी का स्वागत किया।

इसके बाद वे प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक तथा जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) अध्यक्षों के प्रशिक्षण सत्र में भाग लेने के लिए विकाराबाद जिले के लिए रवाना हुए। बैठक के एजेंडे में महत्वपूर्ण राजनीतिक मुद्दों, पार्टी को मजबूत बनाने की रणनीतियों और अन्य अहम विषयों पर चर्चा शामिल थी।

लोक अदालत में जुर्माना छूट के वायरल वीडियो भ्रामक, पुलिस ने दी चेतावनी

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने 14 मार्च को होने वाली लोक अदालत के दौरान यातायात जुर्माने में विशेष छूट मिलने के दावे वाले भ्रामक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने पर कड़ी चेतावनी जारी की है। शहर के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने स्पष्ट किया कि लोक अदालत के संबंध में लंबित यातायात चालानों पर किसी भी प्रकार की छूट या कमी को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि इस तरह के वायरल वीडियो पूरी तरह से झूठे हैं और इन्हें केवल ऑनलाइन व्यूज और फॉलोअर्स बढ़ाने के उद्देश्य से फैलाया जा रहा है। आयुक्त ने नागरिकों से अपुष्ट जानकारी पर विश्वास न करने और उसे आगे साझा न करने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोग केवल अधिकृत पुलिस चैनलों से जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

दुद्दिल्ला श्रीपादराव की जयंती पर राजकीय समारोह आयोजित

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दिवंगत नेता दुद्दिल्ला श्रीपादराव की जयंती सोमवार को पुलिस महानिदेशक कार्यालय, हैदराबाद में राजकीय समारोह के रूप में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। राज्य सरकार द्वारा इस जयंती को आधिकारिक कार्यक्रम घोषित किए जाने के उपलक्ष्य में पुलिस मुख्यालय में विशेष व्यवस्था की गई। इस अवसर पर कानून-व्यवस्था प्रकोष्ठ के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक महेश एम. भगवत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने श्रीपादराव के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके सार्वजनिक जीवन और राज्य के प्रति योगदान का स्मरण किया। समारोह में बहुक्षेत्र-एक के महानिरीक्षक एस. चंद्रशेखर रेड्डी, सहायक महानिरीक्षक एम. रमण कुमार सहित पुलिस महानिदेशक कार्यालय के अनेक वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। उपस्थित अधिकारियों ने श्रीपादराव के आदर्शों को स्मरण करते हुए उनके सिद्धांतों का पालन करने का संकल्प व्यक्त किया।

राहुल गांधी के दौरे से पहले गिरफ्तारियों पर हरीश राव ने जताई आपत्ति

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएसएलपी के उपनेता टी. हरीश राव ने सोमवार को कांग्रेस लोकसभा नेता राहुल गांधी के विकाराबाद दौरे से पहले बेरोजगार युवाओं और जन संगठनों के नेताओं की गिरफ्तारी की निंदा की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पहले अशोक नगर जाकर बेरोजगार युवाओं का समर्थन मांग चुके हैं, लेकिन अब उन्हीं युवाओं को गिरफ्तार किया जा रहा है। हरीश राव ने आरोप लगाया, कांग्रेस नेताओं ने लोकतांत्रिक शासन को अपनी सातवीं गारंटी बताया था, लेकिन आज की गिरफ्तारियां आपातकाल के दौर की याद दिलाती हैं। उन्होंने कहा कि छल और दमन ही कांग्रेस का असली स्वरूप है।

एलबी नगर फ्लाईओवर पर तेज रफ्तार कार में लगी आग, एक घायल

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार आधी रात को एलबी नगर के बैरामलगुडा फ्लाईओवर पर एक तेज रफ्तार कार ने एक मालवाहक वाहन को टक्कर मार दी, जिसके बाद कार में आग लग गई और इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि इस हादसे में किसी की मौत नहीं हुई है। पुलिस के अनुसार कार तेज गति से चल रही थी और उसने एक डीसीएम ट्रक के पिछले हिस्से में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार अनियंत्रित होकर सड़क विभाजक से जा टकराई, जिससे उसमें अचानक आग लग गई। कुछ ही मिनटों में पूरी कार आग की चपेट में आ गई। घटना के प्रत्यक्षदर्शियों ने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और आग को फैलने से पहले ही काबू में कर लिया।

अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के सामने सड़क बंद, यातायात डायवर्जन लागू

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अमेरिका-इजराइल-ईरान युद्ध की स्थिति को देखते हुए साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने सोमवार को सुरक्षा कारणों से अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के सामने वाली सड़क को बंद कर दिया। वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाए जाने से आसपास के क्षेत्रों में, खासकर व्यस्त समय में, यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने सड़क के दोनों सिरों को अवरुद्ध कर दिया, जिससे कई स्थानों पर जाम की स्थिति बन गई। गौलीडोड्डी और आसपास के आईटी कार्यालयों की ओर जाने वाले यात्रियों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह दी गई है।

यातायात परामर्श के अनुसार आईसीआईसीआई की ओर से गौलीडोड्डी जाने वाले वाहन चालकों को भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण जंक्शन होते हुए तेलंगाना राज्य औद्योगिक अवसंरचना निगम (टीजीआईआईसी) जंक्शन की ओर जाने को कहा गया है। इसी तरह टीएनजीओ जंक्शन से कॉन्सुलट रोड की ओर आने वाले वाहन चालकों को वित्तीय जिले तक पहुंचने के लिए कृतुंगा रेस्टोरेंट, प्रिज्म रोड और लेमन ट्री होटल मार्ग से जाने की सलाह दी गई है। साइबराबाद पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे डायवर्जन बोर्ड का पालन करें, ड्यूटी पर तैनात कर्मियों के साथ सहयोग करें और संभावित देरी से बचने के लिए अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाएं।

विज्ञापन
पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय वा.से.शि. बेगमपेट
बोवेनपल्ली रोड, न्यू बोवेनपल्ली, हैदराबाद - 11
वेबसाइट: https://begumpetafs.kvs.ac.in
ईमेल: kvafsbegumpet@gmail.com
सिविल वर्क्स, प्लंबिंग, कालीनकारी, पेंटिंग, विद्युत कार्य, फ्लोरिंग एवं मेसनरी, पेयजल की आपूर्ति, कूड़ा संग्रहण एवं निपटान, कैटरिंग सेवाएं, कॉट्स, बेड्स सहित गद्दे, परिवहन सुविधा, टेंट, लाइटिंग, खेल एवं क्रीड़ा, जनरेटर सेवाएं, संगीत वाद्ययंत्र, वेशभूषा, प्रयोगशाला उपकरण, कम्प्यूटर एवं परिधीय उपकरण, सीसीटीवी, यूपीएस, कम्प्यूटर का एएमसी, सीसीटीवी का एएमसी, यूपीएस का एएमसी, रखरखाव एवं मरम्मत आदि के लिए फर्मों का पंजीकरण हेतु आमंत्रण।
प्राचार्य

अवैध रेत खनन का आरोप, केटीआर ने की जांच की मांग

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने सोमवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार अन्नाराम बैराज में अवैध रेत खनन की अनुमति दे रही है और इसे कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना को कमजोर करने की आपराधिक साजिश बताया। सोशल मीडिया मंच एक्स पर उन्होंने कहा कि बांध के नीचे से रेत निकालने के लिए भारी मशीनों का उपयोग किया जा रहा है, जो ऐसे ढांचों के पास खनन पर रोक लगाने वाले नियमों का उल्लंघन है।

उन्होंने इसे गंभीर अपराध बताते हुए कथित रेत माफिया के खिलाफ तत्काल आपराधिक कार्रवाई की मांग की। रामाराव ने सवाल उठाया कि मेडिगड्डा बैराज के बाद अब अन्नाराम बैराज को भी नुकसान पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने इस मामले की गहन जांच की मांग करते हुए कहा कि बैराज को खतरे में डालकर उसका दोष बीआरएस पर मढ़ने की साजिश की जा रही है।

उन्होंने कालेश्वरम परियोजना के बांधों को हुए किसी भी नुकसान के लिए रेवंत रेड्डी सरकार को जिम्मेदार ठहराया और कांग्रेस नेताओं पर तेलंगाना के संसाधनों की लूट का आरोप लगाया। साथ ही चेतावनी दी कि किसान राज्य की सिंचाई परियोजनाओं को नुकसान पहुंचाने के किसी भी प्रयास को माफ नहीं करेंगे।

तीन लोगों की आत्महत्या मामले में चार साहूकार गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अंबरपेट पुलिस ने बापू नगर में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की आत्महत्या के मामले में चार कथित अवैध साहूकारों को गिरफ्तार किया है। यह घटना पिछले सप्ताह सामने आई थी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद वसी उज जमान उर्फ इरफान, पी राजशेखर रेड्डी, मोहम्मद नवाज और सैयद मजीद हैदर के रूप में हुई है। सभी आरोपी हैदराबाद के रहने वाले हैं।

मृतकों की पहचान काडगेकर रामराज (54), उनकी पत्नी माधवी और बेटे शशांक राज के रूप में हुई है। 24 फरवरी को तीनों अपने घर में मृत पाए गए थे। पुलिस के अनुसार, रामराज और उनके बेटे ने फांसी लगाई थी, जबकि माधवी बिस्तर पर मृत मिलीं। एक रिश्तेदार से सूचना मिलने के बाद दंपति की बेटी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। जांच के दौरान पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला, जिसमें कर्ज चुकाने के दबाव और उत्पीड़न के लिए साहूकारों को जिम्मेदार ठहराया गया है। बताया गया है कि परिवार ने मल्लापुर और चक्रीपुरम में फूड आउटलेट चलाने के लिए करीब 57 लाख रुपये का कर्ज लिया था। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने अधिक ब्याज वसूला और जमानत के तौर पर खाली चेक और संपत्ति के कागजात रखे। वे बार-बार परिवार को पैसे लौटाने के लिए धमका रहे थे। कॉल डिटेल रिकॉर्ड से पता चला है कि आरोपियों ने घटना से कुछ घंटे पहले भी पीड़ितों से संपर्क किया था।

सबूतों के आधार पर पुलिस ने मामले को बीएनएस की धारा 108 (आत्महत्या के लिए उकसाना) में दर्ज किया है। पुलिस ने खाली चेक, वचन पत्र, समझौता पत्र, जमीन के दस्तावेज और मोबाइल फोन जब्त किए हैं। चारों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले की जांच जारी है।

रजि. नं. 14/2023

अखिल भारतीय बिश्नोई युवा संगठन
हैदराबाद-सिकन्दराबाद (तेलंगाना)
प्लॉट नं. 3, ग्राम - कोहेड़, तरुर, हयातनगर
होली स्नेह मिलन समारोह हवन पाहल एवं महाप्रसादी

मंगलवार 3 मार्च 2026, प्रातः 7:15 बजे
स्थान : प्लॉट नं. 3, ग्राम - कोहेड़, तरुर, हयातनगर, हैदराबाद
पावन सान्निध्य : महंत श्री आनन्दप्रकाश जी महाराज (अगूणी आश्रम, जाम्बा)
समस्त बिश्नोई समाज बंधुओं एवं मित्रगणों से निवेदन है कि गुरु महाराज श्री जम्भेश्वर भगवान की कृपा से होली के पावन अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पधारें एवं आयोजन को सफल बनाएँ।
अध्यक्ष आईदानराम सियाक जाम्बा 9885088129
उपाध्यक्ष भगवानराम खिचड़ लोहावट 9866395158
कोषाध्यक्ष राकेश गीला सांईसर 9000193501
सचिव मांगीलाल गोदारा कानासर 9848517429
सह-सचिव ओमप्रकाश सियाक जाम्बा 9587387520
- कार्यकारिणी सदस्यगण -
अशोक उदाणी सांवरीज 8639567121
हेतराम जंवर जैसला 9701015314
अशोक मांझू रणीसर 9704065829
जितेन्द्र सियाक चाड़ी 7032291344

'शराबबंदी हट जाए तो अच्छा'

अब जेडीयू भी इस कानून के खिलाफ!

कहा- 'नीतीश कुमार की इच्छा'

पटना, 2 मार्च (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा के बजट सत्र में राष्ट्रीय लोक मोर्चा के विधायक माधव आनंद ने मांग उठाई थी कि शराबबंदी कानून की समीक्षा होनी चाहिए। इसके बाद बीजेपी के विधायक विनय बिहारी, हम के संरक्षक जीतन राम मांझी, सहित कई नेताओं ने शराबबंदी के खिलाफ बयानबाजी की थी। सदन में शराबबंदी कानून को लेकर काफी चर्चा भी हुई। विपक्ष ने भी जमकर हमला किया।

अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू से भी इसको लेकर आवाज उठने लगी है। सांसद देवेशचंद्र ठाकुर का कहना है कि यह (शराबबंदी) हट जाए तो बहुत अच्छा होगा।

जेडीयू सांसद ने एक बयान दिया है। सांसद ने साफ तौर पर कहा कि पूरी दुनिया में कहीं भी यह सक्सेस नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि उनकी (नीतीश कुमार) इच्छा बिल्कुल सही थी, उनके इरादे, उनके ख्याल बहुत अच्छे थे कि शराब पीने से घर में मारपीट होती है, घर बर्बाद होता है, शराब के कारण गरीब के बच्चों का पढ़ाई रुक जाती है, लेकिन प्रैक्टिकल रूप में देखा जाए तो कहीं भी शराबबंदी खत्म नहीं हुई है। जेडीयू सांसद ने कहा कि सभी जगह शराब मिल रही है। बिहार में एक तरफ झारखंड है, एक ओर पश्चिम बंगाल है, एक ओर उत्तर प्रदेश है, तो हर जगह बॉर्डर सील नहीं है। सांसद ने एक और बड़ा खुलासा करते हुए 10 साल पहले की बात बताई।

उन्होंने कहा कि जब शराबबंदी कानून नहीं था तो उस वक्त दोनों सदनों में हमारे नेता नीतीश कुमार ने शपथ दिलवाई थी। इसमें किसी ने इसका विरोध नहीं किया। विपक्ष भी खुद को रोक नहीं सका क्योंकि शराबबंदी की बात थी। विपक्ष ने भी सपोर्ट किया था, लेकिन हमारे मुख्यमंत्री को किसी ने सूचना दे दी कि विधान परिषद में आपके ही दो सदस्य शपथ में नहीं रहे। वह गायब थे। शपथ में गायब होने वालों में एक सदस्य मैं भी था।

देवेश चंद्र ठाकुर ने कहा, नीतीश जी के पास यह बात पहुंच गई तो उन्होंने पूछा कि कौन लोग थे तो एक मेरा नाम आया। मुझे मुख्यमंत्री जी ने बुलाया और पूछा कि आप शपथ के समय क्यों गायब हो गए? तो मैंने कहा कि सर बिल तो पास हो ही गया था।

शपथ की क्या जरूरत है। उन्होंने कहा कि शपथ तो लेना था सभी को... तो हमने साफ कहा कि मैंने शपथ नहीं ली क्योंकि आपने कानून बिहार के लिए बनाया है... और आप शपथ लेने के लिए कह रहे हैं कि आप शराब का सेवन कभी नहीं करेंगे... तो मैं बिहार में रहूंगा तो सेवन नहीं करूंगा, लेकिन बिहार के बाहर जाऊंगा तो क्या दिक्कत होगी... हालांकि बात वहीं पर खत्म हो गई।

उन्नाव में भाजपा नेताओं में तकरार

उन्नाव, 2 मार्च (एजेंसियां)। उन्नाव के सदर क्षेत्र में भाजपा नेताओं के बीच सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणियों को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। सदर विधायक पंकज गुप्ता और पालिकाध्यक्ष पति प्रवीण मिश्र के बीच फेसबुक पोस्ट के माध्यम से हुए विवाद ने शहर में चर्चा का विषय बना दिया है। पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई है। यह विवाद तीन दिन पहले आकाश नामक युवक पर हुए हमले और उसके बाद पुलिस तक पहुंचे मामले से जुड़ा बताया जा रहा है। हालांकि, दोनों नेताओं ने अपनी पोस्ट में किसी का सीधा नाम नहीं लिया है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसे आपसी तकरार के रूप में देखा जा रहा है। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने अपनी फेसबुक वॉल पर लिखा, "भैया क्षमा करो, हमको जनता की सेवा करने दो।"

खड़े ट्रक से टकराई रोडवेज बस, तीन यात्रियों की मौत

उन्नाव, 2 मार्च (एजेंसियां)। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर सिरधरपुर और देवखरी गांव के पास मथुरा और आगर डिपो की दो रोडवेज बसें एक ही ट्रक में भीड़ गईं। हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गई जबकि दोनों बसों के 31 यात्री घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को बांगरमऊ सीएचसी भेजा। वहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। दोनों घटनाएं चालक को झपकी आने से बताई जा रही हैं। एक्सप्रेसवे पर 12 बजे एक ट्रक किलोमीटर संख्या 226 सिरधरपुर गांव के सामने सड़क घेरकर खड़ा था। रात करीब 12 आगरा फोर्ट की बस खड़े ट्रक में पीछे से भिड़ गई। हादसे में 14 सवारी घायल हो गईं। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पांच एंबुलेंस से सभी घायलों को बांगरमऊ स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया साथ ही हाइड्रा मंगाकर क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने का प्रयास शुरू किया।

वेज बिरयानी शॉप के फ्रिज में मिला शव

लखनऊ, 2 मार्च (एजेंसियां)। लखनऊ में नीले ड्रम के बाद अब डीप फ्रिजर में लाश मिली है। 3 दिन से बंद बिरयानी की दुकान में रखे डीप फ्रीजर से युवक की लाश ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस को घटनास्थल पर मिले कुछ सबूतों ने हत्या की ओर इशारा किया है। मृतक की पहचान विजय पाल के रूप में हुई है। उनकी एक चप्पल सड़क के किनारे मिली, जबकि दूसरी दुकान के अंदर मिली। दुकान तीन दिनों से बंद थी, माना जा रहा है कि इसी का फायदा उठाकर आरोपी ने लाश फ्रिज के अंदर छिपाई होगी। यूपी की राजधानी लखनऊ से एक और सनसनीखेज मामले मामला सामने आया है। यहां बीकेटी के किशनपुर गांव निवासी विजय पाल (38) का शव रविवार सुबह जीसीआरजी कॉलेज गेट के सामने स्थित वेज बिरयानी की दुकान में रखे फ्रीजर में मिला। विजय पाल शुक्रवार दोपहर से लापता थे। पुलिस को घटनास्थल पर मिले सबूतों के आधार पर हत्या की आशंका है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। घरवालों ने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। वेज बिरयानी की दुकान का मालिक जब अपने दुकान को सामान लेने पहुंचा तो उसने डीप फ्रीजर खोज तो उसमें विजय पाल की लाश पड़ी थी।

हनीट्रैप में फंसाने के लिए देती थीं खूबसूरती का झांसा

मुरादाबाद, 2 मार्च (एजेंसियां)। यूपी में मुरादाबाद के थाना सिविल लाइंस में पुलिस ने हनीट्रैप से लोगों को लूटने वाली मुस्लिम महिलाओं को गिरफ्तार किया है। इनके साथ 3 वो लोग भी शामिल हैं जो इस काम में इनका साथ देते थे। पुलिस ने एक महिला की शिकायत पर ये कार्रवाई की है। सभी को जेल भेज दिया गया है।

पुलिस की गिरफ्त में काले बुर्के और नकाब में खड़ी ये तीन महिलाएं हैं शीबा उर्फ सानिया, निशा और मुस्कान। ये तीनों अपनी खूबसूरती दिखाकर लोगों को हनीट्रैप के जाल में फंसाकर फिर ब्लैकमेल करती हैं। इतना ही नहीं लोगों को धमकाने और मारने-पीटने में इनका साथ देने में तीन लड़के भी इनके साथ होते हैं। लेकिन अब ये सभी 6 पुलिस की गिरफ्त में हैं और उन्हें जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने महिला सुचिता मेहरा की तहरीर पर एफआईआर दर्ज करके कार्रवाई की और विकास मेहरा को ब्लैकमेल करने के आरोप में तीन महिलाओं सहित सभी 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें मिलक निवासी शीबा उर्फ सानिया, निशा और मुस्कान शामिल हैं।

रंगे हाथों पकड़ा गया मालकिन से रेप का आरोपी

लखीमपुर, 2 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले से विश्वासघात और हैवानियत की एक झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। जहां एक शख्स ने अपने ही मालिक के भरोसे का कत्ल करते हुए उसकी बीमार पत्नी के साथ कई बार दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

हाईकोर्ट ने उम्रकैद की सजा को 14 साल में बदला

लखनऊ, 2 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने दो महिलाओं पर एसिड हमला करके गैर इरादतन हत्या के मामले में दोषी व्यक्ति की सजा में राहत देते हुए उम्रकैद को घटाकर 14 साल के कारावास में बदल दिया है।

हालांकि अदालत ने उसकी दोष सिद्धि बरकरार रखी है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि एफआईआर वकील की मदद से लिखवाना गलत नहीं माना जा सकता। कानूनी सहायता लेना हर व्यक्ति का अधिकार है और इससे रिपोर्ट की सच्चाई पर संदेह नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति ए.के. चौधरी की खंडपीठ ने प्रतापगढ़ निवासी जगदम्बा हरिजन की अपील पर यह फैसला सुनाया।

सत्र न्यायालय ने उसे आजीवन कारावास की सजा दी थी। हाईकोर्ट ने साक्ष्यों, गवाहों के बयान और मेडिकल रिपोर्ट को सही मानते हुए दोष बरकरार रखा, लेकिन आरोपी द्वारा पहले ही लगभग 14 वर्ष जेल में बिताने के आधार पर सजा कम कर दी।

'इजरायल और अमेरिका की दादागिरी'

जोडीयू नेता गुलाम रसूल ने अली खामेनेई की मौत पर जताया दुख

पटना, 2 मार्च (एजेंसियां)। जदयू के पूर्व राज्यसभा सांसद और बिहार राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष गुलाम रसूल बलियावी ने इजरायल और अमेरिका के ईरान पर हमले में सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर दुख जताया। उन्होंने निशाना साधते हुए कहा कि इजरायल और अमेरिका की दादागिरी नहीं चलेगी। इसके साथ ही ईरान को भारत का सच्चा साथी बताया। बलियावी ने कहा, "भारत का ईरान के साथ अटूट संबंध रहा है। हर मुश्किल समय में ईरान ने भारत का साथ दिया है।

इजरायल के संबंध में यह स्पष्ट होना चाहिए कि हमारे देश के किसी भी प्रधानमंत्री या किसी भी प्रसिद्ध व्यक्तित्व ने उनसे कोई गहरा संबंध नहीं रखा। इजरायल और अमेरिका फिलिस्तीनियों और ईरान के साथ अत्याचार कर रहे हैं।" बिहार राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष गुलाम रसूल बलियावी ने सवाल किया कि क्या हम अपने देश की सुरक्षा किसी दूसरे देश की सलाह से करेंगे? क्या इजरायल को परमाणु संयंत्र रखने का अधिकार है? क्या अमेरिका को है? तो क्या ईरान को नहीं है? उन्होंने आगे कहा, "इजरायल और अमेरिका की दादागिरी नहीं चलेगी। ये बिलकुल गलत हो रहा है।

युद्ध तुरंत रोका जाना चाहिए। जिस तरह से हमले किए जा रहे हैं उससे दुनिया दो हिस्सों में बंट गई है। अब आगे क्या होगा यह कह पाना बहुत मुश्किल है। यह जायनिस्टों की एक जमात है। दुनिया यह जानती है कि हिटलर ने उन्हें मारकर भगा दिया था, लेकिन मुसलमानों ने उन्हें पनाह दी और आज उसी की सजा भुगत रहे हैं।"

19 वर्षीय युवक ने की आत्महत्या

मुजफ्फरनगर, 2 मार्च (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर के बुढाना कोतवाली क्षेत्र में सोमवार को एक 19 वर्षीय युवक का शव तहसील के पीछे फांसी पर लटका मिला। मृतक की पहचान अफसर खान (19) पुत्र नियामत के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में लटका मिला था। पुलिस ने घटना स्थल पर भीड़ को नियंत्रित किया और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू की। पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना दी, जिसके बाद वे बुढ़ाना समुदाय स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। शव देखकर परिजनों में शोक व्याप्त हो गया।

तेजस्वी यादव के राज्यसभा जाने की चर्चा पर गिरिराज सिंह की प्रतिक्रिया

'हमें मालूम हुआ है कि युवराज ही जाना चाहते हैं'

पटना, 2 मार्च (एजेंसियां)। बिहार की पांच राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होना है। बहुमत के हिसाब से चार सीटें एनडीए के खाते में जाती दिख रही हैं तो वहीं एक सीट के लिए सस्पेंश बरकरार है। महागठबंधन से तेजस्वी यादव के नाम की चर्चा शुरू है। हालांकि इस पर आधिकारिक रूप से अभी कुछ तय नहीं हुआ है। इस बीच वार-पलटवार शुरू हो गया है। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी सांसद गिरिराज सिंह ने भी तेजस्वी के नाम पर जारी चर्चा पर प्रतिक्रिया दी है। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के राज्यसभा चुनाव लड़ने की चर्चा पर सोमवार (02 मार्च, 2026) को गिरिराज सिंह ने कहा, हमें मालूम हुआ है कि युवराज ही जाना चाहते हैं, अब यहां से मन ऊब गया है। अच्छा है, लड़कर देख लें। बता दें कि राज्यसभा चुनाव को लेकर आरजेडी ने पार्लियामेंट्री बोर्ड की बैठक की थी। इस बैठक में राज्यसभा चुनाव को लेकर मंथन हुआ।

साथ ही राज्यसभा के उम्मीदवार के चयन के लिए लालू यादव और तेजस्वी को अधिकृत किया गया। बैठक में तय हुआ कि जो भी प्रत्याशी होगा वो नामांकन के आखिरी दिन (05 मार्च, 2026) नॉमिनेशन करेगा। अब देखना होगा कि तेजस्वी के नाम की चर्चा कितनी सच होती है।

8 साल की बच्ची को कुत्तों ने मार डाला

लखनऊ, 2 मार्च (एजेंसियां)। लखनऊ में आवारा कुत्तों ने 8 साल की बच्ची को नोच-नोचकर मार डाला। बच्ची का खून से लथपथ शव घर से करीब 500 मीटर दूर खेत में मिला। उसका चेहरा पूरी तरह से नुचा हुआ था। जगह-जगह से मांस के लोथड़े लटक रहे थे। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के तरौना गांव में हुई। मृतक की पहचान अंशिका के रूप में हुई। वह कक्षा-1 की छात्रा थी। घर से अकेली निकली थी, तभी कुत्तों ने हमला कर दिया। तरौना गांव की कुछ महिलाएं शाम को खेतों की ओर गई थीं। इस दौरान उन्होंने खेत में किसी को जमीन पर पड़ा हुआ देखा। महिलाएं डर गईं और गांव में आकर लोगों को यह बात बताई।

तेजस्वी यादव गए राज्यसभा तो राघोपुर से पत्नी राजश्री लड़ेंगी चुनाव

बीजेपी का चौंकाने वाला दावा

पटना, 2 मार्च (एजेंसियां)। सियासी गलियारे में चर्चा है कि आरजेडी नेता तेजस्वी यादव राज्यसभा के उम्मीदवार हो सकते हैं। हालांकि ये बस कयास है लेकिन इस पर बयानबाजी शुरू हो गई है। इस बीच बीजेपी की ओर से एक चौंकाने वाला दावा किया गया है। बीजेपी नेता निखिल आनंद ने एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, तेजस्वी यादव वाकई राज्यसभा जा रहे हैं? अगर यह सच है तो वह निश्चित रूप से राघोपुर की खाली सीट से अपनी पत्नी रेचल गोडिन्हो उर्फ राजश्री यादव को चुनाव लड़वाना सुनिश्चित करेंगे।

निखिल आनंद ने कहा कि तेजस्वी कानूनी पचड़े में फंसने की स्थिति में अपनी पत्नी को आगे बढ़ाने का विकल्प बरकरार रखना चाहते हैं। परिवार और पार्टी में चल रहे टकराव को देखते हुए तेजस्वी कानूनी चुनौती की स्थिति में अपनी पत्नी के अलावा किसी भी दूसरे पर भरोसा नहीं करना चाहते हैं। यह बिल्कुल स्पष्ट है कि तेजस्वी ने खुद को परिवार से अलग कर लिया है और आगे अपने पिता की तरह पार्टी को व्यक्तिगत जागीर के रूप में चलाएंगे।

'करारी हार के बाद सदमे में तेजस्वी यादव'

उन्होंने कहा, इसका मतलब यह भी है कि बिहार विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद वह (तेजस्वी यादव) अब भी सदमे में हैं। तेजस्वी थोड़ा परेशान हो गए हैं, असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और साथ ही विपक्ष के नेता के रूप में बिहार विधानसभा में पार्टी का नेतृत्व करने का आत्मविश्वास भी खो चुके हैं। पार्टी और परिवार के भीतर संघर्ष ने उन्हें गंभीर रूप से असहज कर दिया है।

'अगले विधानसभा चुनाव तक आरजेडी का खत्म होना तय'

निशाना साधते हुए निखिल आनंद ने अपने पोस्ट में आगे लिखा है, तेजस्वी यह भी सोच रहे हैं कि पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद उनके दिल्ली जाने से आरजेडी को राष्ट्रीय पार्टी बनने में मदद मिलेगी, लेकिन मूल रूप से 'राजद' एक बिहार केंद्रित पार्टी है और जब उनका परिवार बिहार की पार्टी से दूरी बना लेगा तो अगले विधानसभा चुनाव तक राज्य में आरजेडी का खत्म होना तय है। बीजेपी नेता ने कहा कि एक बात यह भी है कि चौतरफा असमंजस की स्थिति में घिरे तेजस्वी बिहार से बाहर एक सुरक्षित ठिकाना ढूंढना चाहते हैं, जहां पर वे विलासिता का आनंद लेते हुए खुशी से जीवन-यापन की गाड़ी आगे बढ़ा सकें।

यह उस स्थिति के लिए तैयारी है जब पार्टी की चुनौतियां ज्यादा बढ़े और इस कदर स्थिति हो जाए उनकी पार्टी परिदृश्य से गायब हो जाएगी। स्वाभाविक सी बात है कि तेजस्वी के दिल्ली जाने के बाद अब बिहार के लोगों के लिए, राजद एक दिल्ली और हरियाणा आधारित निर्यातक गुणवत्ता वाली राजनीतिक पार्टी हो जाएगी, जो केवल बिहार में राजनीतिक आपूर्ति श्रृंखला का प्रबंधन करेगी।

पुलिस चौकी परिसर में युवक ने खुद को लगाई आग

अलीगढ़, 2 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में खेर कोतवाली क्षेत्र के कस्बा खैर चौकी परिसर में एससी एक्ट में वारंटी आरोपी ने पुलिस प्रताड़ना से परेशान हो कर खुद को आग लगा ली। इससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस चौकी परिसर में युवक द्वारा आग लगाए जाने की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और चौकी के भीतर हंगामा करते हुए पुलिस चौकी में तैनात पुलिस कर्मियों पर अपने भाई को आग लगाकर जिंदा जलाए जाने का आरोप लगाया। आग में बुरी तरह से जले व्यक्ति को परिजनों द्वारा आनन-फानन में उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खैर ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत को नाजुक देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया।

फरियाद लेकर गई महिला को खंभे से बांधकर पीटा

मधुबनी, 2 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के मधुबनी जिले के घोघरडीहा थाना क्षेत्र अंतर्गत अमही गांव में न्याय की गुहार लगाने गई 40 वर्षीय महिला के साथ कथित अमानवीय व्यवहार और मारपीट का मामला सामने आया है। इलाज के दौरान पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में महिला की मौत हो जाने से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतका की पहचान अमही गांव वार्ड संख्या-11 निवासी मो। सहासुद्दीन की पत्नी रौशन खातून के रूप में हुई है।

एक ही परिवार के 4 लोगों की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या

बहराइच, 2 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के बहराइच में युवक ने अपने माता-पिता, बहन और दादी को मार डाला। परिवार पर 30 मिनट तक कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार करता रहा। बीच-बचाव करने आए बड़े भाई की भी जान लेने की कोशिश की, लेकिन किसी तरह वो बच गया। 10 साल का भतीजा पूरी वारदात को छिपकर देखता रहा। चीख-पुकार सुनकर गांव वाले भागकर मौके पर पहुंचे तो मंजर देखकर दंग रह गए। फर्श पर और बेड पर लाशें बिछी थीं। बड़ा भाई दर्द से कराह रहा था।

लोगों को देखकर आरोपी ने सुसाइड करनी चाही। ईंट से अपने सिर पर कई वार किए। खून ज्यादा बहने की वजह से बेहोश हो गया। सूचना पर पुलिस फोर्स पहुंची। आरोपी को गिरफ्तार कर जिला अस्पताल भिजवाया। हालत गंभीर होने की वजह से उसे ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। इस दौरान गुस्से में आकर युवक ने कुल्हाड़ी से पूरे परिवार पर हमला कर दिया। फॉरेंसिक टीम ने हमले में इस्तेमाल कुल्हाड़ी बरामद कर ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना जिला मुख्यालय से 45 किलोमीटर दूर रुपईडीहा थाना क्षेत्र के रामनगर बसंतपुर उदल गांव की है।

पत्नी-साले संग मिलकर एमबीए भाई के मर्डर की साजिश रची

झांसी, 2 मार्च (एजेंसियां)। झांसी में एमबीए पास भाई तारिक बेग (40) की हत्या की साजिश छोटे भाई मशारिक ने पत्नी और साले के साथ मिलकर रची थी। पुलिस ने मशारिक के साले तालिब उर्फ असद खान को गिरफ्तार कर लिया, जबकि पत्नी मुस्कान अब भी फरार है। तालिब पिछले 11 दिनों से पुलिस को चकमा दे रहा था। पुलिस की पूछताछ में तालिब से चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उसने बताया- मशारिक और मुस्कान के साथ मिलकर तारिक की हत्या की साजिश वारदात से 13 दिन पहले रच ली गई थी। उसे चाय के बहाने जगाने, फिर हत्या कर शव को घर के अंदर ही दफनाने का प्लान बनाया गया। तालिब ने बताया- हम तारिक का सिर काटकर धड़ से अलग करने चाहते थे, लेकिन कामयाब नहीं हो पाए। खून नाले के रास्ते बाहर न जाए, इसलिए घर के अंदर नाले में गद्दा ठूंस दिया गया। एक सीसीटीवी की वजह से हमारी पोल खुल गई। बता दें कि पुलिस ने मशारिक को गिरफ्तार किया।

अवैध मतांतरण मामले में विदेशी सरगना दाऊद अहमद की संपत्ति होगी कुर्क

आगरा, 2 मार्च (एजेंसियां)। अवैध मतांतरण मामले में विदेशी सरगना के न्यायालय में हाजिर न होने पर संपत्ति कुर्क की जाएगी। इसके लिए पुलिस कार्रवाई में जुटी है। इसके बाद आरोपित को कनाडा से भारत लाने के लिए इंटरपोल के माध्यम से रेड कार्नर नोटिस जारी कराया जाएगा। हाल ही में आगरा पुलिस ने विदेशी सरगना के भोपाल स्थित गोपाल स्थित आवास पर नोटिस चस्पा करने की कार्रवाई की थी। आगरा के चर्चित अवैध मतांतरण मामले में विदेशी सरगना के रूप में कनाडा में रह रहा दाऊद अहमद वांछित है। हाल ही में आगरा पुलिस ने आगरा पुलिस ने भोपाल के गांधीनगर स्थित रिलायबल हाइटेक सिटी कॉलोनी में स्थित दाऊद के घर पर न्यायालय से जारी नोटिस चस्पा किया था। पुलिस टीम ने उसके पिता जावेद और भाई को भी नोटिस तामील कराया साथ ही कॉलोनी में मुनादी भी कराई थी। नोटिस के अनुसार दाऊद अहमद को फरवरी में न्यायालय में पेश होना है। आरोपित के न्यायालय में हाजिर न होने पर संपत्ति को कुर्क किया जाएगा। इसके लिए आगरा पुलिस ने तैयारी शुरू कर दी है। पुलिस कनाडा से दाऊद को भारत लाने के लिए इंटरपोल के माध्यम से रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराने की प्रक्रिया पूरी कर रही है।

खामेनेई की मौत को लेकर किस पर भड़के एआईएमआईएम नेता?

लखनऊ, 2 मार्च (एजेंसियां)। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की खबर ने हड़कंप मचा दिया है। इस बीच दुनियाभर के लोगों में जमकर गुस्सा देखने को मिल रह है। ऐसे में भारत के लोग अब अयातुल्ला खामेनेई के समर्थन में सड़कों पर हैं। इस बीच उत्तर प्रदेश में एआईएमआईएम नेता असीम वकार की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। वीडियो बयान जारी कर असीम वकार ने कहा कि जबसे अली खामेनेई की शहादत की खबर सुनी है। तबसे मेरे दिल में तरह-तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि इसमें सिर्फ ट्रंप और नेतन्याहू ही शामिल नहीं हैं बल्कि इसमें वो लोग भी शामिल हैं जो अपने आपको मुसलमान कहते हैं और उसके बाद अपने एयरबेस और अपनी जगह देकर ईरान पर हमला कराया। असीम वकार ने आगे कहा कि कुछ लोग यह भी कहते थे और आज भी कहते हैं कि ईरान एक शिया मुल्क है। अली खामेनेई को शिया बताकर उनका विरोध कर उनके दुश्मनों का साथ देकर जितने लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया है उनसे मेरा एक सवाल है। असीम वकार ने पूछा कि अगर अली खामेनेई शिया हैं, शिया थे इस वजह से तुम लोग विरोध में है तो क्या नेतन्याहू और ट्रंप को कट्टर सुन्नी मानते हो। उन्होंने आगे कहा कि इसलिए तुमने उनका साथ दिया। या फिर दुनिया के सामने यह मान लिया जाए कि जिन लोगों ने मुसलमान होने के बावजूद भी नेतन्याहू और ट्रंप का साथ देकर अली खामेनेई को शहीद करवाया है। क्यों न मैं उन लोगों को यह मान लूं कि वे यहूदी और नसारा हो गए हैं, या उसी नस्ल से हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैं आप लोगों से सवाल कर रहा हूं। इस वक्त मेरा दिल रो रहा है। हम लोगों ने एक बहुत बड़ा कौम का रहबर, एक जंगजू और न झुकने वाला शख्स खो दिया है। अल्लाह हमको माफ नहीं करेगा। उन्होंने आगे कहा कि आप लोगों से उम्मीद है कि सवाल पूछना अगर कोई कहे कि ईरान शिया मुल्क है तो पूछना अमेरिका और ईरान को सुन्नी मुल्क मानते हो? उन्होंने आगे कहा कि मैं सैयद अली खामेनेई को सलाम पेश करता हूं।

लालच में किया दोस्ती का कत्ल

नई दिल्ली, 2 मार्च (एजेंसियां)। द्वारका में दोस्ती और भरोसे को शर्मसार करने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। महज कुछ सोने की अंगूठियों और पैसों के लालच में एक कलयुगी दोस्त ने अपने ही साथी की बेरहमी से हत्या कर दी। ल्ली पुलिस के द्वारका जिला की एंटी-नारकोटिक्स सेल ने गुमशुदगी की रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए इस ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी सुलझा ली। मृतक की पहचान 48 वर्षीय अनुरूप गुप्ता के रूप में हुई है, जो द्वारका में कैंटीन चलाते थे।

उनका शव तीन प्लास्टिक बैग में बंद हालत में यमुना नदी में मथुरा के पास मिला था। जांच के दौरान पुलिस ने इस हत्याकांड का पर्दाफाश करते हुए मुख्य साजिशकर्ता हैप्पी उर्फ सूरज (29 वर्ष, निवासी हांसी, हरियाणा) को गिरफ्तार किया।

जमीन के नीचे इंतजार में ईरान का तबाही मचाने वाला हथियार

खुफिया सुरंग में भरे दिखे शाहेद ड्रोन

तेहरान, 2 मार्च (एजेंसियां)। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने अपने ड्रोन क्षमताओं में नए स्तर को दिखाते हुए शाहेद ड्रोन टनल नेटवर्क का खुलासा किया है। हाल ही में दुबई के आकाश में शाहीद श्रृंखला के लोइटरिंग म्यूनिशन ड्रोन देखे गए, जिनमें से एक ने शहर के किसी क्षेत्र को भी निशाना बनाया। स्थानीय लोगों ने इस घटना के दृश्य सोशल मीडिया पर साझा किए।

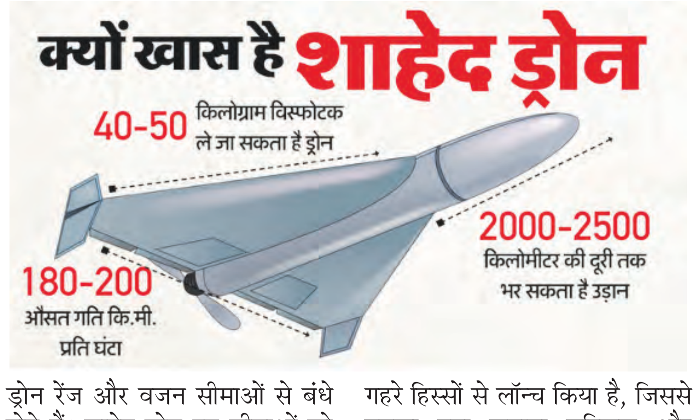

शाहेद ड्रोन की ताकत

शाहेद ड्रोन की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सस्ती निर्माण और तैनाती है, लेकिन यह आकार के मुकाबले अत्यधिक प्रभावी हथियार साबित होता है। इसके चलते विरोधी को महंगे एंटी-ड्रोन मिसाइल खर्च करनी पड़ती हैं, जिससे इसे रोकना महंगा और मुश्किल हो जाता है। अधिकतर हथियारबंद ड्रोन रेंज और वजन सीमाओं से बंधे होते हैं। शाहेद ड्रोन इन सीमाओं को पार करते हुए ड्रोन और क्रूज मिसाइल का संयोजन बनाता है। उदाहरण के लिए, शहीद-136 2,500 किमी तक दूरी तय कर सकता है।

टनल नेटवर्क और रणनीति

ईरान ने इन ड्रोन को अपने क्षेत्र के गहरे हिस्सों से लॉन्च किया है, जिससे उनका पता लगाना मुश्किल और संचालन सुरक्षित बना। इसका पेलोड और रेंज ताकत भी प्रभावशाली है। शाहेद ड्रोन बहुत कम ऊंचाई पर उड़ते हैं और बुनियादी पिस्टन प्रोपल्शन सिस्टम से संचालित होते हैं। छोटी रडार सिग्नेचर और कठिन भौगोलिक क्षेत्रों में उड़ान इसे मुश्किल से पकड़ने योग्य बनाती है। कुछ लोगों ने शाहेद ड्रोन के इंजन की आवाज को मृत्यु की चीख़ कहा है। नागरिकों ने लक्ष्य पर हमला करने से पहले इसकी मोटर की आवाज सुनी, जिससे आम लोगों और विरोधी सेनाओं में साइकोलॉजिकल डर फैलता है।

शाहेद-136 की खासियत

ईरान का शाहेद-136 ड्रोन अपनी दूरी, पेलोड क्षमता और सस्ते डिजाइन के कारण क्षेत्रीय सैन्य तनाव में अहम भूमिका निभा रहा है।
यह ड्रोन लगभग 2,000-2,500 किलोमीटर की दूरी तक उड़ सकता है और 40-50 किलोग्राम विस्फोटक ले जाने में सक्षम है।
इसकी औसत गति 180-200 किलोमीटर प्रति घंटा है, जो इसे धीमा लेकिन टिकाऊ बनाती है।
3,000-4,000 मीटर की उड़ान ऊंचाई और कम रडार सिग्नेचर इसे पकड़ना मुश्किल बनाते हैं।
सस्ते निर्माण और बड़े पैमाने पर उत्पादन की क्षमता के कारण इसे स्वॉर्म अटैक के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।
जिससे कई ड्रोन एक साथ लॉन्च होकर सैन्य ठिकानों, बुनियादी ढांचे और नागरिक क्षेत्रों में भारी तबाही मचा सकते हैं।

7 वर्षीय अनाथ बच्ची को खाना खिलाने का लालच देकर 3 दिन तक दरिंदगी, आरोपी को बांधकर पीटा गया

भुनेश्वर, 2 मार्च (एजेंसियां)। जिले के पारादीप मॉडल थाना क्षेत्र में रिश्तों और इंसानियत को कलंकित करने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहाँ एक 28 वर्षीय युवक ने सात साल की मासूम अनाथ बच्ची को अपनी हवस का शिकार बनाया। आरोपी ने पिछले तीन दिनों से बच्ची के साथ बार-बार कुकृत्य किया।

स्थानीय महिलाओं की सतर्कता से मामले का खुलासा हुआ, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान शेख राजा के रूप में हुई है, जो पास की ही एक मुर्गी की दुकान में काम करता था। पीड़िता स्थानीय आदिवासी समुदाय की एक अनाथ बच्ची है, जो झुग्गी बस्ती में रहती है और अक्सर भोजन के लिए लोगों पर आश्रित रहती है।

केरल ने मध्य पूर्व में तनाव के बीच कक्षा 10 और 12 की परीक्षाएं स्थगित की

तिरुवनंतपुरम, 2 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों में बढ़ते तनाव और सशस्त्र संघर्ष के बीच, केरल सरकार ने भारतीय प्रवासी समुदाय के छात्रों के लिए मध्य पूर्व के केंद्रों में निर्धारित चुनिंदा बोर्ड परीक्षाओं को स्थगित कर दिया है। राज्य के शिक्षा मंत्री वी। शिवनकुट्टी ने क्षेत्र में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति का हवाला देते हुए सोमवार को इस निर्णय की घोषणा की। मंत्री ने कहा कि मध्य पूर्व में व्याप्त युद्ध जैसी स्थितियों के कारण खाड़ी देशों में परीक्षाएं आयोजित करना एक चुनौती बन गया है।

खाड़ी देशों के केंद्रों में 5 मार्च को होने वाली माध्यमिक विद्यालय परिवीक्षा प्रमाणपत्र (एसएसएलसी) परीक्षा स्थगित कर दी गई है। इसके अलावा, 5, 6 और 7 मार्च को होने वाली उच्च माध्यमिक परीक्षाएं भी स्थगित कर दी गई हैं। मंत्री ने कहा कि स्थगित परीक्षाओं की संशोधित तिथियों की

घोषणा बाद में की जाएगी। सरकार ने खाड़ी देशों और केरल दोनों जगह के छात्रों के बीच बढ़ती चिंता को स्वीकार किया है, जिन्हें डर है कि अशांति के कारण उड़ानों में व्यवधान और स्थानीय प्रतिबंधों के चलते वे परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में असमर्थ हो सकते हैं। मंत्री ने कहा, हम समझते हैं कि कुछ छात्र बाहर की परिस्थितियों के कारण अपनी परीक्षाएं छूट जाने को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने पूर्ण समर्थन का आश्वासन देते हुए कहा कि सामान्य शिक्षा विभाग अनिश्चितता के इस दौर में छात्रों के साथ मजबूती से खड़ा है। जो छात्र परीक्षा में शामिल होने में असमर्थ हैं,

उन्हें सलाह दी जाती है कि वे अपने संबंधित प्रधानाध्यापक या प्रधानाचार्य के माध्यम से सामान्य शिक्षा निदेशक को जल्द से जल्द आवेदन जमा करें। मंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक आवेदन की योग्यता के आधार पर जांच की जाएगी और विभाग उचित विचार-विमर्श के बाद प्रभावित छात्रों के हित में निर्णय लेगा। इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी छात्र का शैक्षणिक भविष्य असाधारण भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण खतरे में न पड़े। केरल में खाड़ी क्षेत्र में रहने वाले प्रवासियों की अच्छी खासी आबादी है और हर साल हजारों छात्र वहां के केंद्रों से राज्य बोर्ड परीक्षाओं में शामिल होते हैं।

एमपीसीसीआई के चेयरमैन से फ्रॉड का प्रयास, सजगता से बचे

ग्वालियर, 2 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (एमपीसीसीआई) के चेयरमैन डॉ.प्रवीण अग्रवाल के साथ ठगी का प्रयास किया गय। साइबर ठगों ने उनको कॉल कर ब्लू डॉट कोरियर कंपनी का कर्मचारी बनकर पार्सल आने की बात कही। फिर कहा कि तकनीकी समस्या के चलते कोरियर बॉय आपसे संपर्क नहीं कर पा रहा है। आपको एक नंबर दे रहा हैं, आप अपने कोरियर के लिए उससे संपर्क कर लीजिए। कारोबारी प्रवीण अग्रवाल ने कॉल करने वाले से सवाल-जवाब किए। जिस पर वह हड़बड़ा गया।

जब कोरियर कंपनी के ऑनर का नाम पूछा तो कॉल करने वाला खिसियाने लगा। इसके बाद कारोबारी ने सलाह दी कि इस तरह से ठगना बंद कर दो यह सही नहीं है। इस पर ठगे ने कॉल कट कर दिया। इस तरह के कॉल से कैसे सावधान रहें इसका उदाहरण देते हुए कारोबारी ने फेसबुक वॉल पर यह पूरा कॉल रिकॉर्डिंग शेयर की है।

निंदा करने की हिम्मत नहीं तो चिंता अपने तक ही रखो

खामेनेई की मौत पर सीएम उमर अब्दुल्ला पर उनके ही सांसद का हमला

जम्मू, 2 मार्च (एजेंसियां)। कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद आगा रूहुल्लाह मेहदी ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सीएम उमर ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या की निंदा नहीं कर पाए। सांसद मेहदी ने कहा कि अगर अब्दुल्ला में खामेनेई की हत्या की निंदा करने की हिम्मत नहीं है, तो खाड़ी देश के हालात पर उनकी चिंता की बातें उन लोगों के लिए कोई मायने नहीं रखतीं जो ईरान के सुप्रीम लीडर को मानते और उनका सम्मान करते थे।

सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में मेहदी ने मुख्यमंत्री का नाम लिए बिना कहा कि ट्वीट्स और बयानों को देखते हुए, मैंने पाया कि वो बस चिंता जाहिर कर रहे हैं और निंदा तो दूर, श्रद्धांजलि के एक शब्द तक भी नहीं कह पाए। मेहदी श्रीनगर सीट से लोकसभा सदस्य हैं। इनके सत्ताधारी नेशनल कॉन्फ्रेंस से रिश्ते काफी खराब हैं। उन्होंने कहा कि अगर अब्दुल्ला में एक आजाद देश के खिलाफ हमले की निंदा करने की हिम्मत नहीं है, तो उन्हें अपनी चिंता अपने तक ही रखनी चाहिए।

मेहदी ने आगे कहा कि अगर आप एक आजाद देश के खिलाफ हमले और एक बहुत सम्मानित धार्मिक हस्ती की हत्या की बुराई करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। इन्हें आपके वोटर और साथी नागरिक बहुत मानते हैं, क्योंकि केंद्र में सत्ता में बैठे लोग, जिनके साथ आप घुलने-मिलने की कोशिश कर रहे हैं वो आपसे नाराज हो जाएंगे, तो अपनी चिंता अपने पास ही रखें। मुख्यमंत्री ने रविवार को कहा कि वह ईरान में हो रहे घटनाक्रम, जिसमें ईरान के सुप्रीम लीडर, अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या को लेकर बहुत चिंतित हैं। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया कि मैं सभी समुदायों से शांत रहने, शांति बनाए रखने और ऐसे किसी भी काम से बचने की अपील करता हूं जिससे तनाव या अशांति हो सकती है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस ने पार्टी प्रेसिडेंट फारूक अब्दुल्ला के नाम से एक बयान जारी किया जिसमें उन्होंने यूएस और इजराइल के जॉइंट स्ट्राइक में खामेनेई की हत्या की बुराई की। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने बयान में कहा कि (फारूक) अब्दुल्ला ने इस हरकत की कड़ी निंदा की है, और इसे एक दुखद और अस्थिर करने वाला घटनाक्रम बताया है। उन्होंने कहा कि इसका इलाके में शांति और स्थिरता पर गंभीर असर पड़ेगा।

प्रतिबंधित पशु के मांस की चर्बी और 12 टीन घी बरामद

जालंधर, 2 मार्च (एजेंसियां)। जालंधर में थाना गोराया के अधीन पुलिस चौकी दोसांझ कलां ने कथित रूप से प्रतिबंधित पशु के मांस की चर्बी से घी तैयार कर सप्लाई करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। मामला दोसांझ कलां–कोट ग्रेवाल रोड स्थित हड्डा रोड़ी के पीछे का बताया जा रहा है, जहां अवैध गतिविधियों की शिकायत मिलने पर पुलिस ने छापेमारी की।

पुलिस के अनुसार सराफा बाजार, फगवाड़ा निवासी शिकायतकर्ता हरस भल्ला ने सूचना दी थी कि उक्त स्थान पर मांस की बिक्री और चर्बी से घी बनाकर सप्लाई की जा रही है। शिकायत मिलते ही चौकी इंचार्ज थानेदार जंग बहादर सिंह टीम सहित मौके पर पहुंचे और कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक टाटा वाहन (पीबी-09-0153) से 12 टीन घी और अन्य सामान बरामद किया। वाहन पर "स्व वाहन गोशाला" लिखा हुआ था और उसी के जरिए कथित तौर पर घी की सप्लाई की जा रही थी।

मौके से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अवतार चंद उर्फ बलवान (कोट ग्रेवाल), सुलेमान उर्फ सुल्तान (जिला मुजफ्फरपुर, बिहार), अमजद (जिला सहारनपुर, उत्तर प्रदेश) और बलाल (जिला सहारनपुर, उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड लिया जाएगा, ताकि पूरे नेटवर्क और सप्लाई चेन का खुलासा किया जा सके।

ईरान-इजरायल युद्ध के बीच संजय राउत बोले

'पीएम मोदी को अपने दोस्तों से कह कर जंग को रुकवाना चाहिए'

मुंबई, 2 मार्च (एजेंसियां)। ईरान-इजराइल के बीच चल रहे युद्ध को लेकर राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है। इस बीच उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत की प्रतिक्रिया आई है। इस दौरान उन्होंने नरेंद्र मोदी को लेकर भी निशाना साधा है। संजय राउत ने कहा कि पीएम मोदी को चाहिए अपने दोस्तों से कहें कि अब बहुत हो गया और इस जंग को रुकवाना चाहिए। उन्होंने आगे भारत के स्टेंड पर बोलते कहा कि अगर राष्ट्रपति ट्रंप भारत और पाकिस्तान का युद्ध रुकवा सकते हैं तो मोदी इतने बड़े नेता हैं। वह विश्व गुरु हैं। इसलिए ईरान और इजराइल का युद्ध रुकवाना चाहिए, क्योंकि वह इतने बड़े नेता हैं। उन्होंने आगे कहा कि इतिहास में ऐसा नेता न आज तक पैदा हुआ है और न आगे पैदा होगा।

पीएम द्वारा संवेदना न व्यक्त करने पर क्या कहा?

पीएम मोदी द्वारा ईरान के सुप्रीम लीडर की मौत पर संवदेना न व्यक्त किए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए संजय राउत ने कहा कि यह बहुत ही गंभीर बात है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई एक ऐसे शख्सियत थे जिसको पूरा विश्व मानता था। सिवाय इजराइल को छोड़कर। उन्होंने आगे कहा कि भारत वह भारत के सच्चे मित्र रहे। उन्होंने आगे बताया कि हमारी परंपरागत मित्रता रही।

संजय राउत ने आगे कहा कि भारत के संकट की घड़ी में अली खामेनेई ने हमें समर्थन किया और हमेशा हमें मदद की। उन्होंने बताया कि चाहे भारत-पाकिस्तान युद्ध हो या फिर कश्मीर का मुद्दा हो, ईरान हमेशा भारत के साथ खड़ा रहा। उन्होंने आगे बताया कि अली खामेनेई जवाहर लाल नेहरू के बहुत बड़े भक्त भी रहे हैं। क्या मोदी जी को इस बात का गुस्सा है?

'ऐसे नेता की अगर हत्या होती है तो शोक प्रदर्शन होना चाहिए'

संजय राउत ने आगे कहा कि ऐसे नेता की अगर हत्या होती है तो भारत की तरफ से शोक प्रदर्शन करना चाहिए और दुख प्रकट करना चाहिए। ऐसे में हिंदुस्तान के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को संवेदना व्यक्त करनी चाहिए, लेकिन आप किस से डर रहे हैं। उन्होंने सवाल पूछते हुए कहा कि आप इजराइल से डर रहे हैं या ट्रंप से डर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि शोक प्रकट करने में आपको क्या डर लग रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि इतना बड़ा नेता जिसको नेल्सन मंडेला तक मानता था उसकी हत्या हो गई। नेल्सन मंडेला जब ईरान गए थे तब उन्होंने कहा था कि अली खामेनेई मेरे नेता हैं। तो क्या नेल्सन मंडेला आतंकवादी बन गए थे। क्या समझते हो आप अपने आपको। संजय राउत की तरफ से तीखी प्रतिक्रिया की हर तरफ चर्चा हो रही है।

फेमस पिज्जा आउटलेट पर 8 लाख का जुर्माना

सतना, 2 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सतना जिले में एक नामी पिज्जा आउटलेट के खिलाफ जिला उपभोक्ता फोरम ने बड़ा फैसला सुनाया है। वेज पिज्जा की जगह नॉन वेज पिज्जा परोसने शिकायत पर उपभोक्ता फॉर्म ने इस पिज्जा कंपनी पर 8 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। मामला सिविल लाइन क्षेत्र के पतेरी-पन्नानाका मार्ग स्थित एक फूड ब्रांच से जुड़ा है। यहां वेज बर्गर में कथित रूप से सूअर का मांस परोसने की शिकायत सामने आई थी।

करीब डेढ़ साल तक चली सुनवाई के बाद फोरम ने कंपनी पर 8 लाख रुपये का मुआवजा, 10 हजार रुपये वाद व्यय और 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने का आदेश दिया है दरअसल, यह घटना 31 अक्टूबर 2024, दीपावली के दिन की बताई गई है। श्रीधाम आश्रम में रहने बाली शिकायतकर्ता 42 वर्षीय नैंसी तिवारी अपने पति सूरज तिवारी और बच्चों के साथ पन्ना नाका स्थित एक फेमस पिज्जा आउटलेट पर पहुंची थीं। यहां उन्होंने 595 रुपए के बेज दो चाइनीज डिश के साथ पिज्जा और बर्गर समेत कुल चार आइटम का ऑर्डर दिया। दंपति ने पहले पिज्जा और अन्य सामग्री खाई, लेकिन जैसे ही कोरियन पनीर टिक्का गार्लिक ब्रेड पिज्जा खाना शुरू किया उन्हें असहजता महसूस होने लगी। आरोप है कि स्वाद और बनावट अलग थी जिसके बाद दोनों को उल्टी जैसा महसूस हुआ। दंपति ने तुरंत इसकी शिकायत दुकान संचालक से की, लेकिन उनकी बात को गंभीरता से नहीं लिया गया। मौके पर बहस और हंगामा भी हुआ परंतु समाधान नहीं निकला।

इसके बाद पीड़ित पक्ष ने सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराई और साथ ही जिला उपभोक्ता फोरम का दरवाजा खटखटाया। मामले में 5 सितंबर 2025 को एफआईआर दर्ज की गई और दस्तावेजों सहित जांच रिपोर्ट फोरम के समक्ष प्रस्तुत की गई। फोरम ने पिज्जा शॉप संचालक को निर्देश दिया कि एक माह के भीतर 8 लाख रुपये का मुआवजा अदा किया जाए। साथ ही 10 हजार रुपये वाद व्यय के रूप में और पूरी राशि पर 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी देना होगा। तय समय सीमा में भुगतान न करने पर उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम की धारा 72 के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। यह फैसला शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है और खाद्य प्रतिष्ठानों की गुणवत्ता व पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े कर रहा है।

राज्यसभा सीट पर खींचतान जारी, आदित्य ठाकरे बोले

विधायक संख्या के हिसाब से हमें मिलनी चाहिए सीट

मुंबई, 2 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में राज्यसभा की सात सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव होने हैं। इसी दिन वोटों की गिनती भी की जाएगी। इन चुनावों को लेकर महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के भीतर हलचल तेज हो गई है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने सोमवार को साफ किया कि गठबंधन के दलों के बीच बातचीत में कोई रुकावट नहीं है। उन्होंने कहा कि जीतने लायक इकलौती सीट उनकी पार्टी को मिलनी चाहिए क्योंकि उनके पास विधायकों की जरूरी संख्या है। आदित्य ठाकरे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी बात रखी।

उन्होंने बताया कि सभी पार्टियां आपस में लगातार चर्चा कर रही हैं। ठाकरे के अनुसार, विधायकों की संख्या और गठबंधन की रोटेशन पॉलिसी के हिसाब से यह सीट शिवसेना (यूबीटी) के खाते में ही जानी चाहिए। उन्होंने इस सीट पर अपनी पार्टी का दावा मजबूती से पेश किया है।

पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने भी इस मुद्दे पर अहम जानकारी दी। रिपोर्टर्स से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि 16 मार्च के चुनाव से पहले गठबंधन में मंथन चल रहा है। राउत ने जोर दिया कि शिवसेना (यूबीटी) विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी है, इसलिए इस फैसले में उसका स्टैंड बहुत अहम होगा। उन्होंने बताया कि पूर्व सांसद राजन विचारे और विनायक राउत ने पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे से मिलकर चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। ये दोनों नेता 2024 का लोकसभा चुनाव हार गए थे।

महाराष्ट्र में सत्ताधारी महायुति के पास विधायकों का भारी समर्थन है। इस संख्या बल के कारण विपक्षी गठबंधन एमवीए संसद के ऊपरी सदन के लिए केवल एक सदस्य ही चुन पा रहा है। हालांकि, एमवीए के तीनों घटक दलों शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार) ने इस इकलौती सीट पर अपना दावा किया है। अगर आंकड़ों को देखें तो शिवसेना (यूबीटी) के पास 20 विधायक हैं, कांग्रेस के पास 16 और एनसीपी (शरद पवार) के पास 10 विधायक हैं।

अप्रैल में कई बड़े नेताओं का राज्यसभा कार्यकाल खत्म हो रहा है। इनमें शरद पवार, प्रियंका चतुर्वेदी, फौजिया खान, रामदास अठावले, भागवत कराड, रजनी पाटिल और धैर्यशील पाटिल शामिल हैं। संजय राउत ने बताया कि शरद पवार एक और कार्यकाल के लिए इच्छुक हैं। इस विषय पर उद्धव ठाकरे और एनसीपी (एसपी) नेता जयंत पाटिल के बीच चर्चा भी हुई है। राउत ने कहा कि जो भी फैसला होगा, वह सबकी सहमति से लिया जाएगा। शिवसेना (यूबीटी) एक क्षेत्रीय पार्टी है और वह चाहती है कि ऊपरी सदन में उसके कम से कम दो प्रतिनिधि जरूर हों।

कृषि विपणन बोर्ड में करोड़ों की गड़बड़ी, 110 करोड़ की अग्रिम राशि का हिसाब नहीं

शिमला, 2 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड की वर्ष 2023-24 की ऑडिट रिपोर्ट ने विभाग में चल रही वित्तीय गड़बड़ी का खुलासा किया है। राज्य लेखा परीक्षा विभाग की इस रिपोर्ट में लगभग 110 करोड़ रुपये से अधिक की अग्रिम राशि का बकाया निपटान न होने और खातों में विसंगतियों पर सवाल उठाए गए हैं। ऑडिट रिपोर्ट में कहा गया है कि बोर्ड की लेखा मिलान रिपोर्ट के आंकड़ों में अंतर है। रिपोर्ट के अनुसार विभिन्न निर्माण कार्यों और अन्य उद्देश्यों के लिए अधिशासी अभियंता, कर्मचारियों और अन्य संस्थाओं को दी गई 110,63,62,295 रुपये की राशि अभी भी लंबित है। इसमें से अकेले अधिशासी अभियंता के पास 95.52 करोड़ रुपये बकाया हैं।

कई अग्रिम राशियां वर्षों पुरानी हैं, लेकिन बोर्ड ने न तो उपयोगिता प्रमाणपत्र प्राप्त किए और न ही खातों में मिलान किया। विभिन्न मंडी समितियों के लिए करवाए गए डिपॉजिट कार्यों के खातों में 49.25 करोड़ रुपये का अंतर है।

बोलनगीर और बरगढ़ जिले माओवादियों से मुक्त; कई ने किया आत्मसमर्पण

भुवनेश्वर, 2 मार्च (एजेंसियां)। ओडिशा पुलिस ने नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। राज्य सरकार ने अब बोलनगीर और बरगढ़ जिलों को आधिकारिक तौर पर नक्सल मुक्त घोषित कर दिया है। इन दोनों जिलों में सक्रिय 15 माओवादियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। इन माओवादियों ने पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में आयोजित एक कार्यक्रम में अपने हथियार डाले। इस खास मौके पर ओडिशा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी वहां मौजूद थे। ओडिशा के डीजीपी वाई बी खुरानिया ने रविवार को एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सुरक्षाबलों ने राज्य भर में लगातार अभियान चलाए हैं। इसी मेहनत का नतीजा है कि आज यह अहम मुकाम हासिल हुआ है। अब ओडिशा में नक्सल मुक्त जिलों की कुल संख्या बढ़कर सात हो गई है। इन सुरक्षित जिलों की सूची में नुआपाड़ा, नबरंगपुर, कोरापुट, मलकानगिरी, बौध, बोलनगीर और बरगढ़ के नाम शामिल हैं। हालांकि, राज्य के तीन जिलों में अब भी माओवादियों की मौजूदगी बनी हुई है। ये जिले कंधमाल, रायगढ़ा और कालाहांडी हैं। डीजीपी ने बताया कि सरेंडर करने वाले कैडर बरगढ़, बोलांगीर और महासमुंद के सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय थे। इस बदलाव के बाद अब प्रसिद्ध गंधमर्दन पहाड़ियों वाले इलाके में भी शांति बहाल हो गई है। डीजीपी खुरानिया ने इस सफलता का श्रेय कई महत्वपूर्ण कड़ियों को दिया। उन्होंने कहा कि सुरक्षाबलों के साझा ऑपरेशन, सटीक खुफिया जानकारी और स्थानीय लोगों के सहयोग से यह मुमकिन हुआ है। उन्होंने पुलिस बल की हिम्मत और पक्के इरादे की जमकर तारीफ की। डीजीपी ने ऑपरेशन में शामिल सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी। साथ ही उन्होंने पुलिस पर भरोसा जताने के लिए जनता का शुक्रिया अदा किया। राज्य में नक्सल समस्या को पूरी तरह खत्म करने के लिए अभियान जारी रहेंगे। अधिकारियों के अनुसार, अब राज्य में केवल 25 के करीब माओवादी ही बचे हैं। इनमें से ज्यादातर कंधमाल जिले में सक्रिय हैं। एडीजी संजीव पांडा ने बताया कि कंधमाल के जंगलों में एक बड़ा सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया है। पुलिस को वहां मोस्ट वांटेड माओवादी नेता सुकरू के छिपे होने की खबर मिली है।

चीनी हथियारों की निकली हवा, बुरी तरह फेल

भारत के ऑपरेशन सिंदूर में मुंह की खाई, फिर वेनेजुएला और अब ईरान में भी वही हाल

तेहरान, 2 मार्च (एजेंसियां)। चीन अपने जिन हथियारों को सस्ता और अचूक बताकर दुनिया भर में ढोल पीटता रहा है, वे हाल के संघर्षों में बुरी तरह फेल हो गए हैं। पहले ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान के चीनी रक्षा कवच को तबाह दिया, तो वेनेजुएला में अमेरिकी ऑपरेशन के दौरान चीनी ढाल बेकार साबित हुई। अब ईरान पर अमेरिका और इजरायली हमलों में बीजिंग के सिस्टम का गुब्बारा बुरी तरह फूट चुका है। इन संघर्षों ने साबित किया है कि चीन जिसे लड़ाई में आजमाया हुआ अचूक हथियार बता रहा है, वह घटिया इंजीनियरिंग, कमजोर सॉफ्टवेयर के दम पर बना है, जो जंग में किसी काम का नहीं है।

चीनी हथियारों की हाल में सबसे पहली परीक्षा मई में भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुई थी। पाकिस्तान को चीनी हथियारों पर बड़ा भरोसा था, लेकिन भारतीय वायु सेना की ब्रह्मोस मिसाइलों के सामने ये फुस्स साबित हुए। पाकिस्तानी सेना बेबस देखती रही और भारतीय मिसाइलों ने वाईएलसी-8ई एंटी स्टील्थ रडार और एचक्यू-9 बैटरी को खत्म कर दिया। यही हाल चीनी एयर डिफेंस सिस्टम का वेनेजुएला में हुआ, जब अमेरिकी सेना ने इन्हें एचक्यू-9 और एचक्यू-9बी को अंधा कर दिया।

पहलगाम में आतंकी हमले के जवाब में भारत ने 7 मई को पाकिस्तान में बैठे आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर किया। भारतीय वायु सेना ने बिना एलओसी पार किए बिना मिसाइलों और हवा से लॉन्च होने वाले हथियारों का इस्तेमाल करके पाकिस्तान में आतंकी कैंपों के साथ ही 9 मिलिट्री ठिकानों को भी निशाना बनाया। इन सैन्य अड्डों में चुनियन बेस भी था, जहां पाकिस्तान ने चीन में निर्मित वाईएलसी-8ई एंटी स्टील्थ रडार लगाया।

चीन ने इस रडार की डिटेक्शन रेंज 450 किमी होने का दावा किया है लेकिन भारतीय वायु सेना के ग्रीन पाइन रडार और ग्रोलर जैसे इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर ने इसे जाम कर दिया। रडार होने के बावजूद भारतीय मिसाइलें पाकिस्तानी एयरबेस पर तबाही मचाने में कामयाब रहीं। इसी तरह लाहौर में चीनी एचक्यू-9 एसएएम भारतीय हमला रोकने में नाकाम रहा। इतना ही नहीं पाकिस्तानी एयर फोर्स के चीनी जेएफ-17 फाइटर से दागी गई पीएल-15ई एयर-टू-एयर मिसाइल लक्ष्य पर जाने से चूक गई और भारत ने उसे सही सलामत बरामद कर दिया। इसके रॉकेट मोटर और गाइडेंस सिस्टम में कमियां पाई गईं।

3 जनवरी को अमेरिका ने वेनेजुएला की राजधानी काराकस में ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिजॉल्व शुरू किया, जिसमें राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को मिलिट्री घेरे से उठा लिया गया। वेनेजुएला ने चीनी रक्षा कवच पर भरोसा किया था, लेकिन अमेरिकी हथियारों के सामने यह यह ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। वेनेजुएला के एयर डिफेंस की रीढ़ कहे जाने वाले चीनी जेवाई-27ए मीटर वेव एंटी स्टील्थ रडार अंधे हो गए।

सुन्नी मुस्लिम देशों ने शिया ईरान को दिया धोखा

यहूदी इजरायल के बने 'रक्षक', खाड़ी देशों के हालात बदतर

तेहरान/रियाद, 2 मार्च (एजेंसियां)। इजरायल और अमेरिका ईरान के इस्लामिक शासन को तहस-नहस करने के लिए दिन रात तेहरान समेत देशभर में बमबारी कर रहे हैं। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई मारे जा चुके हैं। ईरान अरब देशों जैसे सऊदी अरब, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, जॉर्डन जैसे देशों पर मिसाइल हमले कर रहा है। इस पूरी स्थिति ने मिडिल ईस्ट को बहुत बड़े खतरे में डाल दिया है। ईरान और मिडिल ईस्ट में शिया-सुन्नी सत्ता संघर्ष एक बार फिर क्षेत्रीय और वैश्विक राजनीति में ध्यान का केंद्र बन गया है। हालांकि ऊपर से देखने पर ये ऐसा नहीं लगता और कोई भी कह सकता है कि अमेरिका और इजरायल के इस हमले से भला अरब देशों का क्या लेना देना है।

लेकिन इस पूरे युद्ध की स्क्रिप्ट को बहुत बारीक से देखें तो ये संघर्ष उसी कहानी का हिस्सा है। सिर्फ अमेरिका और इजरायल ही नहीं हैं जो ईरान में सत्ता परिवर्तन की वकालत करते हैं। सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान का डोनाल्ड ट्रंप को बार बार फोन करना और ईरान पर

हमला करने के लिए दबाव बनाना इसी कहानी का अहम हिस्सा है। अगर ईरान में मौजूदा शासन का अंत होता है तो तुर्की, अजरबैजान, पाकिस्तान, जॉर्डन, सीरिया और सऊदी जैसे देश काफी ज्यादा खुश होंगे।

मुसलमानों में शिया बनाम सुन्नी की लड़ाई आधुनिक दुनिया में शुद्ध रूप से राजनीतिक है। ये एक राजनीतिक झगड़ा था जो धीरे धीरे धार्मिक-सांप्रदायिक झगड़े में तब्दील हो गया। 1980 के दशक में शिया-सुन्नी झगड़े को तीन वजहों से बढ़ावा मिला।

पहला- ईरान ने अपनी क्रांति को मिडिल ईस्ट के शिया अल्पसंख्यक वाले देशों जैसे इराक, लेबनान और खाड़ी देशों (यानी सऊदी अरब, बहरीन और कुवैत) में बेचने की कोशिश की।

दूसरा- ईरान-इराक युद्ध (1980-1988) ने खोमैनी के ईरान (शिया और फारसी) को सद्दाम हुसैन के इराक (अरब राष्ट्रवादी) के खिलाफ खड़ा कर दिया जिसमें लाखों लोगों की जान चली गई और दोनों देश बर्बाद हो गए। तीसरा- ईरानी सरकार ने अपनी वैधता साबित करने के लिए क्षेत्रीय लक्ष्यों को फिर से एजेंडे में डाल दिया है।

आबादी के हिसाब से देखें तो शिया मुसलमान दुनिया की मुस्लिम आबादी का लगभग 15 प्रतिशत हैं। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुमान के मुताबिक ज्यादातर यानि लगभग 85 प्रतिशत सुन्नी हैं। लेकिन यह अल्पसंख्यक समूह लेबनान से इराक होते हुए ईरान तक फैला हुआ है और एक तरह से कॉरिडोर का निर्माण करता है। इनके लिए एक शब्द दिया गया है शिया क्रिसेंट। यह शब्द जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला II ने 2004 में बनाया था।

ईरान में शिया मुसलमानों की आबादी 90-95 प्रतिशत के करीब है। दुनिया में सबसे ज्यादा शिया मुसलमान यहीं रहते हैं। इराक में 60-65% शिया आबादी है लेकिन सद्दाम हुसैन जैसे तानाशाहों ने वर्षों तक यहां शासन किया। इराक में ईराक के प्रॉक्सी मिलिशिया समूह अभी भी काफी ताकतवर हैं। बहरीन में 70% शिया आबादी है लेकिन यहां का शासन सुन्नी अल-खलीफा परिवार के हाथों में है। इसीलिए ये ईरान से डरते हैं। बहरीन के शासकों को डर रहता है कि शिया आबादी कभी भी विद्रोह कर सकती है। सऊदी अरब- यहां सुन्नी बहुमत है लेकिन इसके तेल समृद्ध पूर्वी प्रांत क़तिफ में बड़ी शिया आबादी रहती है।

ईरान बोला- नेतन्याहू के दफ्तर पर किया हमला

इजरायली प्रधानमंत्री को लेकर किया बड़ा दावा

तेहरान, 2 मार्च (एजेंसियां)। ईरान ने दावा किया है कि उसने सोमवार को इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ऑफिस पर हमला किया है। ईरानी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने यहां तक कहा है कि उसने नेतन्याहू के ऑफिस को निशाना बनाने के साथ-साथ उस जगह पर भी हमला किया जहां इजरायली वायुसेना के कमांडर मौजूद थे।

रिपोर्ट में यह भी दावा किया है कि नेतन्याहू के बारे में कोई जानकारी नहीं है। इजरायल ने भी इन हमलों को लेकर कोई भी जानकारी साझा नहीं की है।

ज़ायोनी शासन के क्रिमिनल प्रधानमंत्री के ऑफिस और शासन के एयर फोर्स कमांडर के हेडक्वार्टर को निशाना बनाया गया। बयान में यह भी कहा गया कि हमले में खेबर मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू की स्थिति अभी भी स्पष्ट नहीं है।

वहीं, इजरायल ने बताया है कि सोमवार दोपहर को दक्षिणी इजरायल के बीरशेबा इलाके में एक ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल के हमले में कम से कम 10 इजरायली घायल हो गए। इनमे से एक नागरिक की हालत गंभीर है, बाकी लोगों को मामूली चोटें आई हैं। स्थानीय नगरपालिका ने कहा कि मिसाइल के कारण हुए मलबे में और हताहतों की तलाश के लिए इलाके की गहन छानबीन की जा रही है।

अफगानिस्तान ने पाक के नूरखान एयरबेस पर किया हमला

तालिबान के मंत्री बोले- हमने डूरंड लाइन पार की, पाक का दावा- 400 अफगान लड़ाके मारे

इस्लामाबाद/ काबुल, 2 मार्च (एजेंसियां)। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा पर बीते चार दिनों से लगातार हवाई हमले और गोलीबारी जारी है। तालिबान सरकार का कहना है कि हमने पाकिस्तान के बेहद संवेदनशील नूर खान एयरबेस पर हमला किया है। यह एयरबेस रावलपिंडी में है।

इसके साथ ही तालिबान के एक मंत्री ने दावा किया कि उनके लड़ाके डूरंड लाइन पार कर पाकिस्तान की जमीन में घुस चुके हैं। तालिबान के मुताबिक, क्वेटा और खैबर पख्तूनख्वा के कुछ सैन्य ठिकानों पर भी हमले किए गए हैं।

ये कार्रवाई पाकिस्तान की ओर से काबुल, बगराम और अन्य इलाकों में किए गए हवाई हमलों के जवाब में की गई।

दूसरी तरफ पाकिस्तान सरकार ने दावा किया है कि अब तक 400 से ज्यादा अफगान लड़ाके मारे जा चुके हैं और सैकड़ों घायल हुए हैं।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच जंग जैसे हालात

पाकिस्तान और अफगानिस्तान में संघर्ष की शुरुआत 22 फरवरी को हुई थी। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में एयरस्ट्राइक की थी।

पाकिस्तान के उप गृह मंत्री तलाल चौधरी ने दावा किया था कि सीमावर्ती इलाकों में टीटीपी के ठिकानों पर कार्रवाई में कम से कम 70 लड़ाके मारे गए। बाद में पाकिस्तानी अखबार डॉन ने यह संख्या 80 तक पहुंचने का दावा किया था। इसके जवाब में अफगानिस्तान ने 27 फरवरी को पाकिस्तान पर हमला किया।

अफगान रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि पाकिस्तान को 'सही समय पर कड़ा जवाब' दिया जाएगा। मंत्रालय ने इन हमलों को देश की संप्रभुता का उल्लंघन बताया था।

पाकिस्तान लंबे समय से अफगानिस्तान की तालिबान सरकार पर दबाव बनाता रहा है कि वह अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी भी आतंकी संगठन को न करने दे। इस्लामाबाद का आरोप है कि टीटीपी अफगानिस्तान से ऑपरेट हो रहा है, जबकि तालिबान सरकार इन आरोपों से लगातार इनकार करती रही है।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में 415 तालिबान लड़ाके मारे

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के खिलाफ हमले को 'गजब लिल हक' ऑपरेशन नाम दिया है और काबुल समेत कई प्रांतों में हमले किए। 'गजब लिल हक' का मतलब है, अपने हक के लिए खड़े होना।

415 तालिबान लड़ाके मारे गए
580 से ज्यादा घायल हुए
182 पोस्ट तबाह की गईं
31 पोस्ट पर कब्जा किया गया।

ब्रज में विदेशी महिलाएं झूमकर नाचीं

देवकीनंदन महाराज ने हाइड्रोलिक पिचकारी से रंग बरसाए, 1000 विधवा महिलाओं ने होली खेली

मथुरा, 2 मार्च (एजेंसियां)। ब्रज में होली की धूम है। सोमवार को वृंदावन में हर कोई होली के रंग में रंगा नजर आया। कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने प्रियाकांत जू के चरणों में रंग अर्पित कर होली की शुरुआत की। इसके बाद हाइड्रोलिक पिचकारी से भक्तों और श्रद्धालुओं पर अबीर-गुलाल उड़ाया। जैसे ही महाराज ने होली के रसिया गाने शुरू किए, पूरा मंदिर जयघोष से गूंज उठा।

वहीं, प्राचीन गोपीनाथ मंदिर में निराश्रित और विधवा माताओं के लिए विशेष होली का आयोजन किया गया।

1000 से अधिक विधवा और निराश्रित महिलाएं होली के भजन पर अबीर-गुलाल उड़ाकर जमकर नाचते-झूमते दिखीं।

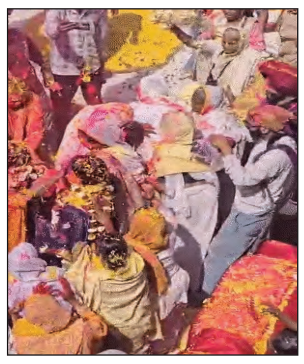

इनके साथ विदेशी महिलाएं भी झूमती नजर आईं। विदेशी पर्यटकों ने कहा- यह अद्भुत अनुभव है और उन्हें बहुत आनंद आ रहा। ऐसी होली पहले कभी नहीं देखी। इस तरह के आनंद की अनुभूति पहली बार हुई है। सुलभ इंटरनेशनल के इस कार्यक्रम में 20 क्विंटल फूल और 25 क्विंटल गुलाल की व्यवस्था की गई थी।

ईरानी हाइपरसोनिक मिसाइल का कारनामा

10 इंटरसेप्टर को चकमा देकर किया हमला, सामने आया वीडियो

तेहरान, 2 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका और इजरायल का तीन दिन पहले शुरू हुआ ईरान पर हमला एक बड़े क्षेत्रीय युद्ध में बदल गया है। ईरान पर पहले दिन हुए इजरायल और अमेरिका के भारी हमलों में सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए थे, जिसके बाद तेहरान मिसाइल और ड्रोन से हमले कर रहा है।

पूरे मिडिल ईस्ट में सीधे और जवाबी हमले हो रहे हैं, जिससे पूरा इलाका एक खतरनाक जोन में तब्दील हो गया है।

ईरान ने इजरायल के साथ ही मिडिल ईस्ट में अमेरिका के सहयोगी देशों पर भी ताबड़तोड़ हमले किए हैं।

10 से अधिक इंटरसेप्टर से बचकर निकली मिसाइल

इस बीच ईरान की एक हाइपरसोनिक मिसाइल का वीडियो सामने आया है, जिसमें वह अपने लक्ष्य पर गिरने से पहले दस से अधिक इंटरसेप्टर से बचते नजर आ रही है।

रात के समय लिए गए फुटेज में दिखाई दे रहा है कि एक साथ कई इंटरसेप्टर लॉन्च किए जाते हैं, लेकिन ईरानी मिसाइल बिजली की तेजी से आगे बढ़ते हुए लक्ष्य पर गिरती है। इसके बाद जमीन पर जोरदार धमाका होता है।

वीडियो को एक्स पर एक यूजर ने साझा किया है, जिसे देखने पर ऐसा लगता है कि आसमान में आतिशबाजी का प्रदर्शन चल रहा हो। इस पर कैप्शन दिया गया है कि ईरानी हाइपरसोनिक मिसाइल ने लक्ष्य पर हमला करने के लिए 10 से अधिक इंटरसेप्ट रॉकेट को चकमा दे दिया।

ईरानी मिसाइलों ने इजरायल से लेकर कुवैत और सऊदी अरब तक तबाही मचाई हैं। सोमवार को ईरानी हमले के बीच कुवैत के रक्षा मंत्रालय ने कई अमेरिकी फाइटर जेट के क्रैश होने की जानकारी दी है। हालांकि, जेट क्रैश होने से पहले पायलट सफलतापूर्वक इजेक्ट होने में कामयाब रहे। कुवैती अधिकारियों ने तुरंत सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

श्राद्ध में गए बुजुर्ग की धारदार हथियार से हत्या

पलामू, 2 मार्च (एजेंसियां)। पलामू जिले में एक बुजुर्ग की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। उनका शव दो दिन बाद सोमवार को तरहसी थाना क्षेत्र के कुसुमटाड़ जंगल से बरामद किया गया। मृतक की पहचान आर्का पंचायत के काजी पकरी निवासी 70 वर्षीय राजदेव महतो के रूप में हुई है। शव सेवती डाक बंगला के पास पदमा जाने वाली सड़क से सटे जंगल में मिला। मृतक के चेहरे पर धारदार हथियार से वार के निशान मिले हैं, जिससे पुलिस इसे हत्या का मामला मानकर जांच कर रही है। राजदेव महतो की पत्नी दुलारी देवी के बयान पर अज्ञात हत्यारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। दुलारी देवी ने बताया कि 27 फरवरी रात को पति-पत्नी गांव में एक गोतिया के यहां ब्रह्मभोज में गए थे।

इजराइली राजदूत बोले- मोदी को पता नहीं था हमला होगा

पीएम का इजराइल दौरा खत्म होने के बाद ईरान पर अटैक को मंजूरी दी

नई दिल्ली, 2 मार्च (एजेंसियां)। पीएम मोदी इजराइल दौरे पर 25 और 26 फरवरी को थे, इसके ठीक बाद 28 फरवरी को इजराइल ने अमेरिका के साथ मिलकर ईरान पर स्ट्राइक्स कर दीं। सवाल उठ रहे हैं कि क्या इजराइल दौर पर होते हुए पीएम मोदी को इसकी जानकारी दी गई थी? क्या हमले के बाद इजराइल ने भारत के विदेश मंत्रालय से इसके बारे में बात की है? कहीं पीएम मोदी के दौरे को इजराइल ने कवर की तरह तो इस्तेमाल नहीं किया?

इजराइल ने सबसे पहले ईरान पर प्रिएंपटिव स्ट्राइक का नाम देकर हमले किए। बाद में अमेरिकी राष्ट्रपति ने इन हमलों में अमेरिकी भागेदारी की जानकारी की पुष्टि की। लेकिन एक साल में दूसरी बार इजराइल ने क्यों ईरान

पर हमला किया? और इजराइल में इस युद्ध को लेकर क्या माहौल है?

सबसे पहले हम सामने दिख रहे खतरे ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को खत्म करना चाहते हैं। ईरान दशकों से मिलिट्री न्यूक्लियर प्रोग्राम चलाने की कोशिश कर रहा है। इसके अलावा बैलेस्टिक मिसाइल की ताकत बढ़ाने के लिए काम कर रहा है, ताकि इजराइल को खत्म कर सके।

ईरान पूरे रीजन में अपने प्रॉक्सी ग्रुप को फंड, हथियार और टेक्नोलॉजी दे रहा है। ईरान 2027 तक इजराइल को खत्म करना की बात करता था। जून में हमने उस पर हमले किए थे। ईरान ने अब सहयोग करने से इनकार किया, तो हमने फिर से ऑपरेशन शुरू किया है।

हमें नहीं पता कि ईरान में सत्ता बदलेगी या नहीं, लेकिन हम चाहते हैं कि ये जरूर हो। कुछ हफ्ते पहले ही मौजूदा सरकार ने अपने हजारों नागरिकों को मार दिया था।

भारत हमारी स्थिति अच्छी तरह जानता है। पीएम मोदी इजराइल में थे, तब हमें नहीं पता था कि ऑपरेशन होने वाला है। इसकी मंजूरी 28 फरवरी की सुबह दी गई। तब तक पीएम मोदी दौरा पूरा करके लौट चुके थे। इजराइल के विदेश मंत्री ने भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर को फोन करके बात की थी।

भारत ने अपनी स्थिति पर खुलकर बात की। भारत बातचीत और स्थिरता चाहता है। हमने कई साल ईरान से डिप्लोमेसी के तहत बातचीत की कोशिश की है। अमेरिका ने महसूस किया कि ईरान डिप्लोमेसी के जरिए वक्त बिता रहा है और शर्तें मानने के लिए तैयार नहीं है।

'पुष्पा' स्टाइल में कार मॉडिफाई कर गांजा तस्करी

रायगढ़, 2 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में 'फिल्म पुष्पा' की तर्ज पर कार को मॉडिफाई कर गांजा तस्करी की जा रही थी। कार के दरवाजों और बैक लाइट के पास गुप्त चेंबर बनाकर उसमें गांजा छिपाया गया था। साइबर सेल और लैलूंगा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मामला लैलूंगा थाना क्षेत्र का है।

पुलिस को लगातार सूचना मिल रही थी कि, पत्थलगांव क्षेत्र का एक व्यक्ति ओडिशा से गांजा लाकर रायगढ़ के रास्ते कई राज्यों में सप्लाई करता है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी शशि मोहन सिंह ने लैलूंगा और साइबर थाने की संयुक्त टीम को आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए। रविवार शाम सूचना मिली कि चॉकलेट रंग की मारुति सुजुकी रिट्ज कार में दो व्यक्ति ओडिशा से गांजा लेकर पाकरगांव (लैलूंगा) की ओर आ रहे हैं। पुलिस ने पाकरगांव अटल चौक के पास घेराबंदी की। संदिग्ध वाहन दिखने पर पुलिस ने रोकने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी कच्चे रास्ते की ओर भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा कर वाहन को रोक लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम श्रवण कुमार निषाद (34) निवासी ग्राम कमरगा और महेंद्र प्रसाद चौहान (40) निवासी ग्राम गमेकेला बताया।

प. एशिया में तनाव के बीच ट्रंप-स्टार्मर आमने-सामने

कहा- ब्रिटिश पीएम ने एयरबेस के इस्तेमाल से रोका

वाशिंगटन, 2 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में इस्राइल और ईरान के बीच टकराव के कारण हालात चिंताजनक हैं। अमेरिका-इस्राइल एक साथ ईरान पर हमले कर रहे हैं। जवाबी कार्रवाई करते हुए ईरान ने भी अमेरिका के कई सैन्य ठिकानों पर मिसाइलों से हमले किए हैं। पश्चिम एशिया में वैश्विक ताकतों के टकराव से उपजे तनावपूर्ण हालात के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर आमने-सामने आ गए हैं। ट्रंप ने आरोप लगाया है कि ब्रिटिश पीएम ने उन्हें ईरान पर हमले के लिए डिएगो गार्सिया एयरबेस का इस्तेमाल नहीं करने दिया। उन्हें ऐसे व्यवहार पर गहरा अफसोस हुआ है।

ट्रंप ने 'टेलीग्राफ' के साथ इंटरव्यू में कहा कि वह ईरान पर हमले के लिए डिएगो कार्सिया सैन्य अड्डे के इस्तेमाल की अनुमति न देने पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर से बहुत निराश हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री का शुरू में अमेरिकी सेनाओं को चागोस द्वीप समूह के इस सैन्य अड्डे का इस्तेमाल करने से रोकना ऐसा था, जैसा दोनों देशों के संबंधों में पहले कभी नहीं हुआ। ब्रिटेन ने अंतरराष्ट्रीय कानून का हवाला देते हुए पहले अमेरिका को डिएगो गार्सिया और आरएएफ फेयरफोर्ड जैसे ठिकानों से हमले करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। हालांकि, रविवार रात स्टार्मर का रुख बदला। उन्होंने कहा कि वह 'विशेष और सीमित रक्षा उद्देश्यों' के लिए ही डिएगो गार्सिया का इस्तेमाल करने देंगे। ट्रंप ने कहा कि स्टार्मर ने फैसला बदलने में बहुत ज्यादा समय लगा दिया। उन्होंने कहा, हमारे देशों के बीच ऐसा शायद पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने आगे यह भी कहा कि लगता है कि प्रधानमंत्री को इसकी कानूनी वैधता की चिंता थी।

डिएगो कार्सिया को लेकर इस विवाद के चलते राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री के उस विवादित चागोस समझौते से समर्थन वापस ले लिया, जिसके तहत हिंद महासागर के इस क्षेत्र का स्वामित्व मॉरीशस को सौंपकर सैन्य अड्डा वापस लीज पर लेने की योजना थी।

यूपी में शियाओं का प्रदर्शन, खुद को जंजीरों से मारा

एसटी हसन बोले- होश न खोएं, लखनऊ में एक लाख लोग सड़क पर उतरे

लखनऊ, 2 मार्च (एजेंसियां)। ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत से नाराज शिया समुदाय यूपी में सड़कों पर उतर आया है। लखनऊ में रविवार रात करीब एक लाख शिया समुदाय के लोगों ने प्रदर्शन किया। छोटा इमामबाड़ा में बड़ा इमामबाड़ा तक कैंडल मार्च निकाला। हाथों में खामेनेई का पोस्टर लेकर अमेरिका-इजराइल मुर्दाबाद के नारे लगाए।

कई शहरों में अमेरिका का पुतला जलाया गया। बिजनौर और अमरोहा में भी शिया समुदाय ने जुलूस निकाला। मोहर्रम की तरह युवाओं और बच्चों ने खुद को जंजीरों से पीटा। मातम मनाया। प्रयागराज में महिलाओं ने कैंडिल मार्च निकाला।

इससे पहले, रविवार सुबह खामेनेई की मौत की खबर मिलते ही मातम और आक्रोश का दौर शुरू हो गया। लोगों का कहना था कि हमारे रहबर खामेनेई की शहादत खाली नहीं जाएगी। ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड ने 3 दिन के शोक की घोषणा की। बोर्ड के महासचिव मौलाना यासूब अब्बास ने कहा- लोग अपने घरों पर काले झंडे लगाएंगे और काले कपड़े पहनेंगे। छोटा और बड़ा इमामबाड़ा 3 मार्च तक बंद रहेंगे।

प्रदर्शनों पर लखनऊ में भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह ने कहा- मैं ईरान संबंधी प्रदर्शनों की निंदा करता हूं।

वहीं, मुरादाबाद के सपा नेता एसटी हसन ने कहा- जोश में होश नहीं खोना चाहिए। प्रदर्शनों के बीच पुलिस ने पूरे प्रदेश में हाई अलर्ट जारी किया है। सीएम योगी ने भी रविवार सुबह मीटिंग में अफसरों से सावधानी बरतने को कहा है।

प्रयागराज में प्रोटेस्ट कर रही लड़की ने कहा- हम अपने रहबरे मोहज्जम के लिए प्रोटेस्ट कर रहे हैं। शिया कौम जिंदा है।

रंगों से पहले ग्रहण की छाया

चंद्रग्रहण का सूत

3 मार्च की सुबह 6.21 बजे से शाम को ग्रहण खत्म होने तक

चंद्रग्रहण

3 मार्च की दोपहर 3.21 बजे से शाम 6.47 बजे तक

रंगों के पर्व होली से ठीक पहले आसमान में एक खास खगोलीय घटना घटने जा रही है. साल 2026 का पहला चंद्र ग्रहण कल लगने वाला है, और खास बात यह है कि इसी दिन होली से एक दिन पहले होने वाला होलिका दहन भी मनाया जाएगा. ऐसे में लोगों के मन में सवाल है कि क्या ग्रहण का प्रभाव होलिका दहन पर पड़ेगा और यह ग्रहण कब से कब तक रहेगा? आइए जानते हैं साल का पहला चंद्र ग्रहण क्या भारत में किस समय दिखाई देगा और सूतक काल में क्या करें और किन कामों से इस दौरान बचना चाहिए.

कब से कब तक रहेगा चंद्र ग्रहण?

भारतीय समयानुसार, 3 मार्च को दोपहर 3 बजकर 20 मिनट पर चंद्र ग्रहण की शुरुआत होगी और शाम 6 बजकर 46 मिनट पर इसका समापन होगा. इस तरह ग्रहण की कुल अवधि 3 घंटे 27 मिनट रहेगी. . यह एक पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा, जिसे ब्लड मून भी कहा जा रहा है.ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, इस ग्रहण का सूतक काल सुबह 6 बजकर 20 मिनट से ही लागू हो जाएगा. सूतक काल को अशुभ समय माना जाता है, जिसमें पूजा-पाठ, शुभ कार्य और धार्मिक अनुष्ठान करने से परहेज किया जाता है.

सूतक और ग्रहण में रंग-गुलाल खेलना शुभ नहीं।

इसलिए 3 मार्च को नहीं होगी रंगों की होली।

3 मार्च की शाम को ग्रहण समाप्त।

अगले दिन 4 मार्च को होली का रंगोत्सव।

सूतक के समय में कौन-कौन से शुभ काम करें?

इष्टदेव के मंत्रों का जप करें। जैसे ऊँ नमः शिवाय, कृं कृष्णाय नमः ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय।

भगवान का ध्यान और नामों का जप करें। जैसे सीताराम, राधे-राधे, राधेकृष्णा।

गीता, रामचरितमानस जैसे ग्रंथों का पाठ करें। साधु-संतों के सत्संग सुनें।

धन, अनाज, जूते-चप्पल, वस्त्र आदि चीजों का दान करें।

धीमी आवाज में भजन-कीर्तन कर सकते हैं।

पूरे दिन मौन व्रत भी रख सकते हैं।

गायों को हरी घास खिलाएं।

सूतक के समय कौन-कौन से काम नहीं किए जाते हैं?

सूतक के समय में मंदिरों के कपाट बंद रहते हैं। मूर्तियों को स्पर्श नहीं किया जाता है।

हवन, यज्ञ के साथ ही सामान्य पूजा-पाठ भी नहीं किए जाते।

विवाह, मुहूर्त, गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्य और उत्सव नहीं किए जाते हैं, होलिका दहन भी नहीं होता है।

ग्रहण खत्म होने के बाद मंदिरों में और घरों में शुद्धिकरण किया जाता है।

होली की रात इन जगहों पर जरूर जलाएं दीपक, घर में आएगी सुख-समृद्धि

सनातन धर्म में होली का दिन और त्योहार अत्यंत शुभ माना जाता है. इस दिन लोग एक दूसरे को रंग, गुलाल और अबीर लगाकर गले मिलते हैं. हर साल फाल्गुन माह की पूर्णिमा के दिन होलिका दहन करने के बाद अगले दिन चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि के दिन रंगों के साथ होली खेली जाती है. इस साल 03 मार्च को फाल्गुन पूर्णिमा मनाई जाएगी. साथ ही होलिका दहन किया जाएगा. इसके अगले दिन यानी 04 मार्च को इस साल होली का त्योहार मनाया जाएगा. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, होली की रात पूरे साल की चार महारात्रियों में से एक मानी गई है. इन चार महारात्रियों में दीपावली, जन्माष्टमी, महाशिवरात्रि और होली की रात शामिल है. इन सभी त्योहार की रात्रि में साधना, जप, पूजा और दीपदान का विशेष महत्व धर्म शास्त्रों में बताया गया है. ऐसे में आइए जानते हैं कि होली की रात किन जगहों पर दीपक जलाना शुभ होता है।

पीपल पेड़ के नीचेः होली की रात पीपल पेड़ के नीचे दीपक जलाकर सात परिक्रमा करनी चाहिए. होली की रात में ऐसा करने से जीवन में आ रही सभी तरह की रुकावटें दूर हो जाती हैं।

दक्षिण-पश्चिम दिशा मेंः होली की रात में घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में दीपक जलाना चाहिए. इस दिशा में दीपक जलाने से पैसों से जुड़ी परेशानियां खत्म होती हैं. आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

मुख्य द्वार परः होली की रात घर के घर के मुख्य द्वार के दोनों ओर घी का दीपक जलाना चाहिए. ऐसा करने से घर में सकारात्मक उर्जा का संचार होता है।

पूजा घर मेंः होली की रात में पूजा घर में घी का दीपक जलाकर देवी-देवताओं का स्मरण करना चाहिए. मंदिर या पूजा स्थान पर दीपक जलाने से घर से नकारात्मकता दूर होती है.

तुलसी के पासः होली की शाम तुलसी के पास दिपक जरूर जलाना चाहिए. ऐसा करना बहुत ही शुभ होता है. तुलसी के पास दीपक जलाने से घर का वातावरण सकारात्मक रहता है।

फाल्गुन पूर्णिमा पर करें ये खास उपाय, पितरों से मिलेगा सुख-समृद्धि का आशीर्वाद!

पूर्णिमा तिथि को सनातन धर्म में बहुत पुण्य प्रदान करने वाली तिथि माना गया है. पूर्णिमा के दिन स्नान-दान और पूजा-पाठ जैसे अध्यात्मिक कामों से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है. साल भर में 12 पूर्णिमा की तिथियां पड़ती हैं, लेकिन फाल्गुन माह की पूर्णिमा बड़ी विशेष मानी जाती है. इसे भक्ति के साथ-साथ उत्सव का भी प्रतीक माना जाता है.

पूर्णिमा स्नान-दान और पूजा-पाठ के साथ-साथ पूर्वजों यानी पितरों के प्रति आदर व्यक्त करने की भी तिथि मानी जाती है. फाल्गुन पूर्णिमा के दिन पितरों की आत्मा की शांति और पितृ दोष से छुटकारा पाने के लिए विशेष धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं. इस दिन पितरों का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए कुछ खास उपाय भी किए जाते हैं. आइए इन उपायों के बारे में जानते हैं.

फाल्गुन पूर्णिमा

हिंदू पंचांग के अनुसार, फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि 02 मार्च 2026 को यानी शाम 05 बजकर 55 मिनट पर शुरू हो चुकी है. वहीं इस तिथि का समापन 03 मार्च को शाम 05 बजकर 07 मिनट पर हो जाएगा. ऐसे में उदयातिथि के अनुसार, इस साल फाल्गुन माह की पूर्णिमा 03 मार्च को मनाई जाएगी. इसी दिन होलिका दहन का पर्व भी मनाया जाएगा. फाल्गुन पूर्णिमा पर पितरों के लिए किए जाने वाले उपाय

एक चौमुखी दीपक जलाएंः शास्त्रों के अनुसार, दक्षिण दिशा पितरों की दिशा मानी गई है.

फाल्गुन पूर्णिमा की शाम घर के दक्षिण कोने में एक चौमुखी दीपक (चार मुख वाला दीया) जलाएं. फिर पितृ स्त्रोत का पाठ करें. ऐसा करने से पितृ प्रसन्न होते हैं और आशीर्वाद देते हैं.

दान करें और जीवों को भोजन कराएंः पूर्णिमा पर दान का महत्व बहुत ज्यादा होता है. इस दिन भूखों को भोजन कराएं. खासतौर पर गाय, कुत्ते और कौवे को रोटी या भोजन खिलाएं. मान्यता है कि जीवों को दिया गया भोजन सीधे पितरों तक पहुंचता है, जिससे उनकी आत्मा तृप्त होती है.

पितरों का तर्पण करेंः फाल्गुन पूर्णिमा के दिन स्नान के बाद जल में काले तिल डालकर पितरों का तर्पण करें. ऐसा करने से पितृ दोष से छुटकारा मिलता है.

सपने में चांद को ग्रहण लगते देखना शुभ है या अशुभ

हर व्यक्ति सोते हुए सपने देखता है. स्वप्न शास्त्र में हर एक सपने का अच्छा-बुरा प्रभाव बताया गया है. 03 मार्च को फाल्गुन माह की पूर्णिमा के दिन चंद्र ग्रहण लगने वाला है. ये इस साल का सबसे लंबा चंद्र ग्रहण होगा और ये भारत में दिखाई देगा. इसका सूतक भी मान्य होगा. इस ग्रहण की अवधि 03 घंटे 27 मिनट होने वाली है. चंद्र ग्रहण सिंह राशि और पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में लगने वाला है.

ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि अगर सपने में चांद को ग्रहण लगते हुए दिखाई देता है, तो असल जीवन में इसका क्या प्रभाव पड़ता है? सपने में चांद को ग्रहण लगते हुए दिखना शुभ होता है या अशुभ।

सपने में चंद्र ग्रहण दिखना

ज्योतिष शास्त्र में चंद्रमा को शुभ ग्रह के रूप देखा जाता है. चंद्रमा मन और माता का कारक माना जाता है. इसकी स्थिति का प्रभाव पारिवारिक संबंधों, आर्थिक पक्ष और मन पर दिखाई देता है. यही कारण है कि चंद्रमा को ग्रहण लगनाधार्मिक और ज्योतिषीय लिहाज से शुभ नहीं माना गया है. हालांकि, सपने में ग्रहण के दौरान की अलग-अलग स्थितियां दिखना जीवन में अशुभ और शुभ प्रभाव डालती हैं।

सपने में चंद्र ग्रहण के बुरे प्रभाव

अगर आप सपने में चंद्र ग्रहण देखते हैं, तो

आपकी माता की सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है, इसलिए सपने में चंद्रग्रहण देखने के बाद सुंतलित जीवन जीने का प्रयास करें और माता की सेहत का ध्यान रखें. चंद्र ग्रहण का सपना आर्थिक हानि की वजह बन सकता है. अचानक से बड़ी रकम का नुकसान हो सकता है. चोरी या कीमती सामान के खो जाने की भी संभावना रहती है. मान-सम्मान कम हो सकता है. करियर के लिहाज से भी चंद्र ग्रहण सपने में देखना शुभ नहीं रहता।

चंद्र ग्रहण से जुड़े ये सपने शुभ

वहीं अगर सपने में आपको चंद्र ग्रहण समाप्त होता हुआ दिखाई देता है, तो यह सपना सकारात्मकता का इशारा होता है. इस सपने का अर्थ है कि धीरे-धीरे जीवन की परेशानियां खत्म हो सकती हैं. सपने में चंद्र ग्रहण के दौरान स्वयं को मंत्रों का जप करते हुए देखना बड़ा शुभ होता है।

पहली होली भगवान शिव ने खेली थी

कहते हैं कि संसार की पहली होली भगवान शिव ने खेली थी। जब भगवान शिव कैलाश पर्वत पर घोर तपस्या में लीन थे, तब असुर ताड़कासुर के वध के लिए देवताओं को उनका ध्यान भंग करना जरूरी लगा। प्रेम के देवता कामदेव ने शिव की तपस्या भंग करने के लिए अपनी शक्ति का प्रयोग किया। लेकिन शिव ने क्रोधित होकर अपनी तीसरी आँख खोल दी और कामदेव को भस्म कर दिया। कामदेव की पत्नी रति अपने पति की मृत्यु से अत्यंत दुखी हुईं और शिव से उन्हें पुनर्जीवित करने की प्रार्थना की। रति की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने कामदेव को पुनर्जीवित कर दिया। इस खुशी में भोज का आयोजन हुआ, जिसमें सभी देवी-देवताओं ने हिस्सा लिया।

कहा जाता है कि इस आयोजन के दौरान—

भगवान शिव ने डमरू बजाया
भगवान विष्णु ने बांसुरी की धुन छेड़ी
और देवी सरस्वती ने वसंत के गीत गाए।

इसी खुशी के उत्सव को बाद में फाल्गुन पूर्णिमा के दिन होली के रूप में मनाया जाने लगा।

2. राक्षसी धुंधी की कथा

एक अन्य कथा के अनुसार, राजा पृथु के शासनकाल में एक धुंधी नाम की राक्षसी थी, जो छोटे बच्चों को खा जाती थी। उसे ब्रह्मा जी का वरदान प्राप्त था कि कोई भी देवता या योद्धा उसे नहीं मार सकता था। लेकिन वह शरारती बच्चों के उत्पात से कमजोर पड़ सकती थी।

फाल्गुन पूर्णिमा के दिन, नगर के बच्चों ने राक्षसी को भगाने के लिए आग जलाकर शोर मचाया और कीचड़ फेंका। इससे धुंधी परेशान होकर नगर छोड़कर भाग गई। तभी से होलिका दहन और धूलिवंदन की परंपरा की शुरुआत हुई, जिसमें अग्नि में बुराइयों का दहन किया जाता है और अगले दिन रंगों से उल्लास मनाया जाता है।

3. हिरण्यकश्यप और प्रह्लाद की कथा

यह होली की सबसे प्रचलित कथा है।

हिरण्यकश्यप एक असुर राजा था, जिसने कठोर तपस्या कर ब्रह्मा जी से अमरता का वरदान प्राप्त किया था। वह स्वयं को भगवान मानता था और चाहता था कि उसकी प्रजा केवल उसी की पूजा करे। लेकिन उसका पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु का परम भक्त थे। हिरण्यकश्यप ने अपने पुत्र को विष्णु भक्ति छोड़ने के लिए कई यातनाएँ दीं, लेकिन जब वह सफल नहीं हुआ, तो उसने अपनी बहन होलिका को प्रह्लाद को अग्नि में बैठाकर जलाने का आदेश दिया। होलिका को वरदान था कि अग्नि उसे नहीं जला सकती। लेकिन भगवान विष्णु की कृपा से प्रह्लाद को कुछ नहीं हुआ और होलिका स्वयं जलकर भस्म हो गई। तभी से फाल्गुन पूर्णिमा के दिन होलिका दहन की परंपरा चली आ रही है, जिसमें बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया जाता है।

4. राधा-कृष्ण की होली

ब्रज की होली पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है और इसका संबंध श्रीकृष्ण और राधा रानी से बताया जाता है।

कथा के अनुसार—

बालक श्रीकृष्ण ने अपनी माँ यशोदा से पूछा कि ₹राधा इतनी गोरी क्यों हैं और मैं इतना काला?₹ यशोदा माँ ने मजाक में कहा कि ₹तू राधा के चेहरे पर रंग लगा दे, तो वह भी तेरे जैसी दिखेगी। इस पर श्रीकृष्ण ने राधा और उनकी सखियों को रंगों से सराबोर कर दिया। तभी से रंग खेलने की परंपरा शुरू हुई और ब्रज की होली विश्व प्रसिद्ध हो गई।

5. पूतना वध की कथा

कंस ने श्रीकृष्ण को मारने के लिए पूतना नामक राक्षसी को गोकुल भेजा। वह सुंदर स्त्री का रूप धरकर आई और नवजात कृष्ण को विष पिलाने के लिए अपना स्तनपान कराया। लेकिन श्रीकृष्ण ने उसकी असलियत पहचान ली और स्तनपान करते-करते ही उसका प्राण हरण कर लिया। कहा जाता है कि पूतना वध फाल्गुन पूर्णिमा के दिन हुआ था, इसलिए इसे बुराई के अंत और खुशी के उत्सव के रूप में मनाया जाने लगा।

6. देवताओं की पहली होली

हरिहर पुराण के अनुसार, धरती पर होली मनाने से पहले देव लोक में होली मनाई जाती थी। भगवान शिव ने कामदेव को भस्म किया और फिर पुनर्जीवित किया, जिसके उपलक्ष्य में देवताओं ने उत्सव मनाया। इस आयोजन में शिव ने डमरू बजाया, विष्णु ने बांसुरी बजाई और सरस्वती ने गीत गाए। तब से फाल्गुन पूर्णिमा के दिन गीत-संगीत, रंगों और उल्लास से होली मनाने की परंपरा शुरू हुई।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 3 मार्च - 2026

वैश्विक व्यवस्था पर खतरा

पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य जिस तेजी से बदला है, उसने वैश्विक स्थिरता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। इज़राइल, अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव अब केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सैन्य कार्रवाइयों में बदल चुका है। संवाद और कूटनीति के रास्ते को दरकिनार कर हमलों का सहारा लेना इस बात का संकेत है कि विश्व राजनीति एक खतरनाक मोड़ पर खड़ी हो गई है। शनिवार को इज़राइल और अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए संयुक्त हमलों ने हालात को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। इन हमलों में ईरान के सैन्य ढांचे और उससे जुड़े ठिकानों को तहस-नहस कर दिया है। इसके बाद ईरान की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई से क्षेत्रीय संघर्ष व्यापक युद्ध में बदल चुकी है। सवाल यह है कि क्या यह संघर्ष केवल मध्य पूर्व तक सीमित रहेगा या इसके दायरे में अन्य शक्तियाँ भी शामिल होंगी? अमेरिका का तर्क है कि उसका उद्देश्य ईरान की सैन्य और परमाणु क्षमताओं को सीमित करना है। दूसरी ओर, ईरान इसे अपनी संप्रभुता पर सीधा हमला मान रहा है। इस टकराव के पीछे वर्षों से चल रही अविश्वास की राजनीति और असफल कूटनीतिक प्रयास जिम्मेदार हैं। ओमान की मध्यस्थता में वार्ता की कोशिशें चल रही थीं, लेकिन सैन्य कार्रवाई ने उन संभावनाओं को झकझोर दिया। जाहिर है जब बातचीत की मेज पर समाधान खोजने के बजाय युद्ध किया जाता है तो परिणाम ऐसे ही अनियंत्रित होते हैं। यह संघर्ष ऐसे समय में बढ़ रहा है जब पहले से ही रूस-यूक्रेन युद्ध वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा बाजारों को अस्थिर कर चुका है। यदि पश्चिम एशिया में भी व्यापक युद्ध छिड़ता है, तो तेल आपूर्ति, समुद्री व्यापार मार्ग और अंतरराष्ट्रीय बाजार गंभीर संकट में आ सकते हैं। खाड़ी क्षेत्र विश्व की ऊर्जा की धुरी है। यहां अस्थिरता का अर्थ है वैश्विक महंगाई, आर्थिक मंदी और राजनीतिक असंतोष का विस्तार। इस संकट का मानवीय पहलू भी गंभीर है। किसी भी सैन्य टकराव का सबसे बड़ा खामियाजा आम नागरिकों को ही भुगतना पड़ता है। इज़राइल और ईरान में नागरिकों की हताहतों की खबरें चिंता बढ़ाने वाली हैं। यदि संघर्ष लंबा खिंचता है, तो शरणार्थी संकट और मानवीय आपदा की आशंका भी बढ़ेगी। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की भूमिका इस समय निर्णायक होनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र और प्रमुख वैश्विक शक्तियों को युद्धविराम और पुनः वार्ता के लिए दबाव बनाना होगा। भारत जैसे देश, जो संतुलित विदेश नीति के लिए जाने जाते हैं, मध्यस्थता की संभावनाओं को मजबूत कर सकते हैं। गुटनिरपेक्ष और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के समूहों को भी शांति पहल में सक्रिय भूमिका निभाना होगा। आज आवश्यकता शक्ति प्रदर्शन की नहीं, बल्कि संयम और दूरदर्शिता का है। इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी स्थायी समाधान नहीं देता; वह केवल नए संघर्षों की नींव रखता है। यदि इज़राइल, अमेरिका और ईरान अपने-अपने रणनीतिक हितों से ऊपर उठकर संवाद की राह नहीं अपनाते हैं, तो यह टकराव वैश्विक व्यवस्था को गहरे संकट में डाल सकता है। विश्व समुदाय को यह समझना होगा कि 21वीं सदी में सैन्य प्रभुत्व नहीं, बल्कि कूटनीतिक परिपक्वता ही स्थायी शांति का आधार बन सकती है। मध्य पूर्व की आग को फैलने से रोकना केवल क्षेत्रीय जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरी मानवता की साझा जरूरत है।

शांति की बातें, युद्ध की तैयारी: सभ्यता का दोहरा चेहरा

आरके जैन

आसमान अभी भी धुंध और धुएँ से भरा था, जब हमारी आँखें टीवी स्क्रीन पर चमकते लाल ब्लॉकों में फँस गईं। एक पल पहले तक यह सिर्फ़ खबरें थीं-और अगले ही पल, यह हमारी ज़िन्दगी बन गई। अमेरिका और इज़राइल ने ईरान पर हमला किया। 28 फरवरी को अमेरिका और इज़राइल के संयुक्त हमलों में आयतुल्लाह अली ख़ामेनेई की मौत हुई, जिसकी पुष्टि ईरानी राज्य मीडिया ने 1 मार्च को की। इस खबर ने दुनिया को झकझोर दिया, लेकिन हमारे भीतर का झटका और भी गहरा था। यह कोई दूर की लड़ाई नहीं थी-यह हमारी किताबों में, हमारी दीवारों में, हमारी सांसों में उतर गई। स्कूल की किताबें अब कागज़ नहीं रह गई थीं। वे बम के टुकड़ों में बदल गई थीं। हर पन्ना खून से सना था, हर अध्याय मौत की कहानी कहता था। बच्चे अब पढ़ेंगे कि छिपना और बचना ही उनका पाठ बन गया। हमारी पीढ़ी ने उन्हें विरासत दी है- एक ऐसी विरासत जिसमें ज्ञान और भय, दोनों सिखाए जाते हैं।

हमने शांति की बातें कीं। "डिप्लोमेसी चलेगी," कहा। लेकिन 28 फ़रवरी को ऑपरेशन शुरू हुआ, और हमारी आँखें फिर अंधेरी हो गईं। टीवी बंद हुआ। सोशल मीडिया को स्क्रॉल करते हुए सोचा, "यह हमारी दुनिया से दूर है।" लेकिन यह सच नहीं था। ईरान के न्यूक्लियर साइट्स पर हमले हुए, अमेरिकी सैनिकों की मौत की पुष्टि हुई है, इज़राइल पर मिसाइलें गिरीं, हिज़्बुल्लाह सक्रिय हुआ, और गल्फ़ में तेल सुविधाओं और जहाजों पर हमले हुए, आग और विस्फोट की खबरें आईं। और हम? हम खून से सनी किताबें तैयार कर रहे हैं। किताबें जो नई पीढ़ी को पढ़ाएंगी कि उनका भविष्य किस तरह जलता रहा, और उनकी आवाज़ कहाँ गुम हो गई। यह हमारी सच्चाई है, और हमारी चुप्पी-सबसे बड़ा अपराध। यह युद्ध नया नहीं है, लेकिन हमने इसे अपनी विरासत बना लिया है। 2025 में, जब इज़राइल ने ईरान पर हमला किया, हमने इसे सिर्फ़ "सीमित संघर्ष" कहकर नजरअंदाज किया। जब ट्रंप ने घोषणा की कि "ईरान को न्यूक्लियर हथियार नहीं मिलेंगे," हमने उसकी चेतावनी को हँसी में उड़ा दिया। लेकिन अब, 2026 में, ख़ामेनेई की मौत के बाद, तेहरान में नागरिक क्षेत्र प्रभावित हुए, अस्पतालों और स्कूलों पर असर की खबरें सामने आ रही हैं। हमारी पीढ़ी ने चुन लिया है- बच्चों को खून भरी किताबें थमाना, हथियार बेचना, और तेल के लिए आंखें मूंद लेना। और वही बच्चे अब पढ़ेंगे-हर अध्याय में मौत, हर पन्ने पर खून, और जिन किताबों में जीवन का कोई पाठ नहीं।

एक बच्चा अपनी माँ से पूछेगा, "माँ, यह किताब क्यों लाल है?" और जवाब नहीं मिलेगा। क्योंकि यह लाल नहीं, यह खून से सनी थी। हमारी पीढ़ी ने कहा, "हम लड़ रहे हैं ताकि तुम सुरक्षित रहो," लेकिन लड़ाई किससे थी -खुद से? हमने घृणा बोई, नफ़रत उगाई। "प्री-एम्प्टिव स्ट्राइक" की छाया में, मार का बोझ बच्चों पर पड़ा। युद्ध की छाया में रेडिएशन का खतरा मंडरा सकता है, कैंसर और बीमारियाँ पीढ़ियों को प्रभावित कर सकती हैं। हमने उन्हें क्या विरासत दी? ऐसी किताबें जिनमें हर जन्म मौत की सज़ा पढ़ाता है, और जिनमें जीवन का कोई पाठ नहीं। यह सिर्फ़ मिडिल ईस्ट की समस्या नहीं है। वर्ल्ड वॉर थ्री की आहट अब हर दिशा में गूँज रही है, हर ख़बर, हर रेडियो, हर स्क्रीन पर इसकी गूंज सुनाई देती है। पोल्स चीख रहे हैं- अमेरिका में 46%, ब्रिटेन में 43%, फ्रांस में उच्च प्रतिशत, जबकि जर्मनी में कम लोग अगले पाँच साल में ग्लोबल वॉर को संभावित मानते हैं। लेकिन हम सुन नहीं रहे। हम अपनी आँखें बंद करके नई पीढ़ी के लिए खून से सनी किताबें तैयार कर रहे हैं। बच्चे पढ़ेंगे-ऐसी किताबें जो न्यूक्लियर विंटर की कहानियाँ कहेंगी, जहाँ सूरज छिपा रहेगा, जहाँ फसलें उगना भूल जाएँगी, और भूख ही मृत्यु का दूसरा नाम बन जाएगी। यह हमारी विरासत है, और इसके साए में बढ़ती हर पीढ़ी अपनी पहली और आखिरी पाठशाला में मौत और विनाश ही देखेगी।

उर्दू कट्टरपंथ की नहीं, बल्कि भारतीय भाषा है

रघु ठाकुर

पिछले दिनों दैनिक भास्कर में श्री प्रियदर्शन का एक लेख छपा था जिसमें उन्होंने जयपुर साहित्य समारोह में फिल्मों की पटकथा और गीत के लेखक मार्क्सवादी श्री जावेद अख्तर की टिप्पणी को लेकर चर्चा की थी। इस लेख में श्री प्रियदर्शन ने इस साहित्य समारोह में श्री जावेद अख्तर की कथित टिप्पणी श्भारत पाक विभाजन का एक कारण उर्दू भी ह्यै का उल्लेख किया था। यद्यपि उन्होंने यह भी लिखा था कि यह टिप्पणी श्री जावेद अख्तर ने एकदम स्परुट नहीं की, बल्कि कुछ अस्परुट सी की थी और प्रियदर्शन जी ने इसका खुलासा देते हुए लिखा था कि डॉक्टर लोहिया ने मौलाना अब्दुल कलाम आजाद की पुस्तक श्इंडिया विंस फ्रीडम्य में वर्णित गलत तथ्यों की सफाई और सही तथ्यों के वर्णन के लिए जो उत्तर लिखा था वह ही एक पुस्तक का रूप बन गया जिसका नाम है श्भारत विभाजन के अपराधी्य। इस पुस्तक में डॉक्टर लोहिया ने भारत पाक विभाजन के आठ कारण बताए थे जिसमें उर्दू कहीं नहीं है। मैंने यह टिप्पणी लिखने से पहले श्री जावेद अख्तर के जयपुर साहित्य समारोह के दो वीडियो सुने। एक लगभग 50 मिनट का प्रश्नोत्तर में था पर उसमें उनकी उर्दू को लेकर टिप्पणी केवल उर्दू की उम्र को लेकर थी। दूसरा 3-4 मिनट का ऑडियो डाला गया था। जिसमें भी भारुा का संबंध धर्म से नहीं होता बल्कि क्षेत्र से होता है, यह कहा गया था। आज मेरे मित्र वरिरुठ पत्रकार श्री अजय तिवारी जी ने जयपुर के दैनिक भास्कर अखबार की एक कतरन भेजी है जिसमें प्रकाशित समाचार का विवरण है। इस रपट में एंकर वारिसा फरासत से बातचीत में श्इंडिया इन उर्दूय श्उर्दू इन इंडियाय सेशन में श्री जावेद ने कहा उर्दू जुबान ने पाकिस्तान के टुकड़े करवाए। भारत में बसे लोग जो उर्दू को ही अपना मानते हैं वह तनाव बनाकर रखते हैं।

भारुा कभी भी धर्म समाज की नहीं हो सकती। रीजन की भारुा होती है रिलिजन कि नहीं। इस रपट की एक पंक्ति भारत में बसे लोग वाली निसंदेह एक गलत संकेत देती है। एक तो जब वह कहते हैं भारत में बसे लोग। इसका संकेत बिना शक मुस्लिम की ओर जाता है। फिर यह कि वह भारुाई आधार पर यानी उर्दू को अपना मानकर तनाव बनाकर रखते हैं, यह तो और भी चिंताजनक वक्तव्य है। क्योंकि यह उर्दू भारुाी समाज को कटघरे में खड़ा करता है और दोरुाी सिद्ध करता है। इस वाक्य को अलग इतिहास पर लागू करेंगे तो श्री प्रियदर्शन जी की टिप्पणी सही नजर आएगी। क्योंकि आज अगर उर्दू विशेरुा अपनत्व और तनाव का कारण है तो 1947 के विभाजन के पहले तो और भी ज्यादा तनाव का कारण रही होगी। निसंदेह भारत पाक विभाजन के गुनहगार पुस्तक में डॉ. लोहिया ने जिन आठ व्यक्तियों या संगठनों को कम या ज्यादा जिम्मेदार माना था उनमें भारुा या उर्दू कहीं नहीं है उनमें मुस्लिम लीग, हिंदू महासभा, जिन्ना, सावरकर,नेहरू, पटेल आदि शामिल हैं। यह भी डॉक्टर लोहिया की महानता थी कि उन्होंने अपनी पीड़ा को व्यक्त करते हुए इस अर्थ में एक गुनहगार अपने को भी माना कि वह अकेले ही प्रतिरोध पर क्यों नहीं बैठ गए। यद्यपि यह भी सत्य है कि डॉक्टर लोहिया ने न केवल कांग्रेस कार्यकारिणी में भारत पाक विभाजन का महात्मा गांधी के साथ विरोध किया था। गांधी का समर्थन किया था। इसके साथ ही डॉ. लोहिया ने महात्मा गांधी के बंगाल शांति मिशन और बाद में जलती दिल्ली को शांत करने के लिए कई बार अपनी जान को जोखिम में डालकर विभाजन की मानसिकता, दंगों और हिंसक प्रतिक्रियाओं का विरोध किया था।

भास्कर के लेख के अनुसार श्री जावेद अख्तर ने कहा की भारुा क्षेत्रीय होती है और धर्म की नहीं होती। उनका यह निरुकरुा सही है। परंतु, उन्होंने उर्दू को ही अपनी भारुा मानने वाले भारत में बसे लोगों को तनाव बनाकर रखने का दोरुाी कैसे माना? तथा मानकर किस विचार को मजबूत किया है? अगर भारत को समग्र अतीत के साथ देखा जाए तो सभी भारतीय (उर्दू भारुाी) की इस पंक्ति में छुपे निहितार्थ को इस रूप में समझा जा सकता है कि भारत में बसे मुसलमान उर्दू को मानते हैं और वह तनाव बनाकर रखते हैं। यह भारत के विभाजन का एक कारण कैसे माना? यह भी वे नहीं बता सके। ऐसा लगता है कि शायद उन्होंने जिस प्रकार फिल्मी पटकथा में लोकप्रिय होने वाले डायलॉग लिखे हैं, उसी का प्रयोग, इस जयपुर साहित्य समारोह में भी किया।

वैसे भी आजकल लिट् फेस्ट यानी साहित्यिक समारोह के नाम से एक नकल शुरू हुई है। जिसके पीछे खाता-पीता संपन्न तबका रहता है। करोड़ों रुपए खर्च किए जाते हैं जिन्हें प्रचारित करना है उन्हें सेलिब्रिटी बनाकर आमंत्रित कर प्रचारित किया जाता है और इसका मीडिया में भरपूर प्रचार होता है तथा संपन्न और श्रेरुठी वर्ग देर तक इसका आनंद लेता है। फिर कई दिन तक उसकी जुगाली करता है। यानि जो स्थिति अब कवि सम्मेलनों की है कि अब वे प्रेरणा के नहीं बल्कि अब कमाई के जरिए हैं, लिट् फेस्ट भी इस दिशा में जा रहे हैं।

उर्दू ने तो आजादी के आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और आजादी का इतिहास भी उर्दू के बगैर अधूरा है। अमर शहीद भगत सिंह से लेकर चंद्रशेखर आजाद तक कितने ही क्रांतिकारी ऐसे थे जिन्होंने अपने जीवन में उर्दू का प्रयोग किया। उर्दू के शब्द भी न केवल लोगों को उत्साह से भरते थे बल्कि एक अलग अनुभूति देते थे। श्इंकलाब्य शब्द की भूमिका आजादी के आंदोलन में महत्वपूर्ण थी। यह क्या किसी बड़े हथियार से कम थी और इंकलाब शब्द किस भारुा का है?

बांग्लादेश के बनने में एक कारण बांग्ला भारुा का भी था। क्योंकि भारत विभाजन के बाद पाकिस्तान के हुकुमरानों ने बंगला भारुा के ऊपर उर्दू थोपने का प्रयास किया था। उर्दू भारत के किसी क्षेत्र की भारुा नहीं बल्कि भारत में संस्द्धत व हिंदी के ऐतिहासिक मिश्रण से जन्मी भारुा है। लोहिया कहते थे की सभी भारतीय भारुााएँ आपस में बहनें हैं जिसमें उर्दू भी शामिल है। 1971 में बांग्लादेश के निर्माण के समय भी बंगला भारुायों का विरोध उर्दू भारुा का नहीं था बल्कि बंगलादेश की एक रारुट्रभारुा के तौर पर, शासन की भारुा के तौर पर,उर्दू को प्रतिरुिठत करने का था। जिस प्रकार लोहिया कहते थे कि हम अंग्रेजी के विरुद्ध नहीं है बल्कि अंग्रेजी के साम्राज्यवाद के खिलाफ है। उन्होंने तो यह भी लिखा था,वह भी बंगलादेश बनने के लगभग 20 वरुा पूर्व और भारत विभाजन के वक्त कि पाकिस्तान एकजुट नहीं रह पाएगा, और इसमें एक कारण उन्होंने पाकिस्तान और बांग्लादेश की भौगोलिक दूरी को भी बताया था। सैकड़ों हजारों किलोमीटर दूर से गुलामी तो थोपी जा सकती है, परंतु आजाद या लोकतांत्रिक देश नहीं चलाया जा सकता। उर्दू दुनिया में केवल भारत में ही बोली जाती रही है वरना बकाया मुस्लिम देशों में तो अरबी फारसी आदि रही हैं। उर्दू की पैदाइश भारत की ही जमीन पर हुई है इसमें जो शब्द हैं वह संस्द्धत अरबी हिंदी और अन्य भारतीय भारुााओं के मिलन से बने हैं। उर्दू लिपि भी अरबी और फारसी से भिन्न है। यह इतिहास का तथ्य है कि जो बाहर के हमलावर तत्कालीन भारत में आए और भारत के लोगों के साथ उनका संपर्क संवाद और कुछ सम्मिलन हुआ उसी से एक मिश्रित भारुा के रूप में उर्दू पनपी।

वन्यजीवों की पुकार, अभी नहीं तो कभी नहीं

योगेश कुमार गोयल

वन्य जीव हमारी धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर मनुष्य ने उनके प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है और वनस्पतियों का भी सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है।

धरती पर अब वन्य जीवों और दुर्लभ वनस्पतियों की कई प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्य जीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं।

पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवों में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। इन्हीं वन्य जीवों, वनस्पतियों और उनके आवासों को सुरक्षा प्रदान करने को वन्य जीव संरक्षण कहा गया है तथा इनके संरक्षण के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 3 मार्च को 'विश्व वन्यजीव दिवस' मनाया जाता है।

प्रतिवर्ष यह दिवस एक खास विषय के साथ मनाया जाता है और इस वर्ष 'औषधीय और सुगंधित पौधेः स्वास्थ्य, विरासत और आजीविका का संरक्षण' थीम के साथ मनाया जा रहा है। यह विषय मानव स्वास्थ्य, सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय आजीविका को बनाए रखने में इन पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है, साथ ही पर्यावास के विनाश, अत्यधिक कटाई और अन्य कारणों से इन पर बढ़ते दबावों को दर्शाता है।जीव-जंतुओं की तमाम प्रजातियां और वनस्पतियां मिलकर अत्यावश्यक पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करते हैं और सही मायनों में वन्य जीव हमारे मित्र है, इसीलिए उनका संरक्षण किया जाना बेहद जरूरी है। हमें भली-भांति यह समझ लेना चाहिए कि इस धरती पर जितना अधिकार हमारा है, उतना ही इस पर जन्म लेने वाले अन्य जीव-जंतुओं का भी है। लेकिन आज प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

वन्यजीव दिवस मनाए जाने के उद्देश्यों में विभिन्न किस्म की वनस्पतियों तथा जीव-जंतुओं पर ध्यान केन्द्रित करना, उनके संरक्षण के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाना, पूरी दुनिया को वन्यजीव अपराधों के बारे में स्मरण करवाना और मनुष्यों के कारण इनकी प्रजातियों की संख्या कम होने के विरूद्ध कारवाई करना शामिल हैं।

समस्त स्थलीय और जलीय जीवों के लिए वन्य जीवों का बने रहना अत्यावश्यक है। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है। पर्यावरण के इसी असंतुलन का परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में देख और भुगत भी रही है।

लगभग हर देश में कुछ ऐसे वन्य जीव पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते वन्य जीवों के आशियाने भी लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दुनिया के जंगली जीवों और वनस्पतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'विश्व वन्यजीव दिवस' के आयोजन का निर्णय लिया गया। महासभा ने यह सुनिश्चित करने में साइट्स की महत्वपूर्ण भूमिका को भी मान्यता दी ताकि वह सुनिश्चित कर सके कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से प्रजातियों के अस्तित्व को खतरा नहीं है।ब्रिटिश काल से ही भारत में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने और बचाने के लिए कानूनी प्रावधान किए जाते रहे हैं लेकिन चिंता की बात यह है कि उसके बावजूद वन्यजीवों की अनेक प्रजातियां पिछली एक सदी में लुप्त हो गई हैं। विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की 'लिविंग प्लेनेट रिपोर्ट 2024' में कुछ ही महीने पहले चौंका देने वाला यह चिंताजनक खुलासा भी हुआ था कि 1970 से 2020 के बीच वन्यजीव आबादी में 73 प्रतिशत की विनाशकारी गिरावट दर्ज की गई, जिनमें स्तनधारी, पक्षी, उभयचर, सरीसृप, मछली इत्यादि जीव शामिल हैं।

ताजे पानी के पारिस्थितिक तंत्र में यह गिरावट 85 प्रतिशत रही है। हर दो साल में प्रकाशित होने वाली इस रिपोर्ट में बताया गया है कि वन्यजीवों की आबादी दुनियाभर में कैसे प्रभावित हो रही है।

'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के अनुसार वन्य जीवों को विलुप्त होने से बचाने के लिए देश में सबसे पहले वर्ष 1872 में ब्रिटिश शासनकाल में 'वाइल्ड एलीकेंट प्रोटेक्शन एक्ट' बनाया गया था।

उसके बाद वर्ष 1927 में वन्य जीवों के शिकार और वनों की अवैध कटाई को अपराध मानते हुए 'भारतीय वन अधिनियम' अस्तित्व में आया, जिसके तहत सजा का प्रावधान किया गया।

देश की आजादी के बाद वर्ष 1956 में 'भारतीय वन अधिनियम' पारित किया गया और 1972 में देश में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने तथा अवैध शिकार, तस्करी और अवैध व्यापार को नियंत्रित करने के उद्देश्य से 'वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972' लागू किया गया।

वर्ष 1983 में वन्य जीव संरक्षण के लिए 'राष्ट्रीय वन्य जीव योजना' शुरू की गई, जिसके तहत वन्य जीवों को इंसानी अतिक्रमण से दूर रखने और उनकी सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय पार्क और वन्य प्राणी अभयारण्य बनाए गए। जनवरी 2003 में वन्य जीव संरक्षण अधिनियम में संशोधन किया गया और अधिनियम के तहत अपराधों के लिए जुर्माना तथा सजा को अधिक कठोर बना दिया गया।

बहरहाल, प्रत्येक व्यक्ति के लिए यह समझना बेहद जरूरी है कि वन्य जीवों का संरक्षण हम सभी की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है क्योंकि वन्य प्राणियों की विविधता से ही धरती का प्राकृतिक सौन्दर्य है, इसलिए लुप्तप्रायः पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है।

रंगों की आध्यात्मिक साधना है होली

सुरेश गांधी

फाल्गुन का महीना जैसे ही प्रकृति के आंगन में उतरता है, वातावरण में एक अदृश्य उल्लास घुलने लगता है। हवा में मादकता, वृक्षों पर नवांकुरों की हरियाली, आम के बौरों की सुगंध और मन के भीतर अनायास जागती प्रसन्नताकृयह सब संकेत देते हैं कि होली आने वाली है। होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर बसे अहंकार, द्वेष और कटुता को जलाकर प्रेम, समरसता और संवेदना को पुनर्जीवित करने का सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पर्व है। होली का नाम आते ही जैसे दिल और दिमाग पर मस्ती का रंग चढ़ने लगता है। बिना किसी मदिरा के भी मन आनंद में झूम उठता है। शरीर का पोर-पोर संकेत देने लगता है कि जीवन के कठोर अनुशासन से कुछ क्षण बाहर निकलकर सहजता और आत्मीयता के रंगों में भीगने का समय आ गया है। यह वही क्षण होता है जब मनुष्य अपने सामाजिक आवरणों से मुक्त होकर मानवीय संवेदनाओं के मूल स्वरूप के करीब पहुंचता है। होली का मूल आधार भक्त प्रह्लाद की अटूट भक्ति और असुरराज हिरण्यकश्यप के अहंकार की कथा से जुड़ा है। हिरण्यकश्यप स्वयं को ईश्वर से भी श्रेष्ठ मान बैठा था, जबकि उसका पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु का अनन्य भक्त था। अहंकार और आस्था का यह संघर्ष केवल पौराणिक प्रसंग नहीं, बल्कि हर युग का सत्य है। जब-जब सत्ता अहंकार में डूबती है और सत्य को दबाने का प्रयास करती है, तब-तब प्रह्लाद जैसी आस्था जन्म लेती है। हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद को अनेक यातनाएं दीं, कभी पर्वत से गिराया, कभी उबलते तेल में डाला, कभी विष दियाकृपरंतु भक्ति अडिग रही। अंततः उसकी बहन होलिका, जिसे अग्नि से न जलने का वरदान प्राप्त था, प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि में बैठी। किंतु दैवी न्याय ऐसा हुआ कि होलिका भस्म हो गई और प्रह्लाद सुरक्षित बच निकले। यही घटना आज "होलिका दहन" के रूप में मनाई जाती है, अर्थात भीतर की बुराइयों का दहन।

होली केवल आध्यात्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि लोकजीवन की जीवंत अभिव्यक्ति भी है। ब्रज की गलियों में कृष्ण और राधा की रंग-लीलाओं के प्रसंग आज भी लोकगीतों और फागों में गूंजते हैं। ढोल की थाप, मंजीरों की झंकार और फागुन की मस्ती, ये सब मिलकर होली को केवल त्योहार नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अनुभव बना देते हैं। लोककवि ईसुरी के फाग हों या गांवों की चौपालों पर गूंजती ठिठोली, हर जगह एक ही भाव मिलता है, मनुष्य के भीतर छिपे आनंद को बाहर लाने का अवसर। होली का समय भारतीय कृषि चक्र से भी गहराई से जुड़ा है। नई फसल घर आने का उल्लास, खेतों की हरियाली और किसानों की संतुष्टि इस पर्व को और अर्थपूर्ण बना देती है। फाल्गुन पूर्णिमा की रात अग्नि प्रज्ज्वलित कर नई ऊर्जा का स्वागत किया जाता है। प्रकृति भी जैसे रंगों के वस्त्र धारण कर लेती है, सरसों का पीला, पलाश का लाल और गेहूं की बालियों का सुनहरा रंग। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि मनुष्य और प्रकृति का संबंध केवल उपयोग का नहीं, बल्कि उत्सव का भी है।

यदि गहराई से देखें तो ब्रह्मांड में स्वयं कोई रंग नहीं है। रंग प्रकाश का खेल है। वस्तुएं जिस रंग को परावर्तित करती हैं, हम वही देखते हैं। यही सिद्धांत जीवन पर भी लागू होता है, हम जैसा व्यवहार दुनिया को देते हैं, वही हमारे व्यक्तित्व का रंग बन जाता है। यदि हम प्रेम देंगे तो प्रेम लौटेगा, यदि कटुता देंगे तो कटुता ही वापस आएगी। इसीलिए होली हमें सकारात्मक भावों का चयन करना सिखाती है। आज का समय तेज़ी से बदलते सामाजिक ढांचे और डिजिटल संवाद का समय है। रिश्ते अक्सर औपचारिक होते जा रहे हैं। ऐसे में होली वास्तविक मिलन का अवसर बनती है। यह त्योहार हमें याद दिलाता है कि जीवन केवल उपलब्धियों का नहीं, संबंधों का भी नाम है। हालांकि, उत्सव की आड़ में उच्छृंखलता का प्रवेश इस पर्व की गरिमा को प्रभावित करता है। होली का वास्तविक आनंद मर्यादा, संयम और संवेदनशीलता में ही है। रंग तभी सुंदर लगते हैं जब उनमें सम्मान का भाव भी हो।"होली" शब्द का एक अर्थ यह भी माना जाता है, "हो ली", अर्थात जो बीत गया उसे छोड़कर आगे बढ़ना। यही जीवन का सबसे बड़ा सूत्र है। गिले-शिकवे मिटाकर, संबंधों को नया रंग देकर और मन को निर्मल बनाकर ही होली का वास्तविक उत्सव मनाया जा सकता है। जब मनुष्य अपने भीतर के अहंकार को जलाकर विनम्रता अपनाता है, तब वह पूर्णता की ओर बढ़ता है।

ज्ञान का पहला लक्षण विनय है और विनय ही मनुष्य को श्रेष्ठ बनाता है। होली हमें सिखाती है कि जीवन को रंगीन बनाने के लिए बाहरी रंगों से अधिक आवश्यक है आंतरिक उजास। यह पर्व हमें जोड़ता है, जगाता है।

मौसमी और कृषि त्योहार होली

रूनू झा

फाल्गुन के अंत में वसंत ऋतु के शुरुआत पर चैत्र कृष्ण प्रतिपदा को मनाया जाने वाला होली एक मौसमी और कृषि त्योहार है, जो सर्दियों के अंत और प्रकृति में नए फूलों और फसलों के खिलने का जश्न मनाता है।

यह सर्दियों के अंत और वसंत के आगमन का प्रतीक है, जिसे प्रकृति के साथ रंग खेलकर मनाया जाता है।

यह हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है, जो रबी फसल की कटाई और मौसम में बदलाव का संकेत है। होली के रंग वसंत की जीवंतता और ऊर्जा का प्रतीक हैं, जो मनोदशा को बेहतर बनाते हैं।

होली से जुड़ी एक पौराणिक कथा है कि हिरण्यकश्यप की आज्ञा से प्रहलाद को होलिका ने अपनी गोद में बिठाकर आग लगा दी थी ।

लेकिन भगवान विष्णु की कृपा से प्रह्लाद बच गए और होलिका जल गई ।

इस घटना को बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में होलिका दहन और रंगों की होली से मनाया जाता है।

हर्ष,आनंद और रंग-उमंग का त्योहार है होली, तो इसका गीत-संगीत भी बहुत ख़ास है ।फाग, ब्रज क्षेत्र में गाए जाने वाले पारंपरिक लोकगीत है ।होरी अवधी और ब्रज में गाए जाने वाले होली गीत हैं। फाग,फगुआ और होरी में राधा-कृष्ण और प्रकृति का वर्णन होता है ।होली की मस्ती में गाया जाने वाला एक प्रमुख गीत है-जोगीरा ।वृंदावन के बाँके बिहारी मंदिर में फूलों से होली खेली जाती है। बरसाने और नंदगाँव में महिलाएँ पुरुषों को लाठियों से पीटती हैं और पुरुष ढाल से खुद को बचाते हैं,इसे कहते है-लठमार होली ।

मथुरा, वृंदावन और बरसाने की होली विश्व-प्रसिद्ध है। इनके अलावे पंजाब में होला मोहल्ला, गोवा में शिग्मोत्सव, मणिपुर में योशांग, बंगाल और उड़ीसा में डोल जात्रा होली के अलग-अलग नाम है ।

उदयपुर में मेवाड़ राजवंश एक विशाल जुलूस निकालते हैं। इसके अलावा, पुष्कर की होली अपने संगीत और उत्साह के लिए पर्यटकों में काफी मशहूर है।

बिहार और झारखंड में मालपुआ बनाते और मेहमानों को खिलाते हैं ।मीठे के साथ-साथ चटपटा स्वाद देने के लिए दही वड़ा हर घर में बनता है।

राजस्थान और गुजरात में कांजी वडा बनाते हैं, जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी अच्छा माना जाता है ।

अजहर इक़बाल लिखते हैं-

कहीं अबीर की ख़ुश्बू कहीं गुलाल का रंग

कहीं पे शर्म से सिमटे हुए जमाल का रंग

चले भी आओ भुला कर सभी गिले-शिकवे

बरसना चाहिए होली के दिन विसाल का रंग।

सिंथेटिक रंगों से होली खेलने से बढ़ रहा खतरा

त्वचा, बाल, आंखों और फेफड़ों पर पड़ रहा असर

होली में रंग खेलना खुशी और उमंग का प्रतीक है, लेकिन होली खेलने के लिए सही रंगों का चुनाव बेहद जरूरी है। बाजार में मिलने वाले सिंथेटिक रंग स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनते जा रहे हैं। सस्ते और चमकीले रंगों में अक्सर इंडस्ट्रियल डाई और हानिकारक रसायनों का उपयोग किया जाता है, जो त्वचा, बाल, आंखों और यहां तक कि फेफड़ों पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। होली खेलने के लिए प्राकृतिक या ऑर्गेनिक रंगों का इस्तेमाल ज्यादा सुरक्षित माना जाता है।

होली खेलते समय रंगों के चुनाव पर विशेष ध्यान देना चाहिए। सिंथेटिक रंगों में मौजूद इंडस्ट्रियल डाई त्वचा की बाहरी परत को नुकसान पहुंचाती है। सेंसिटिव स्किन वाले लोगों में एलर्जिक रिएक्शन और डर्मेटाइटिस का खतरा ज्यादा रहता है। इसके अलावा ये रंग स्कैल्प को ड्राई बनाकर बालों के झड़ने की समस्या भी बढ़ा सकते हैं।

बच्चों, बुजुर्गों और एलर्जी या अस्थमा के मरीजों के लिए होली के रंगों का चुनाव करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है। होली खेलने के लिए ऑर्गेनिक या हर्बल रंगों का उपयोग करना सुरक्षित है।

सिंथेटिक रंगों का स्किन पर बुरा असर

सिंथेटिक रंगों में लेड ऑक्साइड, कॉपर सल्फेट, मर्करी और क्रोमियम जैसे तत्व पाए जा सकते हैं। ये केमिकल्स त्वचा पर एलर्जी, रैशेज, खुजली और जलन का कारण बनते हैं। कई मामलों में होली के बाद त्वचा पर लाल चकत्ते और डर्मेटाइटिस जैसी समस्याएं भी देखने को मिलती हैं।

सिंथेटिक रंगों का आंखों पर बुरा असर

होली के दौरान उड़ने वाले रंगों के महीन कण आंखों में चले जाएं तो जलन, लालिमा और संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। कई बार लोग आंखों को रगड़ लेते हैं, जिससे कॉर्निया को नुकसान तक हो सकता है। यदि रंग आंख में चला जाए तो तुरंत साफ पानी से धोना जरूरी है।

सिंथेटिक रंगों से फेफड़ों को नुकसान

सिंथेटिक रंगों में मौजूद फाइन पार्टिकल्स सांस के साथ शरीर में प्रवेश कर श्वसन तंत्र को प्रभावित कर सकते हैं। इससे गले में जलन, खांसी, सांस लेने में तकलीफ और एलर्जी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। अस्थमा के मरीजों में यह समस्या अधिक गंभीर हो सकती है।

जो लोग पहले से अस्थमा या एलर्जी से पीड़ित हैं, उन्हें ड्राई कलर्स से दूरी रखनी चाहिए। रंगों के महीन कण फेफड़ों में जाकर रिएक्शन पैदा कर सकते हैं। प्राकृतिक या ऑर्गेनिक रंगों का इस्तेमाल ज्यादा सुरक्षित माना जाता है।

सिंथेटिक रंगों से बालों में होने वाली समस्याएं

सिंथेटिक रंगों में मौजूद केमिकल्स बालों की नमी छीन लेते हैं, जिससे बाल रूखे और कमजोर हो जाते हैं। कई लोगों में होली के बाद डैंड्रफ और हेयर फॉल की शिकायत बढ़ जाती है। यदि रंग लंबे समय तक बालों में लगा रहे तो स्कैल्प इन्फेक्शन का खतरा भी रहता है।

सिंथेटिक रंगों से कैसे करें बचाव?

सिंथेटिक रंग कितने नुकसानदायक

होली खेलने से पहले त्वचा और बालों में नारियल या ऑलिव ऑयल लगाएं

ऑर्गेनिक या हर्बल रंगों का उपयोग करें

आंखों की सुरक्षा के लिए चश्मा पहनें

ज्यादा देर तक रंग शरीर पर न रहने दें

होली के बाद माइल्ड क्लेंजर से त्वचा साफ करें

सुरक्षित होली है असली खुशी

थोड़ी सी सावधानी बरतकर होली को सुरक्षित और स्वस्थ तरीके से मनाया जा सकता है। होली खेलने के लिए प्राकृतिक रंगों का उपयोग करके न केवल त्वचा और बालों को सुरक्षित रखा जा सकता है, बल्कि ये पर्यावरण के लिए भी बेहतर विकल्प है।

निकलने के बाद दोबारा क्यों बन जाते हैं किडनी स्टोन? बचने के लिए डाइट-लाइफस्टाइल में करें बदलाव

यह सोचना बिल्कुल गलत है कि एक बार गुर्दे की पथरी निकलवाने के बाद दोबारा नहीं बनती। एक किडनी स्पेशलाइज्ड डॉक्टर होने की वजह से मेरे पास भी ऐसे काफी लोग आते हैं, जिन्हें एक से ज्यादा बार किडनी स्टोन की परेशानी झेलनी पड़ रही है। गलत खानपान, कम पानी पीना, ज्यादा नमक लेना, ऑक्सालेट वाले फूड्स खाना, मोटापा और कुछ मेटाबॉलिक समस्याओं के कारण दोबारा गुर्दे की पथरी का खतरा रहता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, अगर सही डाइट और लाइफस्टाइल फॉलो ना की जाए तो 5 साल के अंदर लगभग 40-50% मरीजों में दोबारा पथरी बन सकती है।

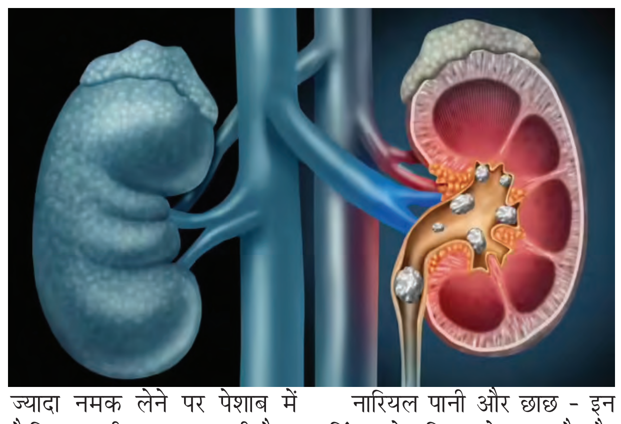

बार-बार किडनी स्टोन क्यों बनते हैं?

जब पेशाब में मौजूद मिनरल और साल्ट गुर्दे के अंदर क्रिस्टल के रूप में जमा होने लगते हैं, तब किडनी स्टोन बनते हैं। शरीर में पानी की कमी, कैल्शियम ऑक्सालेट और यूरिक एसिड का लेवल बढ़ने पर पथरी का खतरा बढ़ जाता है। इसके साथ हाई प्रोटीन डाइट, ज्यादा प्रोसेस्ड फूड और अनियमित जीवनशैली भी प्रमुख वजहों में आती हैं।

60% मामलों को रोका जा सकता है

किडनी स्टोन का इलाज करवाने के बाद अक्सर मरीज पुरानी और सामान्य डाइट पर लौट आते हैं। इससे दोबारा पथरी बनने का खतरा बढ़ जाता है। बचाव के लिए आपको हर दिन 2.5 से 3 लीटर पानी पीना, कम नमक लेना और बैलेंस्ड डाइट जैसी आदतें अपनानी चाहिए। अगर लोग सही डाइट और जीवनशैली अपनाकर रखें तो दोबारा स्टोन बनने के 60 प्रतिशत मामलों को रोका जा सकता है।

इन चीजों से करें परहेज

अत्यधिक नमक - जरूरत से ज्यादा नमक लेने पर पेशाब में कैल्शियम की मात्रा बढ़ जाती है।

हाई ऑक्सालेट वाले फूड - चुकंदर, पालक, चॉकलेट, सोया और नट्स जैसे हाई ऑक्सालेट फूड को लिमिट में खाएं।

हाई प्रोटीन डाइट और रेड मीट - यह चीजें यूरिक एसिड बढ़ाकर पथरी का खतरा बढ़ाती हैं।

पैकेज्ड जूस और सॉफ्ट ड्रिंक - ऐसी चीजों के अंदर शुगर और फॉस्फेट की मात्रा बहुत ज्यादा होती है, जिससे खतरा बढ़ सकता है।

ज्यादा कॉफी-चाय - यह ड्रिंक्स ड्यूरेटिक होती हैं यानी पेशाब का उत्पादन बढ़ाती हैं। इससे शरीर में डिहाइड्रेशन बढ़ता है।

दोबारा पथरी से बचने के लिए कैसी हो डाइट?

8-10 गिलास पानी - दिनभर में इतने गिलास या इससे ज्यादा पानी पीएं, जिससे डिहाइड्रेशन नहीं होगा।

नींबू, संतरा और मौसंबी - ऐसे खट्टे फल साइट्रस एसिड से भरपूर होते हैं, जो पथरी बनने से रोकते हैं।

दूध, दही और छाछ - कैल्शियम से भरपूर इन चीजों को लेने से कैल्शियम ऑक्सालेट के कारण पथरी बनने का खतरा कम होता है।

फल, सब्जियां और साबुत अनाज - इन फूड्स के अंदर फाइबर भरा होता है, जो पाचन को सुधारता है।

नारियल पानी और छाछ - इन ड्रिंक्स से यूरिन फ्लो बढ़ता है और मिनरल जमा होने का खतरा टलता है।

जीवनशैली में क्या बदलाव करें?

रोज हल्की से मध्यम तीव्रता वाली एक्सरसाइज करें। अपने लिए सही एक्सरसाइज का चुनाव करने के लिए डॉक्टर से बात जरूर करें।

लंबे समय तक पेशाब रोककर ना रखें। इससे गुर्दे में क्रिस्टल बनने का खतरा बढ़ता है।

शारीरिक वजन को हमेशा कंट्रोल में रखें। इससे पथरी बनने का खतरा कम होता है।

डॉक्टर की बताई जांच को रेगुलर करवाएं। इससे समस्या को शुरुआत में पकड़कर ही गंभीर परिणाम से बचा जा सकता है।

किडनी स्टोन के हर मरीज को इलाज के बाद सही डाइट प्लान फॉलो करना चाहिए। स्टोन के कई प्रकार होते हैं, जैसे कैल्शियम, यूरिक एसिड आदि, इसलिए आप अपनी पथरी के प्रकार के अनुसार ही खानपान तय करें। एक्सपर्ट्स के मुताबिक सही डाइट, पर्याप्त पानी और रेगुलर चेकअप की मदद से किडनी स्टोन को दोबारा होने से काफी हद तक रोक सकते हैं। इसलिए मरीज को इलाज के बाद लापरवाही नहीं करनी चाहिए और हेल्दी लाइफस्टाइल अपनानी चाहिए।

कान में चला जाए होली का रंग तो भूलकर भी न करें ये गलती

होली की मस्ती में अक्सर लोग अपने चेहरे और आंखों को बचाने की कोशिश तो करते हैं, लेकिन कानों की सुरक्षा को नजरअंदाज कर देते हैं। कुछ लोग तो इतने बेपरवाह होते हैं कि वे चेहरे और आंखों तक का ख्याल नहीं रखते, जिसका नुकसान उन्हें बाद में भुगतना पड़ता है। कान शरीर का एक बेहद संवेदनशील हिस्सा हैं।

इसलिए आइए इस लेख में हम जानते हैं कि अगर होली के पक्के रंग या केमिकल वाला पानी कान के अंदर चला जाए, तो इसके क्या गंभीर परिणाम हो सकते हैं और होली खेलते समय आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

होली के सूखे गुलाल और पक्के रंगों में सीसा , क्रोमियम और अभ्रक जैसे हानिकारक रसायन होते हैं, जो कान की नाजुक त्वचा और पर्दे को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं। अगर खेलते समय रंग कान के भीतर चला जाए, तो यह न सिर्फ खुजली और जलन पैदा करता है, बल्कि संक्रमण का कारण भी बन सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार कान में फंसा सूखा रंग नमी पाकर फूल जाता है, जिससे कान बंद होने या 'टिनिटस' (घंटी बजने जैसी आवाज) की समस्या हो सकती है। बता दें कि कान की नली बहुत संवेदनशील होती है और इसमें बाहरी रसायनों का जानें से 'ओटिटिस एक्सटर्ना' जैसी सूजन वाली बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए होली की मस्ती के बीच कानों की सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना बहुत जरूरी है।

कान में रंग जाने से किन चीजों का जोखिम बढ़ जाता है?

कान के भीतर अगर पक्के रंग चले जाते हैं तो फंगल और बैक्टीरियल इन्फेक्शन का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

अगर रंग कान के पर्दे तक पहुंच जाए, तो इससे सुनने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है और तेज दर्द महसूस हो सकता है।

रसायनों के कारण कान की बाहरी नली में सूजन, लालिमा और लगातार खुजली की समस्या हफ्तों तक बनी रह सकती है।

क्या गलती नहीं करनी चाहिए?

कान में रंग जाने पर उसे निकालने के लिए माचिस की तीली, चाबी या ईयर बड्स का इस्तेमाल बिल्कुल न करें, यह रंग को और अंदर धकेल सकता है।

कान में अपनी मर्जी से तेल, हाइड्रोजन पेरोक्साइड या कोई भी आई-ईयर ड्रॉप्स न डालें, क्योंकि यह पर्दे को स्थायी नुकसान पहुंचा सकता है।

कान को जोर से रगड़ने या झटकने की कोशिश न करें, इससे नाजुक ऊतकों में चोट लग सकती है।

अगर कान में रंग चला जाए तो कैसे राहत पाएं?

सबसे पहले सिर को उस दिशा में झुकाएं जिस कान में रंग गया है और उसे धीरे-धीरे हिलाएं ताकि सूखा रंग बाहर गिर जाए।

बाहरी हिस्से पर लगे रंग को गीले सूती कपड़े से धीरे से पोंछ लें, लेकिन पानी को कान के छेद के भीतर न जाने दें।

अपनी उंगली से हल्के हाथों से कान को हिलाएं, इससे कान में फंसा रंग बाहर आ सकता है।

अगर खुजली या भारीपन महसूस हो, तो तुरंत ईएनटी विशेषज्ञ से मिलें ताकि वे सुरक्षित तरीके से 'सक्शन' द्वारा रंग निकाल सकें।

होली खेलते समय ये सावधानियां बरतनी जरूरी

रंग खेलने से पहले कानों में रुई लगाएं और बाहरी हिस्से पर थोड़ा सा गरी का तेल लगा लें।

पक्के और रासायनिक रंगों के बजाय केवल ऑर्गेनिक गुलाल का उपयोग करें।

आप किसी भी दूसरे को कान के आस-पास रंग न लगाएं, और उन्हें भी ऐसा करने से मना करें।

खराब मावा की मिठाई से इन बीमारियों का बढ़ जाता है खतरा

होली रंगो का त्योहार है, लेकिन साथ ही इस त्योहार पर कई तरह की मिठाइयां भी खाने का चलन है। मगर अक्सर ही ऐसी खबरें देखने को मिलती हैं की बाजार में बिकने वाली मिठाईयां मिलावटी और खराब मावे से बनी हैं। बहुत से लोग अनजानें में ही इन मिठाइयों का सेवन करते हैं, जो इस खुशी के मौके को बीमारी में बदल सकती हैं।

त्योहारों के सीजन में मांग बढ़ने के कारण अक्सर मुनाफाखोर सिंथेटिक दूध, डिटर्जेंट और यूरिया जैसे खतरनाक रसायनों का इस्तेमाल करके नकली मावा तैयार करते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, दूषित मावे का सेवन करना न सिर्फ पाचन तंत्र बिगड़ता है, बल्कि यह शरीर के महत्वपूर्ण अंगों जैसे लिवर और किडनी को भी गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है।

खराब मावे में हानिकारक बैक्टीरिया जैसे ई-कोलाई पनपने लगते हैं, जो फूड पॉइजनिंग का कारण बन सकते हैं। आइए इस लेख में इसी से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

मिलावटी मावा में किन केमिकल का इस्तेमाल होता है?

नकली मावे में सफेदी और झाग लाने के लिए डिटर्जेंट पाउडर और कास्टिक सोडा मिलाया जाता है।

वजन बढ़ाने और दूध को गाढ़ा दिखाने के लिए इसमें यूरिया और घटिया दर्जे का स्टार्च उपयोग होता है।कई बार चिकनाई के लिए रिफाइंड तेल या जानवरों की चर्बी और खराब किस्म का ब्लॉटिंग पेपर भी पीसकर मिला दिया जाता है।

किन बीमारियों का जोखिम बढ़ा देता है ये नकली मावा?

इसके सेवन से गंभीर फूड पॉइजनिंग का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। लंबे समय तक इन रसायनों के शरीर में जाने से कैंसर और अल्सर जैसी जानलेवा बीमारियां पनपने लगती हैं।

दूषित मावे में मौजूद बैक्टीरिया के कारण टाइफाइड, पीलिया और आंतों का संक्रमण भी हो सकता है।

क्या मिलावटी मावा हमारे लिवर और किडनी को नुकसान पहुंचा सकता है?

जी हां यूरिया और डिटर्जेंट जैसे केमिकल सीधे किडनी के फिल्टरिंग सिस्टम को डैमेज कर सकते हैं।

इन टॉक्सिन्स को शरीर से बाहर निकालने के प्रयास में लिवर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे वह भी खराब हो सकता है।

अधिक रसायनों के कारण खून में टॉक्सिन्स बढ़ जाती है, जो पूरे शरीर के मेटाबॉलिज्म को बिगाड़ देती है।

किन लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए?

मिठाई खाने के 2-6 घंटे के भीतर तेज मरोड़ के साथ पेट दर्द और लगातार उल्टी होना प्रमुख लक्षण है। ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।

शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) की वजह से चक्कर आना, धुंधला दिखना और ब्लड प्रेशर का गिरना।

अगर त्वचा पर अचानक लाल चकत्ते या खुजली शुरू हो, तो यह केमिकल रिएक्शन का संकेत हो सकता है।

सावधानी बरतने के लिए क्या करें?

हमेशा ताजी और प्रतिष्ठित दुकानों से ही मिठाई खरीदें। कोशिश करें की घर पर बना शुद्ध मावा ही उपयोग हो। मावे की शुद्धता जांचने के लिए उस पर आयोडीन की बूंदें डालें, यदि वह नीला पड़े, तो समझें मिलावट है। गहरे रंगों वाली और चांदी के वर्क वाली मिठाइयों से बचें क्योंकि उनमें लेड और भारी धातुएं हो सकती हैं।

कॉन्टैक्ट लेंस पहनकर रंग खेलना पड़ सकता है महंगा

हम सभी जानते हैं होली में लोग एक दूसरे को रंग लगाते हैं। मगर अक्सर ही ये देखने को मिलता है कि लोग हंसी मजाक में अपनी आंखों की सुरक्षा को नजरअंदाज कर देते हैं। बता दें कि होली के रंग आंखों के लिए बहुत नुकसानदायक होते हैं, खासकर उन लोगों के लिए ये अधिक हानिकारक हो सकता है जो कॉन्टैक्ट लेंस का इस्तेमाल करते हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक रंगों के साथ खेलते समय लेंस के बजाय चश्मे का प्रयोग करें, क्योंकि चश्मा एक सुरक्षा कवच की तरह काम करता है। अगर आप फिर भी लेंस पहनते हैं, तो जरा सी लापरवाही 'कॉर्नियल अल्सर' का कारण बन सकती है। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं।

अगर रंग कॉन्टैक्ट लेंस के संपर्क में आते हैं तो क्या होता है?

कॉन्टैक्ट लेंस पोरस (छिद्रपूर्ण) होते हैं, जो केमिकल को सोखकर उन्हें लंबे समय तक आंखों की सतह पर बनाए रखते हैं।

रंगों में मौजूद एसिड या क्षार लेंस के साथ प्रतिक्रिया करके आंखों में तीव्र जलन और केमिकल बर्न पैदा कर सकते हैं।

लेंस का मटेरियल रंगों के कारण खराब या धुंधला हो सकता है, जिससे दिखाई देना कम हो सकता है।

लेंस के पीछे रंग फंसने से क्या होता है?

लेंस और कोर्निया के बीच फंसा रंग रगड़ पैदा करता है, जिससे कोर्निया की ऊपरी परत छिल सकती है।

फंसे हुए रंग के कारण वहां बैक्टीरिया पनपने लगते हैं, जिससे गंभीर इन्फेक्शन और पस बनने का खतरा रहता है।

यह स्थिति अत्यंत दर्दनाक होती है और समय पर इलाज न मिलने पर आंखों में स्थायी घाव बन सकते हैं।

अगर गलती से आंख में रंग चला जाए तो क्या करें?

सबसे पहले अपने हाथों को साफ करें और बिना देरी किए कॉन्टैक्ट लेंस को धीरे से बाहर निकालें।

आंखों को साफ और ठंडे पानी के छींटों से कम से कम 10-15 मिनट तक लगातार धोएं।

ध्यान रहे कि आंखों को बिल्कुल न रगड़ें, क्योंकि रगड़ने से रंगों के बारीक कण आंखों को जख्मी कर सकते हैं।

आंखों में लालिमा दिखने पर कितने समय इंतजार करना चाहिए?

आंखों में लालीमा, पानी आना या धुंधलापन दिखने पर एक पल का भी इंतजार न करें और तुरंत डॉक्टर के पास जाएं।

घरेलू नुस्खे जैसे गुलाब जल या घी डालना स्थिति को और बिगाड़ सकता है, इसलिए सिर्फ डॉक्टर जो ड्रॉप्स दें उसी का प्रयोग करें।

मेडिकल गाइडलाइंस के अनुसार आंखों की चोट में शुरुआती 1-2 घंटे उपचार के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं।

भूख व अपच का आयुर्वेदिक उपचार है?

प्रश्न : मेरी उम्र 33 वर्ष है। समय पर भूख नहीं लगती और खाया हुआ हजम नहीं होता। इससे समय पर शौच भी नहीं होता। धीरे-धीरे कमजोरी आ रही है। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- श्रीमती अनुराधा राव, खम्मम

उत्तर : आपको अरुचि एवं मंदाग्नि की शिकायत है। अरुचि के चलते भूख नहीं लगती और मंदाग्नि रहने से खाया हुआ अच्छी तरह से हजम नहीं होता। शक्ति तो हाजमा सही होने पर ही आती है। शौच का समय पर आना भी पाचन क्रिया के सुधार के बाद ही संभव है।

आप भोजन के पहले ऊंझा चित्रकादि वटी चूसा करें। भोजन के पहले ही निवाएं पानी से ऊंझा अग्नितुंडी वटी लेवे। भोजन के बाद ऊंझा पंचासव 15 मिलीलीटर से 20 मिलीलीटर की मात्रा में 3 गुने निवाएं पानी में मिलाकर लेवे। इससे खाया हुआ शरीर का हिस्सा बनेगा, गैसेस एवं अजीर्ण की शिकायत भी नहीं रहेगी और समय पर पैखाना आएगा। कब्ज का निवारण होगा।

भोजन सुपाच्य, ताजा, संतुलित एवं समय पर लेवे। नमकीन और मिठाइयों से बचें। मांसाहारी भोजन से दूर रहे। ऐसा करते रहने पर निश्चित ही फायदा होगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 27 वर्ष है। पिछले 2 माह से छींके बहुत आती है। नाक से पानी भी बहने लगता है। इसका आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- श्रीपति राव, मेदक

उत्तर : आपको अनूर्जताजन्य प्रतिश्याय है। एलर्जिक कारणों से इसके बढ़ने की संभावना रहती है। अंग्रेजी एंटीहिस्टामिन्स के प्रयोग से उनींदापन, सिर चकराना, अत्यंत कमजोरी और रक्तचाप का गिरना जैसी समस्याएं आ सकती है। आयुर्वेद की औषधियां इस प्रकार के पार्श्व प्रभाव यानी साइड इफेक्ट से मुक्त रहती है।

ऋतु परिवर्तन जन्य एलर्जिक सर्दी - जुकाम में औरा एलेक्झी टिकिया काफी असरकारी है। इसे महालक्ष्मी विलास रस या लक्ष्मी विलास रस के साथ सुबह शाम लेने से अनूर्जताजन्य प्रतिश्याय शांत होता है। इसके साथ यदि खांसी हो तब औरा फ्रीलंझ सिरप (Freelunz syrup)का प्रयोग करें। यदि खांसी के साथ कफ या बलगम हो और श्वास लेने में कठिनाई हो तब ऊंझा कफकेशरी सिरप का प्रयोग उचित और हानि रहित है। तेज नजले में नाक में षडबिंदु तेल का प्रयोग तुरंत नतीजे देता है एलर्जिक प्रतिश्याय में तेज सुगंध, इत्र - फुलेल, धूल -धूआं से एवं जहां प्रदूषित वातावरण हो वहां जाने से बचें । दही, केला, अमरूद, अन्नानास, आइसक्रीम, आदि से परहेज जरूरी है । घर का वातावरण साफ सुथरा रखें। सोने का कमरा हवादार एवं शांत हो।

प्रश्न : मैं 32 वर्षीय विवाहिता हूं। पिछले 6 माह से मेरे दोनों स्तनों और बगल में भारीपन और दर्द रहता है। स्तनों में गांठें तो नहीं है पर हिलने -डुलने पर दर्द बढ़ जाता है। यह अक्सर मासिक से सात से दस दिन पहले शुरू हो जाता है और मासिक धर्म के साथ ही खत्म हो जाता है। इसका उपचार बताएं।

- श्रीमती उमारानी, सिकंदराबाद

उत्तर : प्रत्येक माह मासिक चक्र के दिनों में स्त्री के शरीर में हारमोंस के स्तर पर परिवर्तन आता है। जिसका प्रभाव पूरे शरीर पर पड़ता है । स्तन भी इससे अछूते नहीं रहते। यह परिवर्तन सभी स्त्रियों में होता है। लेकिन अधिक संवेदनशील स्त्रियां इसे सहन नहीं कर पाती।

मासिक धर्म के दौरान हारमोंस के बदलाव को सहन करने लायक बनाने के लिए आप औरा आप फेमिब्लेझ सिरप 15 मिलीलीटर की मात्रा में भोजन के बाद लिया करें। मासिक चक्र की अनियमितता एवं उसके दौरान होने वाली पीड़ा को कम करने आप ऊंझा सुंदरी संगिनी सैरप का प्रयोग कर सकती हैं। इसके संग ऊंझा ताप्यादि लौह टिकिया एवं मेनोवास लेना प्रभावी परिणाम देता है। जब स्तन में अधिक भारीपन हो तब आप रात के समय ज्यादा कसी हुई ब्रा का प्रयोग ना करें या ब्रा ही ना पहने। दर्द ज्यादा रहने पर ऊंझा महायोगराज गुग्गुलु का प्रयोग करें। भोजन में ताजे मौसमी फल एवं सब्जियां लेवें। नमकीन, मिठाईयां, बासी भोजन, फास्ट फूड, जंक फूड, होटल या दावत का भोजन ना खाएं। भरपूर नींद लेवें।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

नहीं छोड़ूंगी किसी दूसरे के लिए अपना प्यार : निक्की तम्बोली

यह पल मैं हमेशा चाहती थी, लेकिन डर भी लगता है क्योंकि हम अलग धर्मों से हैं। हम डेढ़ साल से साथ मेरे पापा इस रिश्ते को स्वीकार नहीं कर रहे हैं।

इन दिनों रियलिटी शो 'द 50' में निक्की तम्बोली और उसका ब्वॉयफ्रैंड अरबाज पटेल छाए हैं। वे पिछले डेढ़ साल से रिलेशनशिप में हैं। निक्की और अरबाज ने रियलिटी शो 'बिग बॉस मराठी' में हिस्सा लिया था जब दोनों में प्यार हो गया । तब से ही वे दोनों साथ हैं।

हाल ही में 'द 50' के एक एपिसोड में कुछ मजेदार टास्क हुए जहां लड़कों को लड़कियों को इंप्रैस करना था।

टास्क के दौरान अरबाज ने अपनी प्रेमिका निक्की को प्रपोज किया। उसने निक्की से अपने दिल का हाल बताते हुए कहा, मेरे दिल की धड़कन अभी तेजी से धड़क रही है । निक्की मुझे हमेशा कहती है कि हमने ऑफिशियली कभी एक-दूसरे को प्रपोज नहीं किया है। खुलकर अपनी फीलिंग्स नहीं बताया है इसलिए मैंने सोचा जिस प्लेटफॉर्म ने हमें मिलाया, मुझे एक खूबसूरत पार्टनर दी, वहां मैं निक्की लिए फाइनली अपने दिल की बात कहूंगा।₹ ये सुन कर निक्की इमोशनल हो जाती है और रोने लगती है। इस पर अरबाज ने 'मैं आज अपनी खूबसूरत पार्टनर को सबके सामने प्रपोज करूंगा' कहते हुए घुटनों पर बैठकर निक्की को प्रपोज किया। उसने कहा, "ये स्ट्रॉन्ग है, मैं भी स्ट्रॉन्ग हूं। मैं पहले गुस्से में रहता था । कभी शांत नहीं रहता था लेकिन जब मैं निक्की को देखता हूं, मैं शांत हो जाता हूं। चाहे मैं कितने भी गुस्से में रहूं। कितनी भी हमारी बहस हो । निक्की को देखकर मैं सैटल हो जाता हूं। मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूं।

यह सुन कर निक्की ने कहा, ₹यह पल मैं हमेशा चाहती थी, लेकिन डर भी लगता है क्योंकि हम अलग धर्मों से हैं। हम डेढ़ साल से साथ हैं। मेरे पापा इस रिश्ते को स्वीकार नहीं कर रहे हैं। मैं अपने पापा के खिलाफ गई हूं क्योंकि मेरी मां ने मुझे सिखाया है कि आपको किसी के लिए अपने प्यार का बलिदान नहीं देना चाहिए। मेरे पिता का मेरे लिए प्यार अलग है। पार्टनर का अलग है। उम्मीद है मेरे पापा यह बात समझेंगे क्योंकि मैं अरबाज से प्यार करती हूं।

हालांकि इसके बाद 'द 50' के अगले एपिसोड के प्रोमो में निक्की और अरबाज का झगड़ा भी नजर आया है। निक्की फूट-फूटकर रोती दिख रही है और बोलती है, "मैंने उसके लिए अपने परिवार को दुख दिया और अब वह मुझे दुख दे रहा है।

इस पर निक्की को अन्य फीमेल प्रतियोगी समझाते हुए बोलती हैं, "कोई बात नहीं, हर कपल में ऐसा होता है।

तब निक्की अपना सिर पकड़कर चिढ़ते हुए बोलती है, 'नहीं यार... अब बहुत ज्यादा हो गया है। मुझे बहुत ही गंदा महसूस हो रहा है।

निक्की का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया जिस पर लोग अपने रिएक्शन दे रहे हैं । निक्की को एक ट्रोल करते हुए यूजर ने लिखा, "इसको बस टीआरपी चाहिए। दूसरे ने लिखा, " कोई बात नहीं... इतना तो पति बोलते ही हैं, मनाने भी तो आया था वह।

वहीं कुछ यूजर्स इस पर कमैंट कर निक्की के लिए बुरा महसूस कर रहे हैं।

निक्की और अरबाज का रिश्ता

निक्की और अरबाज ने रियलिटी शो 'बिग बॉस मराठी 5' में पहली बार मिलने के बाद इसे 'पहली नजर का प्यार' बताया था। निक्की से तीन साल छोटे होने के बावजूद, अरबाज के शांत और सौम्य स्वभाव ने निक्की का दिल जीत लिया। दोनों ने अक्तूबर 2024 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया।

दर्शकों को डराएंगी 'दिव्या अग्रवाल'

आगामी सुपरनैचुरल थ्रिलर 'द वार्डरोब' का दिलचस्प फर्स्ट लुक पोस्टर जारी कर दिया है और फैंस यह सवाल पूछ रहे हैं कि क्या इस फिल्म में दिव्या अग्रवाल भूतनी का किरदार निभा रही है ? सौरभ चौबे के निर्देशन में बनी इस हॉरर थ्रिलर में रजनीश दुग्गल भी अहम भूमिका में है। पोस्टर में एक रहस्यमयी महिला को पुराने, आधे खुले लकड़ी के वार्डरोब से बाहर निकलते हुए दिखाया गया है, जिस पर लताएं लिपटी हुई हैं।

खून से सने सफेद गाऊन में और धुएं व अंधेरे से घिरे माहौल के बीच दिव्या का डरावना अंदाज उसके किरदार को लेकर कई सवाल खड़े करता है। वार्डरोब के भीतर से आती लाल रोशनी फिल्म के सुपरनैचुरल टोन को और गहरा करती है। हालांकि, मेकर्स ने कहानी के अहम पहलुओं को अभी गोपनीय रखा है, लेकिन पोस्टर ने इस बात की अटकलों को हवा दे दी है कि दिव्या किसी बेचैन आत्मा की भूमिका में हो सकती है।

24 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही यह फिल्म सस्पैंस, साइकोलॉजिकल ट्विस्ट और सुपरनैचुरल रोमांच से भरपूर होने का वादा करती है।

गौरतलब है कि 'बिग बॉस ओ.टी. टी. ' और 'एम.टी.वी. एस ऑफ स्पेस' जैसे रियलिटी शोज की विजेता रह चुकी दिव्या इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही है।हाल ही में वह रियलिटी शो 'द 50' शो में नजर आई जिस दौरान उसके पति के साथ अलगाव की खबरें खूब सुर्खियों में रहीं लेकिन अब उसने सोशल मीडिया पर पति अपूर्व पडगांवकर के साथ एक प्यारा वीडियो शेयर कर लोगों की बोलती बंद कर दी है।

वीडियो के साथ उसने लिखा, "मैंने तुमसे शादी इसलिए की क्योंकि तुम ही वह इंसान हो जो मुझे पूरी तरह समझते हो। तुमने कभी मुझे बदलने की कोशिश नहीं की।

सुनील शेट्टी ने बताया क्यों शाहरुख खान का स्टारडम सबसे अलग है?

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को इंडस्ट्री का आखिरी सुपरस्टार भी माना जाता है। शाहरुख की लोकप्रियता आज भी उतनी ही है। आज भी उनकी फिल्मों का दर्शक बेसब्री से इंतजार करते हैं। लेकिन आखिर ऐसा क्या है कि कोई और इंडियन स्टार शाहरुख जैसी लोकप्रियता और फैन फॉलोइंग हासिल नहीं कर पाया? इसको लेकर सुनील शेट्टी ने अपनी राय दी और बताया कि आखिर क्या है जो शाहरुख को बाकी कलाकारों से अलग बनाता है?

शाहरुख के पास संगीत और यश चोपड़ा थे

राज शमानी के एक पॉडकास्ट में बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी से पूछा गया कि शाहरुख खान जैसी स्टारडम कोई और अभिनेता क्यों नहीं हासिल कर पाया? इस पर सुनील शेट्टी ने कहा कि क्योंकि उनके पास संगीत था।

भारत में म्यूजिक का बहुत महत्व है। उनके साथ यश जी (यश चोपड़ा) थे और बेहतरीन गाने थे। अपने काम के प्रति उनकी लगन। लगातार खुद को नए रूप में ढालना, उनकी शालीनता। मानवीय दृष्टि से वे परिपूर्ण हैं।वो जो सम्मान देते हैं और जिसकी अपेक्षा करते हैं, जरूरत पड़ने पर वो हमेशा मौजूद रहते हैं। वो सोशल मीडिया के चक्कर में नहीं पड़ते। वो पोस्ट करने में विश्वास नहीं रखते। उनमें पुराने जमाने का वो आकर्षण है, जो पहले के कई सितारों में हुआ करता था।

सोशल मीडिया पर नजर नहीं आते शाहरुख

सुनील शेट्टी ने आगे आजकल के एक्टर्स की सोशल मीडिया पर बढ़ती निर्भरता पर कहा कि इस पीढ़ी के बच्चे मानते हैं कि सोशल मीडिया ही आगे बढ़ने का रास्ता है। खबरें फैलानी जरूरी हैं। लेकिन ये लोग ऐसे नहीं हैं। रणबीर की तरह, शाहरुख का आकर्षण यही है कि वो सोशल मीडिया पर नजर नहीं आते। वो वहीं होते हैं जहां उनका काम होता है। उनका काम बोलता है, बाकी आप कल्पना कर सकते हैं।

हालांकि, शाहरुख खान सोशल मीडिया पर मौजूद हैं और काफी एक्टिव भी रहते हैं। लेकिन वो इसका इस्तेमाल ज्यादातर अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के प्रमोशन के लिए करते हैं। जबकि रणबीर कपूर सोशल मीडिया पर हैं ही नहीं। हालांकि, रणबीर ने एक बार बताया था कि वो एक प्राइवेट अकाउंट से किसी और नाम से सोशल मीडिया देखते हैं, लेकिन इसके बारे में किसी को कोई जानकारी नहीं है। फिलहाल रणबीर अपने नाम से सोशल मीडिया पर मौजूद नहीं हैं।

शाहरुख की 'किंग' का फैंस को है इंतजार

शाहरुख खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'किंग' को लेकर चर्चाओं में हैं। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में शाहरुख के साथ उनकी बेटी सुहाना खान भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा फिल्म में दीपिका पादुकोण, जयदीप अहलावत और अभिषेक बच्चन सरीखे कई अन्य स्टार्स भी दिखाई देंगे। यह फिल्म इस साल क्रिसमस के मौके पर 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दुबई-अबू धाबी में फंसे 5 भारतीय सेलेब्स, मोदी सरकार से गुहार, आसमान से बरस रही मिसाइलें

ईरान पर इजरायल और अमेरिका के हमले के बाद मध्य पूर्व में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इस हमले में सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई का निधन हो गया। हमले के बाद से ही भारी मुसीबत पैदा हो गई है क्योंकि ईरान ने सऊदी अरब और दुबई में स्थित ठिकानों के साथ-साथ कतर, इराक और बहरीन में इजरायली और अमेरिकी ठिकानों पर भी हमले किए हैं। बढ़ते तनाव के कारण कई उड़ानें बंद हो गई हैं, जिससे जो जहां फंसा है, वहीं रह गया है। इस बीच, कुछ भारतीय सेलेब्स भी दुबई में फंसे हुए हैं। आइए बताएं किसका क्या कहना है।

इस तनाव के चलते अजित कुमार और ईशा गुप्ता सहित कई भारतीय स्टार्स दुबई और सऊदी अरब में फंस गए हैं। एक्ट्रेस ईशा गुप्ता इस समय अबू धाबी में हैं। हालांकि, अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच उन्होंने फैंस को आश्वस्त किया है कि वह सुरक्षित हैं।

ईशा गुप्ता को मोदी सरकार पर यकीन

इंस्टाग्राम पर एक मैसेज शेयर करते हुए ईशा गुप्ता ने लिखा, 'जो भी मुझसे संपर्क कर रहे हैं और मैसेज भेज रहे हैं, उन्हें जवाब न देने के लिए क्षमा करें। हम ठीक हैं, हम सुरक्षित हैं! हालात डरावने और बेहद कठिन हैं। ईश्वर हमारी रक्षा कर रहा है। हमें विश्वास है कि मोदी सरकार सुरक्षा और रोकथाम के लिए अपनी बेस्ट कोशिश कर रही है।'

सोनल चौहान ने दिया अपडेट

फ्लाइट रद्द होने की वजह से एक्ट्रेस सोनल चौहान दुबई में फंस गई हैं। इंस्टाग्राम पर एक मैसेज शेयर करते हुए उन्होंने अपने फैंस और दोस्तों को भरोसा दिलाया है कि वह सुरक्षित हैं। सोनल ने लिखा, 'मुझे मैसेज करने और मेरा हालचाल पूछने वाले सभी लोगों को धन्यवाद। जवाब न दे पाने के लिए माफी चाहती हूं। आपकी चिंता मेरे लिए बहुत मायने रखती है। मैं

सुरक्षित हूं और आपको विश्वास दिलाती हूं कि अधिकारी सभी की सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। घबराने की कोई बात नहीं है।'

अजित कुमार दुबई में फंसे

अजित कुमार रेसिंग इवेंट के सिलसिले में अपना अधिकांश समय सऊदी अरब और दुबई में बिता रहे थे। उन्हें दुबई के एयरपोर्ट से वापस लौटना पड़ा क्योंकि वहां की स्थिति बिगड़ गई थी। उनके मैनेजर ने यह जानकारी दी है। फिलहाल यह पुष्टि हो चुकी है कि एक्टर दुबई में हैं और सुरक्षित हैं।

विष्णु मंचू ने दिखाईं मिसाइलें

'कन्नप्पा' से मशहूर एक्टर विष्णु मंचू अपने परिवार से मिलने दुबई गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें आसमान में रोशनी की लकीरें दिखाई दे रही हैं, जिन्हें मिसाइलों के हमले का संकेत बताया जा रहा है। एक्टर ने लिखा, 'आज रात दुबई में परिवार से मिलने आया हूं। आसमान में मिसाइलें दिखाई दे रही हैं। तेज धमाकों से हमारा घर हिल गया और छोटी आयरा डर गई। शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। किसी भी बच्चे को अपने घर के ऊपर युद्ध की आवाज सुनते हुए बड़ा नहीं होना चाहिए।'

बंगाली एक्ट्रेस सुभाश्री गांगुली बेटे के साथ फंसीं

फेमस बंगाली एक्ट्रेस सुभाश्री गांगुली और उनका बेटा दुबई में फंसे लोगों में शामिल हैं। उनके पति, निर्देशक और तृणमूल कांग्रेस के विधायक राज चक्रवर्ती ने कोलकाता में मीडिया से इस स्थिति के बारे में बात की। राज ने बताया कि संघर्ष शुरू होने के समय सुभाषश्री अपने नाबालिग बेटे के साथ दुबई में छुट्टियां मना रही थीं। उन्होंने कहा, 'वे एक होटल में सुरक्षित हैं। हम बहुत चिंतित हैं, हालांकि दुबई में आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित है। देखते हैं हवाई सेवाएं कब दोबारा शुरू होती हैं।'

'मुझे फिल्म नहीं मांगनी पड़ती', सोनू सूद की मदद पर बोले राजपाल यादव- मेरे पास पहले से 1000 करोड़ का काम है

एक्टर राजपाल यादव ने जेल से रिहा होने के बाद अपने वकील के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें कई सारी बातों का जवाब दिया। जब वो जेल में थे तो एक्टर सोनू सूद ने उनकी मदद करने की बात कही थी। अब उसी पर राजपाल यादव ने रिएक्ट किया है।

सोनू सूद राजपाल यादव

एक्टर राजपाल यादव ने हाल ही में मुंबई में मीडिया से बात की। 9 करोड़ रुपये के चेक बाउंस मामले के बीच, वे अपने वकील भास्कर उपाध्याय के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहुंचे। बातचीत के दौरान, उन्होंने अपनी कानूनी लड़ाई, उन्हें मिल रहे सपोर्ट और अपने आगामी प्रोजेक्ट्स के बारे में बताया। सोनू सूद ने भी दावा किया था कि वो राजपाल की मदद करेंगे और उन्होंने उसी वक्त एक्टर को एक फिल्म के लिए साइन किया था, लेकिन राजपाल ने तो बात को कहीं और ही मोड़ दिया। इस पर रिएक्ट करते हुए राजपाल ने स्क्रीन से कहा, 'कृपया इस गलतफहमी से बाहर निकलें कि मुझे काम मांगते रहना पड़ता है। और काम मांगने में कोई शर्म नहीं है।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैं अपने काम से ही अपना जीवन यापन करता हूं, सिनेमा मेरा जुनून है,

और मैं इस तरह से काम करता हूं कि मुझे चार गुना अधिक काम मिलता है। मैं छुट्टियों में भी काम करता हूं। काम मुझे नहीं ढूंढता, यह पिछले 11 वर्षों से मेरे साथ रह रहा है।'

कई फिल्में और वेब सीरीज पर बोले राजपाल

अपनी आगामी फिल्मों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं इस साल प्रियनजी के साथ अपनी पहली फिल्म 'भूत बंगला' कर रहा हूं, उसके बाद 'वेलकम टू द जंगल' है, जिसमें 27 कलाकार हैं, और फिर 'हैवान' है, जिसमें मैंने एक छोटी लेकिन शानदार भूमिका निभाई है। मेरे पास दो वेब सीरीज और दो कई फिल्में हैं, जिनके बारे में मैं अभी बात नहीं कर सकता।'

राजपाल यादव का दावा- पहले से 1000 करोड़ का काम

प्रेस कॉन्फ्रेंस में राजपाल ने खुलासा किया कि अगले सात वर्षों के लिए उनके पास कई प्रोजेक्ट्स तय हैं, जिनमें 1000 करोड़ रुपये से अधिक वैल्यू के ब्रांडिंग वेंचर्स शामिल हैं। उन्होंने बताया कि फिल्मों को छोड़कर उन्होंने चार प्रोजेक्ट्स के लिए समझौते किए हैं, जिनमें से हर प्रोजेक्ट की लागत 200 करोड़ रुपये से 2000 करोड़ रुपये के बीच है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी आय में फीस और इक्विटी हिस्सेदारी दोनों शामिल हैं। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि आने वाले समय में वे 10 फिल्मों के लिए पहले से ही बुक्ड हैं।

एक्टर अलग से देंगे धन्यवाद

एक्टर ने जेल में बिताए समय के दौरान मिले समर्थन के बारे में भी बात की और बताया कि देशभर से लोगों ने उनका साथ दिया। बच्चों ने अपने गुल्लक से पैसे भेजे, तो सोशल मीडिया के जरिए 1 करोड़ रुपये तक की रकम भेजी गई। उन्होंने कहा कि वह समर्थकों को धन्यवाद देने के लिए एक औपचारिक बयान जारी करने की सोच रहे हैं, जिनमें कुछ ऐसे व्यक्ति भी शामिल होंगे जिनका नाम वह व्यक्तिगत रूप से लेना चाहेंगे, साथ ही उन लोगों का भी सम्मान करेंगे जो गुमनाम रहना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि समय मिलते ही वह आर्थिक मदद लौटा देंगे।

राजपाल यादव का चेक बाउंस मामला

जिन लोगों को इसकी जानकारी नहीं है, उन्हें बता दें कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने हाल ही में चेक बाउंस मामले में राजपाल यादव की सजा पर 18 मार्च तक अंतरिम रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा की पीठ ने उन्हें 1 लाख रुपये का निजी मुचलका और इतनी ही राशि की एक जमानत पेश करने का निर्देश दिया है, साथ ही यह भी कहा है कि राहत देते समय सामने वाले के बैंक खाते में पहले ही 1.5 करोड़ रुपये जमा हो चुके हैं।

टाइगर श्रॉफ को साइनिंग अमाउंट देने के बाद भी सुभाष घई ने नहीं बनाई मूवी, डिप्रेशन का शिकार हो गए थे एक्टर

एक्टर टाइगर श्रॉफ 2 मार्च को अपना 36वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर उनसे जुड़ी कुछ खास बातें जानिए। जैसे कि उन्हें सुभाष घई ने बचपन में ही साइन किया था लेकिन आज तक वादा पूरा नहीं किया। एक्टर फिल्में फ्लॉप होने के कारण डिप्रेशन में चले गए थे।

टाइगर श्रॉफ का बर्थडे है

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ अपने जबरदस्त एक्शन, डांस और फिटनेस के लिए जाने जाते हैं, लेकिन बहुत कम लोग यह जानते हैं कि उनके जन्म के समय ही उन्हें 'साइनिंग अमाउंट' मिल गया था। दरअसल, मशहूर फिल्ममेकर सुभाष घई ने उनके जन्म पर 101 रुपए उनके हाथ पर रखकर कहा था कि वह ही उन्हें हीरो बनाएंगे।हालांकि वक्त ने अलग कहानी लिखी, लेकिन यह किस्सा आज भी उनके जीवन की सबसे खास बातों में गिना जाता है।

टाइगर श्रॉफ का जन्म 2 मार्च 1990 को मुंबई में हुआ था। उनका असली नाम जय हेमंत श्रॉफ है। वे बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता जैकी श्रॉफ और फिल्म प्रोड्यूसर आयशा श्रॉफ के बेटे हैं। बचपन में वे काफी फुर्तीले थे, इसलिए घर में उन्हें प्यार से 'टाइगर' कहा जाने लगा। यही नाम

आगे चलकर उनकी पहचान बन गया।

टाइगर श्रॉफ की पहली फीस

जब टाइगर का जन्म हुआ, तब सुभाष घई उन्हें देखने पहुंचे थे। घई ने जैकी श्रॉफ को बतौर लीड एक्टर फिल्म 'हीरो' से लॉन्च किया था। टाइगर को देखकर उन्होंने 101 रुपए बतौर साइनिंग अमाउंट दिया और कहा कि वे बड़े होकर टाइगर को हीरो बनाएंगे। हालांकि कई साल बीत गए और सुभाष घई ने टाइगर को लेकर कोई फिल्म नहीं बनाई। बाद में निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने टाइगर को मौका दिया।

टाइगर श्रॉफ की फिल्में

टाइगर ने साल 2014 में फिल्म 'हीरोपंती' से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म में उनके एक्शन और डांस की खूब तारीफ हुई। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही और टाइगर को बेस्ट मेल डेब्यू का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। इसके बाद उन्होंने 'बागी', 'ए फ्लाइंग जट', 'मुन्ना माइकल', और 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' जैसी फिल्मों में काम किया। इनमें से कुछ फिल्में सफल रहीं, तो कुछ बॉक्स ऑफिस पर चल नहीं पाईं।

डिप्रेशन में चले गए टाइगर श्रॉफ

करण जौहर के चैट शो 'कॉफी विद करण' में टाइगर ने स्वीकार किया कि उस समय वे काफी टूट गए थे। उन्होंने करण को बताया, 'मैं लगातार बॉक्स ऑफिस के आंकड़े देखता रहता था और हर रिपोर्ट का असर मुझ पर हो रहा था। फिल्म की असफलता को मैंने काफी पर्सनल ले लिया था। मुझे लगा कि कहीं न कहीं मैं दर्शकों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। यही सोच मुझे अंदर से परेशान करती रही। एक दौर ऐसा था, जब मैं डिप्रेशन जैसा महसूस करने लगा था। हालांकि, मैंने हार नहीं मानी और खुद को संभालते हुए काम पर ध्यान लगाने की कोशिश की।'

आलोचनाओं से घबराए टाइगर श्रॉफ

टाइगर ने कहा, 'इंडस्ट्री में हर शुक्रवार परीक्षा की तरह होता है। फिल्म चले तो सब तारीफ करते हैं, और अगर फिल्म न चले तो आलोचना शुरू हो जाती है। ऐसे में खुद पर भरोसा बनाए रखना आसान नहीं होता। असफलता ने मुझे मजबूत बनाया और सिखाया कि सफलता हमेशा स्थायी नहीं होती, इसलिए जमीन से जुड़े रहना जरूरी है।'

टाइगर श्रॉफ एक्शन स्टार हैं

साल 2019 में आई फिल्म 'वॉर' उनके करियर की बड़ी हिट साबित हुई। इस फिल्म में उनके साथ ऋतिक रोशन थे, जिन्हें टाइगर अपना आदर्श मानते हैं। 'वॉर' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की और टाइगर की लोकप्रियता को नई ऊंचाई मिली। टाइगर को डेब्यू फिल्म के लिए कई सम्मान मिले, जिनमें फिल्मफेयर अवॉर्ड शामिल हैं। कम फिल्मों में काम करने के बावजूद वे आज के दौर के सबसे चर्चित एक्शन स्टार माने जाते हैं।

खत्म हो गई नक्सलियों की बीबीएम डिवीजन

आखिरी 15 माओवादियों ने किया सरेंडर जवानों को सौंप दिए अपने हथियार

महासमुंद, 2 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबल के जवानों को बड़ी सफलता मिली है। माओवदियों के संगठन में विशेष क्षेत्रीय समिति स्तर के सदस्य विकास सहित पंद्रह नक्सलियों ने महासमुंद में सरेंडर किया। सभी नक्सलियों ने रविवार को सुरक्षाकर्मियों के समाने आत्मसमर्पण किया था। 15 नक्सलियों के समर्पण से बालांगीर-बरगढ़-महासमुंद (बीबीएम) डिवीजन समाप्त हो गई है। ये नक्सलियों की एक खतरनाक डिवीजन मानी जाती है।

सुरक्षाबल के जवानों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में नौ महिलाएं भी शामिल हैं। ये नक्सली प्रतिबंधित संगठन के बालांगीर-बरगढ़-महासमुंद डिवीजन से संबंधित थे और छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा पर सक्रिय थे। छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बॉर्डर में नक्सली गतिविधियों को अंजाम देते थे। ये नक्सली कई बड़े हमलों में शामिल थे।

छत्तीसगढ़ के गृह विभाग की भी जिम्मेदार संभाल रहे शर्मा ने इस

घटनाक्रम को राज्य सरकार की पुनर्वास नीति के तहत एक महत्वपूर्ण कदम बताया। वहीं, इन नक्सलियों के सरेंडर से जवानों के मिशन को बड़ी सफलता मिली है। नक्सलियों की इस डिवीजन ने सरेंडर करने से पहले गृहमंत्री विजय शर्मा को लेटर लिखा था। उन्होंने लेटर लिखकर महासमुंद में सरेंडर करने की बात कही थी।

छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री विजय शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक फोटो साझा करते हुए लिखा, हथियार छोड़कर संविधान और तिरंगे को अपनाना।

विकास उर्फ बाबन्ना, जो राज्य समिति के सदस्य के रूप में सक्रिय थे, और 15 माओवादी, जिनके सिर पर लगभग 73 लाख रुपए का इनाम घोषित था। इन्होंने पुनर्वास नीति का लाभ उठाते हुए विकास का मार्ग चुना।

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों ने पुलिस को हथियारों की खेप सौंपी, जिनमें 3 एके-47 राइफल, 2 एसएलआर (सेल्फ-लोडिंग राइफल) और 2 इंडियन स्मॉल आर्म्स सिस्टम राइफल शामिल थीं। अधिकारियों ने कहा कि इन नक्सलियों ने हिंसा त्याग दी है और समाज की मुख्यधारा में लौट आए हैं। यह आत्मसमर्पण सुरक्षा बलों के लगातार दबाव, दूरदराज क्षेत्रों में प्रभावी विकास पहलों और राज्य सरकार की पुनर्वास नीति का नतीजा है। हम उनके पुनः समाज में समावेश के लिए पूर्ण सुरक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और सहायता सुनिश्चित करेंगे।

''इन नक्सलियों का पुनर्वास बहुत महत्वपूर्ण है। बालांगीर-बरगढ़-महासमुंद डिवीजन के पंद्रह नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। इस डिवीजन में केवल 15 सदस्य बचे थे, और उन सभी ने अब हथियार डाल दिए हैं।''

छत्तीसगढ़ सरकार ने मार्च 2026 तक राज्य से नक्सल गतिविधियों को समाप्त करने का लक्ष्य रखा है। अधिकारी बताते हैं कि 2024 से आत्मसमर्पण की संख्या में तेज वृद्धि हुई है और हाल के महीनों में हजारों नक्सली और उनके समर्थक सशस्त्र संघर्ष छोड़ चुके हैं।

महोबा जिला अस्पताल में हंगामा

डॉक्टर से मोबाइल छीनने धमकाने और अभद्रता का आरोप, स्वास्थ्य कर्मियों में रोष

महोबा, 2 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में महोबा जिला अस्पताल का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। कुछ लोग प्रभारी सीएमएस डॉक्टर राजेश भट्ट की केबिन में घुसकर मरीज को रेफर करने का दबाव बना रहे हैं, जबकि डॉक्टर साहब जरूरत पड़ने पर रेफर करने की बात कहते सुनाई दे रहे हैं। वायरल वीडियो में कुछ लोग डॉक्टर से मोबाइल छीनने का प्रयास भी करते दिख रहे हैं और इसके साथ ही डॉक्टर को धमकाते व अभद्रता करते हुए नजर आ रहे हैं। डॉक्टर राजेश भट्ट ने साथी डॉक्टरों के साथ विभागीय अधिकारियों से मामले की शिकायत दर्ज कराई है। कार्रवाई न होने पर कार्य न करने की चेतावनी दी है। जिला अस्पताल में रात हुए हंगामे के बाद मेडिकल स्टाफ सकते में है। सोमवार को अस्पताल के चिकित्सकों ने प्रोविंशियल मेडिकल सर्विसेस एसोसिएशन के बैनर तले इकट्ठा होकर सीएमएस सुरेश कुमार को शिकायती पत्र सौंपा है।

'पवन सिंह का राज्यसभा जाना तय' भोजपुरी एक्टर के दावे से बिहार की सियासत का पारा हाई

पटना, 2 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में राज्यसभा की खाली होने वालीं 5 सीटों के लिए चुनाव होना है। चुनाव से पहले राज्य में सियासी पारा चढ़ा हुआ है। विधानसभा में सदस्यों की संख्या के हिसाब से एनडीए चार सीटें आसानी से जीत जाएगा। इन सीटों के लिए बीजेपी-जेडीयू प्रत्याशियों के नामों पर विचार कर रहे हैं। इस बीच भोजपुरी फिल्मों के 'पावर स्टार' पवन सिंह के राज्यसभा जाने की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। कहा जा रहा है कि बीजेपी पवन सिंह को राज्यसभा भेज सकती है। इन चर्चाओं को उस वक्त और बल मिला जब भोजपुरी गायक गुंजन सिंह ने मीडिया के सामने पवन सिंह को लेकर एक बड़ा दावा कर दिया।

मीडिया से बातचीत के दौरान जब गुंजन सिंह से पवन सिंह के राज्यसभा टिकट को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने आत्मविश्वास के साथ कहा कि पवन सिंह का राज्यसभा जाना लगभग तय है। गुंजन सिंह ने कहा, 'नोटिफिकेशन आने दीजिए, सब साफ हो जाएगा। लगभग

फाइनल ही है। हालांकि, जब तक आधिकारिक सूचना नहीं आ जाती तब तक कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन उनका जाना तय माना जा रहा है।'

राज्यसभा के लिए पवन सिंह के नाम की चर्चा क्यों?

हाल ही में पवन सिंह ने दिल्ली में बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष निनित नवीन से मुलाकात की थी। इस मुलाकात की तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरीं। इन मुलाकात के बाद ही पवन सिंह के नाम की चर्चा होने लगी। हालांकि अंतिम फैसला पार्टी ही करेगी, लेकिन पवन सिंह को लेकर माहौल गरम हो गया है।

नितिन नवीन और पवन सिंह की मुलाकात पर गुंजन सिंह ने कहा कि पार्टी के बड़े नेताओं का आशीर्वाद लेना जरूरी होता है। खुद पवन सिंह ने भी इस मुलाकात के बाद कहा था, 'नितिन नवीन जी से मिलकर आशीर्वाद लिया है। जो भगवान चाहेंगे, वही होगा।'

राज्यसभा के लिए पवन सिंह पर क्यों दांव लगा सकती है बीजेपी?

बीजेपी राज्यसभा के लिए पवन सिंह पर दांव लगा सकती है। इसके पीछे की वजह बीते साल हुए बिहार विधानसभा चुनाव में उनके योगदान को देखा जा रहा है। उस वक्त उनके आरा सीट से चुनाव लड़ने की काफी चर्चा थी। हालांकि पवन सिंह ने चुनाव नहीं लड़ा था। पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह ने जरूर काराकाट से निर्दलीय चुनाव लड़ा था।

लेकिन पवन सिंह ने बीजेपी उम्मीदवारों के पक्ष में जमकर चुनाव प्रचार किया था। माना जा रहा है कि जमीनी स्तर पर पार्टी के लिए पसीना बहाने के इनाम के तौर पर बीजेपी उन्हें उच्च सदन (राज्यसभा) भेजकर 'पावर स्टार' के साथ-साथ उनके विशाल वोट बैंक को भी साधने की कोशिश कर सकती है।

तहसील का चपरासी लग्जरी कार में नशीला टैबलेट बेचते गिरफ्तार

सरगुजा आबकारी संभागीय उड़नदस्ता टीम ने विश्रामपुर में की कार्रवाई, 608 नशीले टैबलेट बरामद

सरगुजा/सूरजपुर, 2 मार्च (एजेंसियां)। सरगुजा आबकारी उड़नदस्ता टीम ने सूरजपुर जिले में तहसील कार्यालय में पदस्थ चपरासी को नशीले टैबलेट बेचते हुए गिरफ्तार किया है। चपरासी की कार से 608 नग नशीले टैबलेट बरामद किए गए हैं। ये टैबलेट प्रतिबंधित हैं। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की कार्रवाई की गई है।

जानकारी के मुताबिक, संभागीय आबकारी उड़नदस्ता टीम को 1 मार्च की शाम सूरजपुर के तिलसिवां ग्राउंड में नशे के सौदागरों की तरफ से नशीले टैबलेट की सप्लाई करने की सूचना मिली थी। सूचना पर आबकारी संभागीय उड़नदस्ता प्रभारी रंजीत गुप्ता की टीम तिलसिवां पहुंची। टीम ने तिलसिवां ग्राउंड के पास अभिषेक साहू की निशान मैग्नाइट कार क्रमांक सीजी 29 एजी 1098 को रोका। पूछताछ में अभिषेक साहू ने बताया कि, वह कलेक्टोरेट सूरजपुर का चपरासी है। वर्तमान में विश्रामपुर तहसील कार्यालय में पदस्थ है। आबकारी उड़नदस्ता की टीम ने अभिषेक साहू के कार की तलाशी ली तो कार के डैश बोर्ड में एक काले रंग के बैग में 560 नग एप्राजॉलेम और 48 नग प्रोक्सीवॉन प्लस टैबलेट बरामद हुए। पूछताछ में अभिषेक साहू बड़ी मात्रा में नशीले टैबलेट रखने का दस्तावेज पेश नहीं कर सका।

संभागीय उड़नदस्ता प्रभारी रंजीत गुप्ता ने बताया कि, जब्त नशीले टैबलेट प्रतिबंधित हैं। इनके परिवहन और बिना डॉक्टर की पर्ची के बेचने पर मनाही है।

एआई समिट में शर्टलेस प्रदर्शन-यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को जमानत

दिल्ली कोर्ट बोली- नारे भड़काऊ नहीं थे, लोगों को डराने का सबूत नहीं

नई दिल्ली, 2 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने एआई समिट में शर्टलेस विरोध प्रदर्शन के मामले में गिरफ्तार इंडियन यूथ कांग्रेस (आईवाईसी) के नौ कार्यकर्ताओं को सोमवार को जमानत दे दी है। कोर्ट ने कहा कि यह प्रदर्शन सिर्फ सरकार की आलोचना करने का तरीका था। इसलिए मुकदमा शुरू होने से पहले किसी को जेल में रखना कानून के मूल सिद्धांतों के खिलाफ होगा।

कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि प्रदर्शन के समय लगाए गए नारे भड़काऊ नहीं थे। उनमें कोई धार्मिक या क्षेत्रीय रंग नहीं था। किसी तरह की तोड़फोड़ या लोगों को डराने का भी कोई सबूत नहीं मिला। कोर्ट ने यह भी बताया कि प्रदर्शन करने वालों को सुरक्षा के साथ बाहर ले जाया गया था।

कोर्ट ने कहा- आजादी अधिकार है और जेल केवल खास स्थिति में होनी चाहिए। अगर ट्रायल से पहले किसी को बिना

जरूरी कारण के जेल में रखा जाए तो यह बिना सजा तय हुए ही सजा देने जैसा होगा।

पटियाला हाउस कोर्ट के न्यायिक मजिस्ट्रेट (फर्स्ट क्लास) रवि ने कृष्ण हरि, नरसिंह यादव, कुंदन कुमार यादव, अजय कुमार सिंह, जितेंद्र सिंह यादव, राजा गुर्जर, अजय कुमार विमल उर्फ बंटू, सौरभ सिंह और अरबाज खान की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया। दिल्ली पुलिस ने कहा कि आरोपी, जो इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता हैं, 20 फरवरी को एआई समिट के स्थान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीरों वाली सफेद टी-शर्ट पहनकर या हाथ में लेकर पहुंचे थे। इन टी-शर्ट्स पर इंडिया-यूएस ट्रेड डील, एपस्टीन फाइल्स और पीएम इज कम्प्रोमाइज्ड जैसे नारे लिखे थे। पुलिस ने आरोप लगाया कि वहां अंतरराष्ट्रीय मीडिया मौजूद थी और उसी दौरान नारेबाजी की गई। जब पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की हुई, जिससे कुछ पुलिसकर्मी घायल हुए। पुलिस का कहना है कि इसके मेडिकल सबूत भी मौजूद हैं।

जमानत की मांग का विरोध करते हुए संविधान शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार देता है, लेकिन यह कुछ शर्तों के साथ आता है। दिल्ली स्थित भारत मंडपम में इंडियन यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 20 फरवरी को एआई समिट 2026 में भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने टी-शर्ट उतारकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ 'पीएम इज कॉम्प्रोमाइज्ड' के नारे लगाए।

टी-शर्ट पर पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की फोटो लगी है। उस पर लिखा था- पीएम इज कॉम्प्रोमाइज्ड।

युवक ने की आत्महत्या हैदराबाद की कंपनी में कार्यरत था

पाकुड़, 2 मार्च (एजेंसियां)। पाकुड़ जिले के हिरणपुर थाना क्षेत्र के हाथकाठी गांव में 28 वर्षीय शुभंकर दास ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। उनका शव घर के पास एक कुएं में रस्सी के सहारे लटका हुआ मिला। पुलिस ने मौके से एक सुसाइड नोट भी बरामद किया है।

पुलिस को कुएं के पास से एक सुसाइड नोट मिला। इसमें शुभंकर दास ने लिखा है कि वह 2 मार्च 2026 को अपना जीवन त्याग रहा है। इस कदम के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है, और वह जिंदगी से बहुत परेशान हो चुका था, जिसके कारण उसने यह निश्चय किया। शुभंकर का शव सबसे पहले उनकी बहन ने देखा, जिसके बाद उसने घबराकर परिजनों को सूचना दी। परिजनों के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और हिरणपुर थाना को सूचित किया। आसपास के लोगों ने

बताया कि शुभंकर दास के पिता सुमन दास की दो शादियां हुई थीं और शुभंकर उनकी पहली पत्नी का पुत्र था। वह दो भाइयों और दो बहनों में सबसे बड़ा था।

लगभग पांच वर्ष पूर्व उसने हिरणपुर प्रखंड के तोड़ाई गांव में प्रेम विवाह किया था, लेकिन बाद में उसका पत्नी से तलाक हो गया था। शुभंकर हैदराबाद की एक निजी कंपनी में कार्यरत था और हाल ही में अपने पैतृक गांव हाथकाठी आया हुआ था। हिरणपुर थाना प्रभारी विनय कुमार ने बताया कि युवक का शव बरामद कर लिया गया है और मामले की गहन छानबीन की जा रही है।

झारखंड में गहराता मानव-हाथी संघर्ष

रांची में हाथी के हमले में युवक की मौत, कुछ दिनों में 27 ने गंवाई जान

रांची, 2 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड की राजधानी रांची से सटे रातू थाना क्षेत्र में सोमवार को जंगली हाथी के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पाली गांव में हुई इस घटना के बाद आसपास के गांवों में दहशत फैल गई है। चार दिनों में यह दूसरी बार है जब हाथी ने रांची के रिहायशी इलाके में घुसकर उत्पात मचाया है।

हाथी के हमले में मृत युवक की पहचान सुबोध खलखो के रूप में हुई है, जो इसी गांव के रहने वाले थे। ग्रामीणों का कहना है कि सुबह हाथी सबसे पहले चित्तरकोटा पतरा गांव के पास देखा गया। ग्रामीणों की मानें तो यही हाथी पिछले शुक्रवार को रांची हटिया क्षेत्र में घुस आया था और रिहायशी इलाकों में करीब चार घंटे तक सड़क पर घूमता देखा गया था।

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि हाथी की निगरानी की जा रही है और उसे सुरक्षित तरीके से जंगल की ओर वापस भेजने की तैयारी की जा रही है। एहतियात के तौर पर ग्रामीणों से घरों के भीतर रहने, बच्चों और बुजुर्गों को बाहर न निकलने देने तथा हाथी से दूरी बनाए रखने की अपील की गई है। राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में हाथियों के भटककर पहुंचने की घटनाएं पहले भी सामने आती रही हैं। जून 2024 में एक हाथी रांची के बाहरी इलाके कुटे में झारखंड विधानसभा के निकट देखा गया था। इससे पहले रातू क्षेत्र में दो हाथी एक खाली पड़े कोल्ड

स्टोरेज में घुस गए थे। जनवरी 2013 में एक हाथी दीपाटोली आर्मी कैंटोनमेंट इलाके तक पहुंच गया था।

मानव-हाथी संघर्ष की बढ़ती घटनाओं पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने हाल में चिंता जताई थी। उन्होंने इस मुद्दे पर वन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें हाथियों के हमले रोकने के लिए प्रभावी तंत्र विकसित करने के निर्देश दिए थे।

निर्माणधीन पुल गिरा

गोपालगंज, 2 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में पुल गिरने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला गोपालगंज जिले से सामने आया है। यहां घोघरी नदी पर बन रहे एक निर्माणाधीन पुल का हिस्सा ढलाई के दौरान ढह गया। राहत की बात रही कि हादसे के दौरान कोई हताहत नहीं हुआ है। वहीं पुल के निर्माण में गंभीर लापरवाही को देखते हुए जिलाधिकारी ने सख्त रुख अपनाते हुए जांच के बाद तीन इंजीनियरों को सस्पेंड कर दिया गया है। साथ ही ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने का आदेश जारी किया है। मिली जानकारी के मुताबिक, घटना गोपालगंज जिले के सिद्धवलिया प्रखंड के गंगवा गांव में हुई। यहां ग्रामीण कार्य विभाग की ओर से 2.89 करोड़ रुपये की लागत से पुल का निर्माण कराया जा रहा था। गनीमत यह रही कि जिस समय पुल का ढांचा गिरा, वहां कोई मौजूद नहीं था, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली। सोमवार को आधिकारिक तौर पर इस घटना की पुष्टि की गई। गोपालगंज के जिलाधिकारी पवन कुमार सिन्हा ने खुद घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पुल निर्माण में व्यापक अनियमितताएं और तकनीकी लापरवाही पाई गई। डीएम ने पाया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से जुड़े मानकों की पूरी तरह अनदेखी की गई थी। डीएम ने बताया कि प्रारंभिक जांच के आधार पर ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता और कनीय अभियंता को सस्पेंड कर दिया गया है।

बकरियां लौट आईं पर युवक नहीं आया

कोरबा वन विभाग की टीम ने रातभर खोजा, भालू के हमले से मौत

कोरबा, 2 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोनरबा जिले में भालू के हमले में एक ग्रामीण युवक की मौत हो गई। जिले के कटघोरा वनमंडल के अंतर्गत केंदई वन परिक्षेत्र के सखोदा परिसर में भालू के हमले में एक 26 वर्षीय युवक की मौत हुई है। युवक की पहचान संतोष कुमार गोंड के रुप में हुई है। वह जंगल में बकरियां चराने के लिए गया था इसी दौरान भालू ने हमला कर दिया जिससे उसकी मौत हो गई।

अधिकारियों ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सलाईगोट गांव का रहना वाला संतोष रविवार सुबह लगभग 11 बजे बकरियां चराने के लिए जंगल की ओर गया था। दोपहर बाद

लगभग दो बजे बकरियां घर वापस लौट गईं, लेकिन संतोष कुमार के नहीं लौटने पर परिजनों ने ग्रामीणों और वन विभाग को इसकी सूचना दी।

उन्होंने बताया कि वन विभाग को सूचना मिलने के बाद क्षेत्र के रेंजर अभिषेक दुबे और वन विभाग का दल ग्रामीणों के साथ युवक की खोज में रवाना हुआ और आधी रात के बाद करीब डेढ़ बजे जंगल के भीतर सखोद परिसर में संतोष का शव बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि शव के करीब जंगली जानवर के पैरों के निशान पाए गए, जिससे आशंका जताई जा रही है कि संतोष का सामना भालू से हो गया था। भालू के हमले में ही उसकी मौके पर मौत हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि वन विभाग ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। कटघोरा क्षेत्र के वनमंडल अधिकारी कुमार निशांत ने बताया कि नियमानुसार जंगली जानवर के हमले में जनहानि पर दी जाने वाली तात्कालिक सहायता राशि 25 हजार रुपये संतोष के परिजनों को प्रदान कर दी गई है। नियमानुसार सभी औपचारिकता पूरी होने के बाद उन्हें शेष 5.75 लाख रुपये दी जाएगी।

बैज बोले-भाजपा नेताओं के भी धान-खरीदी की जानकारी करें सार्वजनिक

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा–यह बीजेपी की स्तरहीन राजनीति, खैरात नहीं, मेहनत की कमाई है

रायपुर, 2 मार्च (एजेंसियां)। धान खरीदी को लेकर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। बीजेपी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्टर जारी कर कांग्रेस नेताओं और उनके परिजनों को धान बिक्री पर मिले भुगतान का विवरण साझा किया। इस पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

दीपक बैज ने कहा कि, यह भाजपा की स्तरहीन राजनीति है। यदि हम और हमारे नेता किसान हैं, तो स्वाभाविक है कि हमारी उपज का मूल्य हमें मिलेगा। भाजपा ने कोई खैरात नहीं दी है, यह हमारे खून-पसीने की कमाई है।

दीपक बैज ने कहा कि, भाजपा ने कांग्रेस नेताओं के नाम सार्वजनिक कर दिए, लेकिन क्या भाजपा में किसान नहीं हैं? क्या

भाजपा नेताओं ने धान नहीं बेचा?

उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि यदि भाजपा में साहस है तो मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, किरण देव, पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, अजय चंद्राकर और धरमलाल कौशिक समेत अन्य नेताओं को धान बिक्री पर कितना भुगतान हुआ, यह भी सार्वजनिक किया जाए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि, भाजपा सरकार ने 7 लाख किसानों का धान नहीं खरीदा और लाखों किसानों से रकबा सरेंडर करवाया। उन्होंने दावा किया कि अंतर राशि में करीब 2600 करोड़ रुपए कम दिए गए हैं और अब बयानबाजी कर असली मुद्दे से ध्यान भटकाया जा रहा है।

बैज ने कहा कि, सरकार ने किसानों के खातों में आधी-अधूरी अंतर राशि डाली है। यह राशि समर्थन मूल्य और 3100 रुपए घोषित दर के बीच की है। उन्होंने तर्क दिया कि पिछले दो वर्षों में समर्थन मूल्य में 117 और 89 रुपए यानी कुल 206 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में अंतर राशि की गणना 3286 रुपए के आधार पर होनी चाहिए।

बैज के मुताबिक, सरकार 3100 रुपए के हिसाब से भुगतान कर किसानों से अन्याय कर रही है। प्रति एकड़ 21 क्विंटल खरीदी के हिसाब से 21×186 = 3906 रुपए प्रति एकड़ किसानों को नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इस साल 141 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई है और इस हिसाब से करीब 2622 करोड़ रुपए किसानों को कम दिए गए हैं। धान खरीदी और अंतर राशि को लेकर अब प्रदेश में सियासी बयानबाजी और तेज होने के संकेत हैं।

सांवलिया जी भंडार खुला, पहले दिन 10.65 करोड़ की गिनती

चित्तौड़गढ़, 2 मार्च (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ के कृष्णधाम श्री सांवलिया जी मंदिर में करीब डेढ़ महीने बाद भंडार खोला गया। राजभोग आरती के बाद भंडार को खोला गया और फिर काउंटिंग का काम शुरू हुआ। पहले दिन दानपात्रों से निकली नकद राशि की गिनती की गई, जिसमें 10 करोड़ 65 लाख रुपए सामने आए। गिनती मशीन और हाथ दोनों तरीकों से शाम तक चलती रही। सुबह से ही मंदिर परिसर में सुरक्षा के खास इंतजाम रहे। कर्मचारियों और अधिकारियों की मौजूदगी में नोटों के बंडल निकाले गए और उनकी गिनती की गई। मंदिर में रोज बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं, जिससे भंडार में हर बार अच्छी राशि जमा हो जाती है।

बैंक लूटने हेलमेट पहन कर पहुंचे अपराधी

शक होते ही एक्शन में आया गार्ड, फिल्मी अंदाज में फायरिंग कर लुटेरे फरार

गोड्डा, 2 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के गोड्डा जिला के महागामा थाना क्षेत्र के केंचुआ चौक स्थित बैंक आफ इंडिया की शाखा में सोमवार को हेलमेट पहने हथियारों से लैस तीन अपराधियों ने लूटने की नीयत से धावा बोल दिया। इसी क्रम में बैंक के 50 वर्षीय गार्ड बिनोद कुमार को कुछ शक हुआ, तो उसने अपराधियों को हेलमेट उतारने को कहा।

इस पर अपराधी ने हेलमेट नहीं उतारने की बात कही। इसी क्रम में अपराधीऔर गार्ड के बीच गुत्थम गुत्थी शुरू हो गई। बैंक गार्ड ने एक अपराधी को पटक दिया, लेकिन दूसरे अपराधी ने गार्ड को धक्का मारकर गिरा दिया और गार्ड पर फायरिंग कर दी, जिससे गोली बैंक गार्ड के कंधे में लग गयी और वो गार्ड जख्मी हो गया। घटना की सूचना मिलते ही महागामा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चन्द्रशेखर आजाद, थाना प्रभारी के साथ घटनास्थल पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटना में संलिप्त अपराधियों की पहचान के लिये बैंक के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाल रही है। दिन दहाड़े बैंक में लूट का प्रयास करने के दौरान गार्ड और अपराधियों के बीच गुत्थम- गुत्थी और फायरिंग की घटना से पूरे बाजार में सनसनी फैल गयी और बैंक के समीप लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

अपराधियों ने भीड़ से बचने के लिये भागने के दौरान आसमान में दो हवाई फायर करते मोटर साइकिल पर सवार हो कर फरार हो गये। मिली जानकारी के अनुसार दो मोटर साइकिल पर सवार तीन अपराधी घटना को अंजाम देने आये थे। एसडीपीओ चन्द्र शेखर आजाद ने दावा किया है बैंक लूट की घटना में संलिप्त अपराधी जहां भी छिपा होगा। पुलिस शीघ्र ही सभी अपराधियों को दबोच लेगी ।

इधर ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा है कि महागामा में किसी भी कीमत पर अपराध बर्दास्त नहीं किया जायेगा। स्थानीय लोगों की मदद से जख्मी गार्ड को गोड्डा रेफर कर दिया गया है।

ईरान युद्ध से बंद हुआ समंदर का रास्ता, अडानी को हो सकता है बड़ा नुकसान, गैस-पेट्रोल होंगे महंगे!

नई दिल्ली, 2 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका और इजराइलकी संयुक्त सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को अनिश्चित काल के लिए बंद कर दिया है. इसके साथ ही लाल सागर के दक्षिणी छोर पर स्थित बाब अल-मंडेब में भी व्यापारिक आवाजाही पूरी तरह से ठप होने की खबरें हैं. ये दोनों रास्ते दुनिया के तेल और कार्गो व्यापार की लाइफलाइन माने जाते हैं. इनके बंद होने से न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय बाजार में खलबली मची है, बल्कि भारत के आयात-निर्यात तंत्र पर भी एक गहरा संकट मंडरा रहा है. जेएम फाइनेंशियल की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, इस बिगड़ते हालात का सबसे बुरा असर अडानी पोर्ट्स, जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर और जीएमआर एयरपोर्ट्स जैसी दिग्गज भारतीय कंपनियों पर देखने को मिल सकता है.

समुद्री रास्तों पर नाकेबंदी, बढ़ रही है मालभाड़े की टेंशन

फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला होर्मुज और लाल सागर का बाब अल-मंडेब, दोनों ही एशिया, यूरोप और मध्य पूर्व के व्यापार के लिए बेहद अहम हैं. भारत का एक बड़ा व्यापारिक हिस्सा इन्हीं समुद्री रास्तों से होकर गुजरता है. रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025 तक भारत के कुल आयात-निर्यात का करीब 31 प्रतिशत हिस्सा मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका से जुड़ा हुआ था.

अब इन रास्तों के बंद होने से व्यापारिक जहाजों को अफ्रीका के 'केप ऑफ गुड होप' से होकर लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा है. इस लंबी दूरी का सीधा मतलब है ज्यादा ईंधन की खपत, बीमा के बढ़ते प्रीमियम और सामान पहुंचने में भारी देरी. जाहिर है, जब माल ढुलाई का खर्च बढ़ेगा और जहाजों के फेरे कम होंगे, तो इसका असर बाजार में मिलने वाले हर छोटे-बड़े सामान की कीमत पर भी पड़ेगा. इससे भारतीय निर्यातकों की वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा भी कमजोर हो सकती है.

अडानी से लेकर जेएसडब्ल्यू तक इन दिग्गजों की अटकी सांसें

इस भू-राजनीतिक संकट ने भारतीय लॉजिस्टिक और

पोर्ट सेक्टर के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं. अगर जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर की बात करें, तो संयुक्त अरब अमीरात के फुजैरा में उनका एक महत्वपूर्ण लिक्विड स्टोरेज टर्मिनल है. पिछले वित्तीय वर्ष में कंपनी के कुल मुनाफे में इस टर्मिनल की करीब 13 प्रतिशत हिस्सेदारी थी. वहां काम प्रभावित होने से कंपनी की कमाई में सेंध लग सकती है. इसके अलावा, ओमान में कंपनी के प्रस्तावित विस्तार पर भी इस अस्थिरता के कारण ग्रहण लग सकता है. वहीं, देश के सबसे बड़े प्राइवेट पोर्ट ऑपरेटर 'अडानी पोर्ट्स' के लिए भी यह समय काफी चुनौतीपूर्ण है. भारत के कुल कार्गो में 27 प्रतिशत की बड़ी हिस्सेदारी रखने वाले अडानी समूह को फारस की खाड़ी से आने वाले तेल, एलएनजी और कंटेनरों की कमी का सामना करना पड़ सकता है. हालांकि, इजराइलके हाइफा पोर्ट से उनका मुनाफा (1.5 प्रतिशत) अपेक्षाकृत कम है और तंजानिया व ऑस्ट्रेलिया जैसी जगहों पर उनके निवेश सुरक्षित हैं, लेकिन पूरे खाड़ी क्षेत्र में मची इस उथल-पुथल से समुद्री परिवहन के कारोबार पर नकारात्मक असर पड़ना तय है. इसके अलावा, गुजरात पीपावाव पोर्ट पर भी लाल सागर के रास्ते होने वाले व्यापार में रुकावट के चलते दबाव बढ़ सकता है और मालभाड़े में अस्थिरता आ सकती है.

आम आदमी की जेब पर पड़ेगा बोझ

यह संकट सिर्फ समुद्री बंदरगाहों तक सीमित नहीं रहने वाला. जीएमआर एयरपोर्ट्स के लिए भी यह एक चिंताजनक स्थिति है. मध्य पूर्व के लिए उड़ानों में कमी आने से दिल्ली जैसे बड़े हवाई अड्डों पर अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या घट सकती है.

पीएफ पर इस बार कितना मिलेगा ब्याज?

ईपीएफओ ले लिया फैसला, जानें अकाउंट में कब आएगी रकम

नई दिल्ली,2 मार्च(एजेंसियां)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) जमा पर 8.25 फीसदी ब्याज दर को मंजूरी दे दी है। यह लगातार दूसरा साल है जब ब्याज दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में आयोजित केंद्रीय न्यासी बोर्ड की 239वीं बैठक में ईपीएफ की ब्याज दर को लेकर यह फैसला लिया गया। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने की। ईपीएफओ ने 2019-20 के लिए भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर को 2018-19 के लिए निर्धारित 8.65 प्रतिशत से घटाकर सात वर्षों में सबसे कम 8.5 प्रतिशत कर दिया था। वित्त वर्ष 2016-17 में अपने ग्राहकों को 8.65 प्रतिशत और 2017-18 में 8.55 प्रतिशत ब्याज दर प्रदान की थी। 2015-16 में ब्याज दर थोड़ी अधिक यानी 8.8 प्रतिशत थी। वित्त वर्ष 2013-14 और 2014-15 दोनों वर्षों में 8.75 प्रतिशत की ब्याज दर दी, जो 2012-13 की 8.5 प्रतिशत दर से अधिक थी। 2011-12 में ब्याज दर 8.25 प्रतिशत थी। सीबीटी के फैसले के बाद प्रस्तावित ब्याज दर को अंतिम स्वीकृति के लिए वित्त मंत्रालय को भेजा जाएगा। औपचारिक मंजूरी

मिलने के बाद 7 करोड़ से अधिक ईपीएफओ सदस्यों के खातों में नई ब्याज दर के अनुसार रकम जमा की जाएगी। ईपीएफ पर ब्याज की गणना मासिक आधार पर की जाती है, लेकिन इसे वित्त वर्ष के आखिर में अकाउंट में जमा किया जाता है। हालांकि, जो खाते 36 महीने तक निष्क्रिय रहते हैं, उन पर आगे ब्याज नहीं मिलता और उन्हें डॉर्मेंट माना जाता है।सीबीटी बोर्ड ने आयकर मान्यता प्राप्त ट्रस्टों से जुड़े अनुपालन मुद्दों के समाधान के लिए एकमुश्त अमनेस्टी योजना को भी स्वीकृति दी। यह योजना कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 के प्रावधानों के तहत लागू होगी। प्रस्तावित योजना के तहत छह माह की निर्धारित अवधि में संस्थानों और ट्रस्टों को अनुपालन का अवसर दिया जाएगा। जिन संस्थानों ने वैधानिक योजना के बराबर या बेहतर लाभ दिए हैं, उनके लिए क्षतिपूर्ति, ब्याज और दंड में छूट का प्रावधान रहेगा।

पश्चिम एशिया में तनाव से बाजार धड़ाम

सेंसेक्स 1048 अंक टूटा, जानें निफ्टी का हाल

मुंबई,2 मार्च(एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर घरेलू शेयर बाजार पर देखने को मिला। सोमवार को बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज हुई। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुझान और विदेशी निधियों की भारी निकासी ने भी बाजार की भावनाओं को प्रभावित किया। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 42 पैसे गिरकर 91.50 (अस्थायी) पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 2,743.46 अंक या 3.37 प्रतिशत गिरकर 78,543.73 पर आ गया। बाद में यह 1,048.34 अंक या 1.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80,238.85 पर बंद हुआ।दिन के कारोबार में 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 575.15 अंक या 2.28 प्रतिशत गिरकर 24,603.50 पर आ गया। बाद में यह 312.95 अंक या 1.24 प्रतिशत गिरकर 24,865.70 पर बंद हुआ।सेंसेक्स पैक में से इंटरग्लोब एविएशन, लार्सन एंड टुब्रो, अदानी पोर्ट्स, मारुति, एशियन पेंट्स और बजाज फिनसर्व सबसे बड़े पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल थे। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, सन फार्मा और आईटीसी ही वे शेयर थे जिन्हें लाभ हुआ।मार्केट एक्सपर्ट अजय बग्गा ने वैश्विक अनिश्चितता के बीच बाजारों की मौजूदा स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि निवेशक बेहद अस्थिर माहौल में स्थिरता की तलाश कर रहे हैं। उन्होंने एएनआई से बातचीत में कहा, "आज की गहराई से अनिश्चित दुनिया में बाजार किसी ठोस सहारे की तलाश कर रहे हैं। हालांकि, ईरान के विदेश मंत्री के इस बयान कि ईरान होरमुज जलडमरूमध्य को बंद नहीं करेगा और नई ईरानी नेतृत्व अमेरिका के साथ वार्ता फिर से शुरू करना चाहता है, इन खबरों से एशियाई बाजारों में शुरुआती भारी गिरावट के बाद जोखिम वाले एसेट्स में हल्की रिकवरी देखने को मिली है।"अजय बग्गा के अनुसार, ईरान-अमेरिका तनाव का भारतीय बाजार पर तीन प्रमुख प्रभाव पड़ सकता है।पहला और सबसे बड़ा जोखिम कच्चे तेल की कीमतों में उछाल है, क्योंकि होरमुज जलडमरूमध्य में किसी भी तरह की बाधा वैश्विक तेल आपूर्ति को प्रभावित कर सकती है। भारत जैसे तेल आयात पर निर्भर देश के लिए यह महंगाई, चालू खाता घाटा और कॉरपोरेट लागत बढ़ने का कारण बन सकता है, जिससे बाजार पर अतिरिक्त दबाव बनेगा। दूसरा बड़ा प्रभाव भारत के खाड़ी क्षेत्र में स्थित प्रमुख व्यापारिक साझेदारों पर पड़ सकता है। यदि शिपिंग रूट और सप्लाई चेन बाधित होती हैं, तो भारतीय निर्यातकों को नुकसान झेलना पड़ सकता है, खासकर उन सेक्टरों को जो मध्य पूर्व पर निर्भर हैं।

भारतीय निर्यात क्षेत्र में मजबूत उछाल

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच 6.15% की वृद्धि दर्ज

नई दिल्ली, 2 मार्च (एजेंसियां)। इस वित्तीय वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था का बाहरी क्षेत्र काफी मजबूत बना हुआ है। अप्रैल से जनवरी 2025-26 के बीच देश का कुल निर्यात 720.76 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले साल इसी अवधि के 679.02 अरब डॉलर से 6.15% ज्यादा है। यह जानकारी व्यापार मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट में सामने आई है।

यह वृद्धि ऐसे समय में आई है जब वैश्विक व्यापारिक परिदृश्य आर्थिक नीति की अनिश्चितताओं और बदलती आपूर्ति श्रृंखलाओं के कारण चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। भारतीय व्यापार डेटा स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करता है कि देश इन जटिलताओं के बीच भी अपनी क्षमता का प्रभावी ढंग से उपयोग कर रहा है। यह वृद्धि माल और सेवाओं दोनों के निर्यात में देखी गई ताकत का परिणाम है। सेवा निर्यात विकास का एक प्रमुख चालक बना हुआ है। अप्रैल-जनवरी 2025-26 के दौरान, सेवा निर्यात 354.13 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10.57 प्रतिशत अधिक है, जब यह 320.28 अरब डॉलर था। 2024-25 में, सेवा निर्यात पहले ही 387.5 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था, जिससे 188.8 अरब डॉलर का व्यापार अधिशेष प्राप्त हुआ। इसने भारत को प्रौद्योगिकी, व्यवसाय और पेशेवर सेवाओं के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत किया है। माल निर्यात के मोर्चे पर, विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक वृद्धि दर्ज की गई है।

इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात तेजी से बढ़ा है और यह सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक के रूप में उभरा है। इसके अलावा, फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग सामान, पेट्रोलियम उत्पाद, वस्त्र और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों ने भी निर्यात प्रदर्शन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उल्लेखनीय है कि रक्षा निर्यात 2024-25 में रिकॉर्ड 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो उच्च-मूल्य विनिर्माण में भारत की बढ़ती उपस्थिति को दर्शाता है। भारत के निर्यात की मजबूती को उत्पादों और बाजारों में इसके विविधीकरण से भी बल मिला है।

पश्चिम एशिया में तनाव का असर

कच्चे तेल के बाद अब गैस की कीमतों में 130% उछाल की चेतावनी

नई दिल्ली, 2 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में चल रहे भीषण युद्ध का असर अब केवल शेयर बाजार और कच्चे तेल तक सीमित नहीं है। 'गोल्डमैन सैक्स' की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, युद्ध के कारण एशिया और यूरोप में लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) की कीमतों में भारी उछाल आ सकता है। आइए आसान भाषा में समझते हैं कि कच्चे तेल के बाद अब यह नया गैस संकट क्यों पैदा हुआ है और इसके क्या मायने हैं।

गैस संकट का कारण क्या है?

इस पूरे संकट की जड़ 'होर्मुज जलडमरूमध्य' है, जो ईरान और ओमान के बीच स्थित एक संकरा समुद्री रास्ता है। दुनिया भर का करीब 20% तेल और गैस इसी रास्ते से गुजरता है। हालांकि यह रास्ता अभी आधिकारिक रूप से बंद नहीं हुआ है, लेकिन प्रमुख शिपिंग कंपनियों, और तेल व गैस कंपनियों ने सुरक्षा को देखते हुए यहां से अपने जहाजों की आवाजाही रोक दी है। ब्लूमबर्ग के डेटा के मुताबिक, इस क्षेत्र में कम से कम एक दर्जन खाली टैंकरों ने अपना रास्ता बदल लिया है।

गैस की सप्लाई रुकने के कारण बाजार में घबराहट का माहौल है। इसके प्रमुख आंकड़े इस प्रकार हैंःकीमतों में बेतहाशा वृद्धिः गोल्डमैन सैक्स के विश्लेषकों का अनुमान है कि अगर होर्मुज जलडमरूमध्य से गैस का निर्यात एक महीने के लिए भी रुकता है, तो एशिया में एलएनजी की कीमत 130% उछलकर 25 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू तक पहुंच सकती है। कतर और यूएई की सप्लाई पर ब्रेकः कतर दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलएनजी निर्यातक देश है, जो वैश्विक गैस सप्लाई का 20% हिस्सा अकेले देता है।

कतर का सारा गैस निर्यात होर्मुज के रास्ते ही होता है। रास्ता बाधित होने से कतर और यूएई की गैस सप्लाई में भारी देरी हो रही है।

गैस सप्लाई रुकने का असली और सबसे बड़ा असर यूरोप और एशिया के गैस बाजारों पर ही पड़ेगा।इस्राइल ने भी युद्ध के कारण अपने समुद्री (ऑफशोर) गैस क्षेत्रों से गैस का उत्पादन कम कर दिया है। अमेरिका गैस निर्यात क्षमता बढ़ा रहा है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि खाड़ी देशों से होने वाले नुकसान की तुरंत भरपाई करने के लिए अमेरिकी सप्लाई पर्याप्त नहीं होगी।

होली से पहले ही पकड़ाया 1400 किलो नकली खोया

400 किलो एक्सपायर्ड घी, एफएसएसएआई ने चेताया

नई दिल्ली,2 मार्च(एजेंसियां)। देश भर में 4 मार्च 2026 को ही होली का त्योहार मनाया जाएगा। इससे पहले दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ या फिर झांसी-उदयपुर आदि शहरों में नकली मावा, खोया, पनीर थोक में पकड़े जा रहे हैं। यही नहीं, सैकड़ों किलो देशी घी के डिब्बे पकड़े गए हैं, जो एक्सपायर्ड चुके थे। इसे देखते हुए सरकारी एजेंसी भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने ग्राहकों को सतर्क किया है।

1,400 किलो नकली खोया

एफएसएसएआई के अधिकारियों ने उत्तर प्रदेश के झांसी से 1,400 किलो नकली खोया पकड़ा है। अधिकारियों ने बीते शनिवार को देर रात छापा मार कर यह कंशाइनमेंट पकड़ा था। यह खोया दूध के बदले हानिकारक पदार्थों से बनाया गया था और यह मानव के उपभोग के लायक नहीं था। तब भी इसे होली से पहले बाजार में पहुंचाने की तैयारी थी। एफएसएसएआई के अधिकारियों ने बीते शुक्रवार और शनिवार की दरम्यानी रात को यमुना एक्सप्रेसवे पर

जेवर टोल प्लाजा के पास बड़ी मात्रा में नकली पनीर की खेप पकड़ी। वह देखते ही नकली प्रतीत हो रहा था। अधिकारियों ने उसका सैम्पल जांच को लैब भेज दिया। साथ ही हानिकारक पनीर को तुरंत ही नष्ट कर दिया गया। एक अन्य घटना में अथॉरिटी के अधिकारियों ने राजस्थान में उदयपुर के पास सलुंबर जिले में करीब 400 किलो एक्सपायर्ड और मिलावटी खाद्य पदार्थ पकड़े। यह कार्रवाई रविवार को हुई। वहां अधिकारियों ने देशी घी, कुकिंग ऑयल, चाय पत्ती, मसाले आदि के एक्सपायर्ड पैक पकड़े। इनके सैंपल कलेक्ट कर प्रयोगशाला में जांच के लिए भेज दिया गया है।अथॉरिटी का कहना है कि त्योहारी मौसम में इन चीजों की मांग बढ़ जाती है।

ईरान इजरायल युद्ध के चक्कर में पिस रहा है दुबई का रियल एस्टेट, निवेशक डर गए हैं

दुबई,2 मार्च(एजेंसियां)। अमेरिका, इजरायल और ईरान के युद्ध के बीच दुबई का रियल एस्टेट सेक्टर पिसने लगा है। यदि ऐसा ही चलता रहा तो दुबई प्रॉपर्टी मार्केट का बुल रन समाप्त हो सकता है। यह खबर दुबई के रियल एस्टेट ब्रोकर्स और डेवलपर्स से हुई बातचीत के आधार पर तैयार की गई है।

प्रॉपर्टी की बिक्री में गिरावट!

दुबई के रियल एस्टेट ब्रोकर्स और डेवलपर्स का कहना है कि आने वाले दिनों में प्रॉपर्टी की बिक्री में बड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है।

ब्रोकर्स ने कहा कि खाड़ी सहयोग परिषद देशों में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाकर किए गए मिसाइल हमलों से यह लंबे समय से बना यह सेंटिमेंट ध्वस्त हो जाएगा कि दुबई संघर्षों के दौरान पैसे लगाने का एक सुरक्षित जगह है। उल्लेखनीय है कि दुबई ने पहले इस सेंटिमेंट को बूस्ट किया और फिर रूस, यूक्रेन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान ही नहीं, भारत के निवेशकों को भी दुबई में आकर्षित करने में सफल रहा।

रियल एस्टेट ब्रोकर्स का कहना है कि ईरान की ओर से दुबई के आसपास मौजूद अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाए जाने के बाद से निवेशक डरे हुए हैं। वे इस बात की स्पष्टता का इंतजार कर सकते हैं कि क्या यह संघर्ष एक लंबे युद्ध युद्ध में बदल सकता है या जल्दी ही खत्म हो जाएगा। लेकिन इस चक्कर में दुबई के रियल एस्टेट सेक्टर की डिमांड तो प्रभावित होगी ही। हालांकि, वह यह भी बताते हैं कि अभी दुबई रियल एस्टेट की प्राइस में करेक्शन नहीं दिखी है।

अमेरिका-ईरान जंग से आज सोने में 7000 की तेजी

10 ग्राम की कीमत 1.66 लाख हुई; चांदी 20,000 बढ़कर 2.87 लाख पर पहुंची

नई दिल्ली, 2 मार्च (एजेंसियां)।अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के चलते सोने चांदी के दाम में आज यानी 2 मार्च को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 7 हजार रुपए बढ़कर 1.66 लाख रुपए पहुंच गया है। इससे पहले इसकी कीमत 1.59 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, एक किलो चांदी 20 हजार रुपए बढ़कर 2.87 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2.67 लाख रुपए प्रति किलो थी। कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोना 1.90 लाख रुपए तक जा सकता है। चांदी 3.50 लाख तक पहुंच सकती है।युद्ध जैसे अनिश्चित माहौल में निवेशक सोने को सुरक्षित मानते हैं और इसमें पैसा लगाने लगते हैं। इससे इसकी डिमांड बढ़ती है और ये महंगे होने लगते हैं।

सोना इस साल 33,000 और चांदी 56,000 महंगी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में तेजी देखने को मिली है। बीते साल के आखिर में सोना 1.33 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 1.66 लाख रुपए पर पहुंच गया है। यानी इसकी कीमत इस साल अब तक 56 हजार बढ़ चुकी है। वहीं चांदी भी इस दौरान 61 हजार रुपए महंगी हो चुकी है।

चेक बाउंसः न डरें, न हल्के में लें; जानिए जेल का डर कितना सच और धारा 138 में क्या है सजा और कब होती है सख्ती?

नई दिल्ली, 2 मार्च (एजेंसियां)। चेक बाउंस होना नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट की धारा 138 के तहत एक अर्ध-आपराधिक अपराध है। यानी मामला तो पैसों के लेनदेन का है, लेकिन इसे अपराध की श्रेणी में इसलिए रखा गया है ताकि लोग चेक देने में अनुशासन बरतें। चेक बाउंस होने पर जेल जाना बहुत दुर्लभ है। अदालतों का प्राथमिक उद्देश्य आपको जेल भेजना नहीं, बल्कि जिसका पैसा है उसे उसका हक दिलाना है। अगर आप आदतन डिफॉल्टर हैं, जानबूझकर भुगतान से बच रहे हैं या स्टॉप पेमेंट जैसे हथकंडे अपना रहे हैं तो कोर्ट सख्त हो सकता है। वैसे तो दो साल तक की जेल और चेक की राशि से दोगुना जुर्माना हो सकता है, लेकिन ज्यादातर मामले आपसी समझौते पर खत्म हो जाते हैं। चेक बाउंस होने के बाद जब आपको कानूनी नोटिस मिलता है, तो वहां से 15 दिनों की समय सीमा शुरू होती है।चूक न करें : कई लोग इसे सिर्फ डराने का तरीका मानते हैं और चुप बैठ जाते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यह आपकी सबसे बड़ी गलती है। व्हाट्सएप भी है गवाह : व्हाट्सएप पर की गई बातें भी कोर्ट में आपके खिलाफ सबूत बन सकती हैं। अगर इन 15 दिनों में पेमेंट हो गया, तो केस फाइल ही नहीं होगा। चेक बाउंस का सबसे पहला असर आपकी क्रेडिट रेटिंग पर पड़ता है। अगर बाउंस हुआ चेक किसी लोन की ईएमआई का है, तो आपका सिबिल स्कोर तुरंत गिर जाएगा।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

१२ शनि; ११ सूर्य राहु बुध शुक्र मंगल; १०; १; ९; २; ८; ३ गुरु; ४ केतु चंद्र; ६; ७

गृह स्थिति			लग्नारभ समय	
सुर्य	कुंभ	मे	कुंभ....	05-36 बजे
चंद्र	सिंह	मे	मीन....	07-14 बजे
मंगल	कुंभ	मे	मेष.....	08-50 बजे
बुध	कुंभ	मे	वृष....	10-35 बजे
गुरु	मिथुन	मे	मिथुन..	12-36 बजे
शुक्र	कुंभ	मे	कर्क...	14-48 बजे
शनि	मीन	मे	सिंह---	17-00 बजे
राहु	कुंभ	मे	कन्या--	19-07 बजे
केतु	सिंह	मे	तुला----	21-12 बजे
			वृश्चिक..	23-22 बजे
			धनु.....	01-36 बजे
			मकर....	03-41 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे /दक्षिण , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-38
भोग्य कलि वर्ष. - 426874 सूर्यास्त. 18 -19
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885126
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - फाल्गुन शुक्ल पक्ष मंगलवार 03 March 2026
तिथि - पूर्णिमा 17-07 तक उपरान्त प्रतिपदा
नक्षत्र - मघा 07-31 तक उप पूर्वाफाल्गुनी
योग - सुकर्मा 10-24 तक उप. धृति
करण - बव 17-07 तक. बालव

छारेंडी वसंतोत्सव धुंलण्डी पूर्णिमा पुण्य

चन्द्र ग्रहण- 18-22 से 18-47 तक

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 15-25 से 16-54 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
रोग 06-38 - 08-03 अशुभ	काल 18-19 - 19-53 अशुभ
उत्पात08-03 - 09-31 अशुभ	लाभ 19-53 - 21-25 शुभ
चंचल 09-31 - 10-59 शुभ	उत्पात21-25 - 22-56 अशुभ
लाभ 10-59 - 12-28 शुभ	शुभ 22-56 - 00-28 शुभ
अमृत 12-28 - 13-57 शुभ	अमृत 00-28 - 01-59 शुभ
काल 13-57 - 15-25 अशुभ	चंचल 01-59 - 03-31 शुभ
शुभ 15-25 - 16-54 शुभ	रोग 03-31 - 05-02 अशुभ
रोग 16-54 - 18-19 अशुभ	काल 05-02 - 06-38 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आप व्यवसायिक या निजी कारणों से यात्रा कर सकते हैं । हालाँकि इस समय आपके लिए यात्रा करना मुश्किल होगा लेकिन आप कर पायेंगे और इससे आपको लाभ भी होगा । जो लोग पहले आपकी उदारता को नही समझते थे ,अब उन्हें भी इसकी कीमत समझ आएगी ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — मेहनत से कांम करें और जमकर आनंद उठायें । आज आप पुरे दिन इसी सिद्धांत पर चलेंगे और यह उपयुक्त भी है । दिन की शुरुआत सामान्य होगी लेकिन अंत दोस्तों और परिवार के साथ जश्न से होगा । आपकी लोगों को हंसाने की क्षमता और खुशमिजाज स्वभाव बड़ी पार्टी की मेजबानी के लिए भी उपयुक्त है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आज आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि अतीत से चिपके रहने से आपको कोई लाभ होने वाला नहीं है । आपको अपने अतीत से सीखना जरुर है ,परन्तु उसे पकड़े रहने से बात नही बनेगी । अगर आप आज यह समझ पाने में कामयाब हो जाते हैं तो पिछले कुछ समय से आपके जीवन में चली आ रही बड़ी समस्याओं को सुलझाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम होगा ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आपको आज बहुत सारी गलत जानकारी प्राप्त होंगी। इसीलिए औरों की सुनने और मानने की बजाय अपने आप सोच समझकर फैसले लेना अधिक उपयुक्त रहेगा । अपने तरीके और अपने नजरिये के आधार पर देखेंगे तो बिलकुल ठीक फैसला ले पायेंगे । आपकी बहु प्रतीक्षित छुट्टी जल्द ही मिलने वाली है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आज आप घर और ऑफिस दोनों स्थानों पर शान्तिपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश करेंगे । आपका यह अनुभव मजेदार रहेगा और आप इससे प्रेरित भी होंगे । हालंकि अपनी निजी बातें किसी के साथ भी ना बाँटें ,और कोई भी कडवा पाठ सीखने के लिए भी खुद को तैयार रखें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — पिछले कुछ समय से आप आवेग के प्रभाव में आकर फैसले ले रहें हैं ,लेकिन आज आपको योजना बनाकर सही ढंग से काम करने की महता का पता चलेगा । इसी से आपकी प्रवृति बदल जायेगी और आपके काम का ढंग नियोजित होता जाएगा । योजना बनाने के लिए कभी देर नही होती,जब जागो तभी सवेरा । योजना बनाकर आप सभी कामो को सही ढंग से कर भी पायेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आज आप पायेंगे कि आप कितने ही अच्छे और सही सुझाव दें,कोई आपकी बात मानने को तैयार नही है । इससे आप काफी निराश अनुभव करेंगे लेकिन आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि आपके सुझाव तो बेशक अच्छे हैं , लेकिन आपका रवैया ऐसा है कि जैसे आप किसी पर कृपा कर रहे हैं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आप फिलहाल अपने जीवन की केन्द्रीय समस्या को सुलझाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं ।ऐसा भी संभव है कि आप इसे सुलझाने के लिए अपनी सामजिक और वित्तीय जिम्मेदारियों से भी छुट्टी ले लें । हालाँकि आपको यह भी समझना है कि आपके जल्दी मचने से इस समस्या का स्थायी समाधान नही निकलेगा । आपको धीरज से काम लेना होगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — इस समय आपके जीवन में पुराने सम्बन्ध और संपर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं । आपके ऊपर हर जगह बहुत अच्छा कार्य करने का काफी दबाव होगा लेकिन आपको यह समझने की जरुरत है कि ज्यादा दबाव आपके खुद के तय किये हुए बहुत ऊँचे मानकों के कारण है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आज अपमनी दार्शनिकताओं तथा विचारों को किसी के साथ बाँट लेने का मौका देखें ,आपकी मुलाकात एक बेहतरीन व्यक्ति से हो सकती है । इससे एक ख़ूबसूरत दोस्ती या अच्छी साझेदारी भी जन्म ले सकती है । थोड़े से ध्यान से देखने से,आप अपने आसपास से बहुत सारी चीजें सीख पायेंगेऔर यह ज्ञान आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — पुरानी और बेकार चीजों को जीवन से हटा देने का समय है । आप किसी पिछली स्थिति से महज किसी अहसान की भावना या मजबूरी के चलते चिपके हुए हैं जो अब आपको कतई पसंद नही है । आपको इसमें से बाहर आ पाना मुश्किल लग रहा था ,लेकिन आज आप इस स्थिति से बाहर आने के लायक मानसिक शक्ति जुटा पायेंगे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आज आपकी किस्मत आपके साथ है । आप अपने समस्या को सुलझा लेने की कुशलता से सबको अचरज में डाल देंगे । सहकर्मी आपसे प्रभावित होंगें ।आपका आत्मविश्वास देकने लायक होगा और आपको एक नया काम मिलेगा । खुश रहें और अपनों के साथ ख़ुशी बाँटें ।आज कोई दोस्त मिल सकता है । दिन कुल मिलाकर मजेदार रहेगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

भाजपा की नई कार्यसमिति का ऐलान

वसुंधरा, पूनिया और भजनलाल एक साथ, 20 महिलाओं को भी मिला मौका

जयपुर, 2 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान भाजपा में लंबे समय से प्रतीक्षित संगठनात्मक बदलावों पर मुहर लग गई है। प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देश पर जारी नई प्रदेश कार्यसमिति की सूची ने सियासी गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। इस फेरबदल के जरिए भाजपा ने एक तीर से दो निशाने साधे हैं। पहला, गुटबाजी की खबरों पर विराम लगाते हुए एकजुटता का संदेश और दूसरा, आगामी चुनावी चुनौतियों के लिए अनुभवी चेहरों की फौज तैयार करना।

एक मंच पर दिखे भाजपा के दिग्गज

प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी की ओर से जारी सूची में 12 स्थायी आमंत्रित सदस्यों को शामिल किया गया है। इसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ-साथ पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को भी जगह दी गई है, जो पार्टी के भीतर 'सब कुछ ठीक है' का संकेत है। साथ ही पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया, अशोक परनामी, अरुण चतुर्वेदी और पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ को स्थायी सदस्य बनाकर उनके अनुभव को संगठन की मुख्यधारा से जोड़ा गया है।

पार्टी ने केंद्र और राज्य के बीच मजबूत कमान बनाए रखने के लिए केंद्रीय मंत्रियों को भी अहम जिम्मेदारी दी है। गजेंद्र सिंह शेखावत, भूपेंद्र यादव, अर्जुनराम मेघवाल, भागीरथ चौधरी और रवनीत सिंह बिट्टू को स्थायी आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। यह कदम केंद्र की योजनाओं को धरातल पर उतारने और संगठन को राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय रखने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

सोशल इंजीनियरिंग और महिला प्रतिनिधित्व

कुल 154 सदस्यों की इस सूची में पार्टी ने सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन बिठाने की पूरी कोशिश की है। महिला शक्तिः कार्यसमिति में 20 महिलाओं को शामिल कर आधी आबादी को नेतृत्व देने का प्रयास किया गया है। क्षेत्रीय संतुलनः 90 प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों में हर जिले से 2 से 4 सक्रिय नेताओं को जगह मिली है।

विशेष आमंत्रित सदस्यः 52 विशेष आमंत्रित सदस्यों में पूर्व सांसदों, विधायकों और पूर्व मंत्रियों को शामिल किया गया है, ताकि उनका जनाधार पार्टी के काम आ सके।

गुटबाजी पर 'सियासी मरहम'

राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह नियुक्तियां केवल पद नहीं, बल्कि पार्टी के भीतर 'डैमेज कंट्रोल' की कोशिश हैं। सभी प्रमुख धड़ों और वरिष्ठ नेताओं को प्रतिनिधित्व देकर मदन राठौड़ ने यह साफ कर दिया है कि आगामी चुनाव सामूहिक नेतृत्व और एकजुटता के दम पर लड़े जाएंगे। पुराने दिग्गजों के सम्मान और नए चेहरों की ऊर्जा का यह संगम राजस्थान भाजपा के लिए 'मिशन 2028' की मजबूत नींव साबित हो सकता है।

वाल्व फटने से हड़कंप!

गैस टैंकर रिसाव, जयपुर टीम की तत्परता से खतरा टला

दौसा, 2 मार्च (एजेंसियां)। दौसा जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर बीती रात गैस से भरे टैंकर में रिसाव की सूचना से हड़कंप मच गया। घटना कैलाई बस स्टैंड के पास हुई, जब गुजरात से उत्तर प्रदेश जा रहा टैंकर कालाखोह के पास किसी अज्ञात वाहन से साइड में टकरा गया। टकराव से रोटो गेज वाल्व क्षतिग्रस्त हो गया और गैस रिसने लगी। चालक को इस रिसाव की जानकारी नहीं थी, लेकिन एक वाहन चालक ने कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना मिलते ही प्रशासन सक्रिय हो गया। सिकंदरा पुलिस ने टोल प्लाजा से पहले टैंकर को रोककर करीब 300 मीटर दूर कैलाई देवनारायण मंदिर के पास एक खेत में खड़ा करा दिया। उपखंड अधिकारी सिकराय नवनीत कुमार, नायब तहसीलदार डोण्डीराम मीना, थाना प्रभारी अशोक कुमार सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। एहतियात के तौर पर फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस भी तैनात की गईं। जैविक और रासायनिक खतरे को देखते हुए जयपुर से सेफ्टी टेक्निकल टीम को बुलाया गया। टैंकर में करीब साढ़े 17 टन गैस भरी हुई थी।

केजरीवाल की रिहाई पर अशोक गहलोत बोले

ईडी-सीबीआई पर तो अब खुद केस बन रहा, दवाब है

जयपुर, 2 मार्च (एजेंसियां)। शराब नीति के मामले में दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को दिल्ली हाई कोर्ट की ओर से बरी किए जाने के बाद इस मामले में लगातार राजनीतिक प्रतिक्रिया दी जा रही है। इसी बीच राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने भी इस मामले में तीखी प्रतिक्रिया दी है। सीएम अशोक गहलोत ने मीडिया से बात करते हुए कहा है कि ये मामला बेहद संगीन है। इस दौरान अशोक गहलोत ने जमकर बीजेपी पर निशाना साधा। मामले के हर पहलू पर अपनी बात रखी।

क्या कहा राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने

उन्होंने बीजेपी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 'आपने 19 महीने जेल में रखा हाथ से सिसोदिया जी को और करीब 10 महीने जेल में रखा अरविंद केजरीवाल जी को। उसको देखिये आप, वो अचानक जेल से छूट गए हैं।

इसका मतलब ईडी पर दवाब था झूठा केस बनाओ, सीबीआई पर दवाब था कि झूठा केस बनाओ. वो भी एक तरह का क्राइम है'। अशोक गहलोत ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि 'ये तो खुद सीबीआई और ईडी पर बेस केस बन रहा है कि उन्होंने बिना गवाह और बिना प्रूफ कैसे मुकदमा बना दिया कि एक मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम को जेल में जाना पड़ा। ये कम क्राइम है क्या है'।

दवाब है एजेंसियां

अशोक गहलोत ने कहा कि देश में क्या स्थितियां है, सबको पता है। उन्होंने कहा कि देश में अभी सब दवाब में हैं। ज्यूडिशरी भी दवाब में है। एजेंसियां दवाब में है। देश दवाब में है। धर्म के नाम पर राजनीति चल रही है, लेकिन सोचने वाली बात यह है कि कब तक ऐसा चलता रहेगा।

2 लोग डिजिटिल अरेस्ट, साइबर ठगों ने हड़प लिए लाखों रुपए, वैशाली नगर और करणी विहार का मामला

जयपुर, 2 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी में साइबर अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। ताजा मामलों में शहर के वैशाली नगर और करणी विहार थाना क्षेत्रों में जालसाजों ने दो व्यक्तियों को अपना निशाना बनाते हुए करीब 16 लाख रुपए की चपत लगा दी।

बता दें कि पुलिस ने दोनों मामलों में एफआईआर दर्ज कर तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू कर दी है। वैशाली नगर निवासी मुकुल अग्रवाल के साथ हुई ठगी का तरीका बेहद शातिराना था। ठगों ने उन्हें 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी तकनीक का उपयोग कर मनोवैज्ञानिक जाल में फंसाया।

जालसाजों ने मुकुल को फर्जी डिजिटल दस्तावेज दिखाए, जो देखने में बिल्कुल असली सरकारी नोटिस जैसे लग रहे थे। इन दस्तावेजों के जरिए मुकुल को डराया गया कि वे किसी गंभीर कानूनी पचड़े में फंस सकते हैं।

डर के मारे मुकुल ने आरोपियों के कहे अनुसार अलग-अलग किश्तों में कुल 6,56,300 रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए। रकम मिलते ही ठगों ने अपना फोन और संपर्क के तमाम रास्ते बंद कर लिए। दूसरा मामला करणी विहार थाने का है, जहां पांच्यावाला के रहने वाले विधेश खन्ना को घर बैठे कमाई का लालच भारी पड़ गया। विधेश को सोशल मीडिया के जरिए ऑनलाइन जॉब और टास्क पूरे कर पैसे कमाने का ऑफर दिया गया। शुरुआत में ठगों ने उन्हें छोटे-छोटे टास्क दिए और बदले में कुछ पैसे वापस भी किए, ताकि विधेश का उन पर अटूट विश्वास बन जाए। जैसे ही विश्वास बढ़ा, ठगों ने 'प्रीमियम टास्क' और 'सिक्योरिटी शुल्क' के नाम पर निवेश की मांग शुरू कर दी। विधेश ने बेहतर रिटर्न की उम्मीद में 9,43,728 रुपए गंवा दिए।

दोनों ही मामलों में पीड़ितों ने सबसे पहले साइबर हेल्पलाइन (1930) पर शिकायत दर्ज कराई।

पूर्व सीएम शिवचरण माथुर सरपंच तक नहीं बन पाते

सांसद हरीश मीणा ने क्यों कही ऐसी बात?

जयपुर, 2 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के टोंक-सवाई माधोपुर से सांसद हरीश मीणा ने कहा कि प्रदेश के दो बार मुख्यमंत्री रहे शिवचरण माथुर यदि आज के दौर में होते तो सरपंच तक नहीं बन पाते। सांसद हरीश मीणा की यह बात सुनकर कार्यक्रम में बैठे सभी लोग चौंक गए।

राजस्थान के दो बार मुख्यमंत्री रहे शिवचरण माथुर की 100वीं जयंती पर आयोजित स्मृति समारोह में मौजूदा राजनीतिक हालात पर तीखे कटाक्ष सुनाई दिए।

कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में 'रिफॉर्मिंग गवर्नेंस' विषय पर हुए कार्यक्रम में टोंक-सवाई माधोपुर से सांसद हरीश मीणा ने कहा कि यदि शिवचरण माथुर आज के दौर में होते तो जातीय समीकरणों के बीच सरपंच तक नहीं बन पाते।

साधारण घर में रहते थे शिवचरण माथुर

सांसद हरीश मीणा ने कहा कि पहले के मुख्यमंत्री सादगी और प्रशासनिक मर्यादाओं के लिए पहचाने जाते थे। उन्होंने याद दिलाया कि शिवचरण माथुर साधारण घर में रहते थे और वहीं से इस दुनिया को विदा हुए। आज हालात यह हैं कि विधायक या सांसद बनते ही कोठियां और फार्म हाउस खड़े हो जाते हैं।

थाने का एसएचओ सीधे मुख्यमंत्री से कर लेता है बात

प्रशासनिक व्यवस्था पर भी टिप्पणी करते हुए सांसद हरीश मीणा ने कहा कि आज थाने का एसएचओ सीधे मुख्यमंत्री से बात कर लेता है, जबकि पहले पुलिस महानिदेशक तक से सीधी बातचीत आसान नहीं थी।

समारोह में कई दिग्गज थे शामिल

समारोह में बीडी कल्ला, डॉ. चंद्रभान, नारायण सिंह, रघु शर्मा, सुरेश मोदी सहित अनेक नेताओं और परिवारजन ने माथुर के जीवन के संस्मरण सुनाए। इस मौके पर शिवचरण माथुर की पुत्री वंदना माथुर एवं उनके परिवारजन मौजूद थे।

पैरोल के रिहा होकर गैंगरेप का आरोपी दे रहा था पुलिस को चकमा!

8 साल बाद फिल्मी अंदाज में पकड़ा गया

कोटा, 2 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के उदयपुर में पुलिस ने पिछले आठ साल से पुलिस को चकमा देने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है ।

राजस्थान पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए वर्ष 2018 से फरार चल रहे अपराधी लखन उर्फ लक्ष्मीनारायण को उदयपुर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी गैंगरेप के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था।

पिछले 6 वर्षों से पुलिस की आंखों में धूल झोंक रहा था। लेकिन आरोपी की चालाकी ज्यादा दिनों तक नहीं चल पाई।

कटरा एक्सप्रेस ट्रेन में आग, टिकट निरीक्षक की सतर्कता से होली पर टला बड़ा हादसा

5 अग्निशामक यंत्रों से पाया काबू

कोटा, 2 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम मध्य रेलवे के अंतर्गत चलने वाली ट्रेन संख्या 19803 कोटा- श्री माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस में आग लगने की घटना के दौरान टिकट निरीक्षक की त्वरित कार्रवाई से संभावित बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार ट्रेन रात 9 बजे मथुरा से रवाना हुई थी। टिकट जांच के दौरान ड्यूटी पर तैनात टिकट निरीक्षक इंसाफ अली को जलने की गंध महसूस हुई।

उन्होंने तुरंत दरवाजे से बाहर देखा तो बी-3 कोच के पहिए के पास धुआं और आग की लपटें दिखाई दीं। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए उन्होंने तत्काल आपातकालीन जंजीर खींचकर लगभग 9:40 बजे ट्रेन रुकवाई। इसके बाद ऑनबोर्ड स्टाफ की मदद से विभिन्न कोचों में उपलब्ध अग्निशामक यंत्रों का उपयोग कर आग बुझाने की कार्रवाई शुरू की गई। कुल 15 अग्निशामक यंत्रों के उपयोग से आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया।

घटना की सूचना नियंत्रण कक्ष के माध्यम से अधिकारियों को दी गई। एहतियात के तौर पर संबंधित खंड में विद्युत आपूर्ति अस्थायी रूप से बंद की गई और समीपवर्ती ट्रैक पर ट्रेनों की आवाजाही रोकी गई। आग पर काबू पाने के बाद ट्रेन रात 10:03 बजे पुनः गंतव्य की ओर रवाना हुई। अगले स्टेशन पर तकनीकी जांच कर सुरक्षा सुनिश्चित की गई। रेलवे प्रशासन ने इंसाफ अली की सतर्कता और साहस की सराहना की है।

इजरायल में हैं डूंगरपुर जिले के 300 लोग

सुरक्षा को लेकर परिजन चिंतित

डूंगरपुर, 2 मार्च (एजेंसियां)। खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध का असर अब वागड़ क्षेत्र तक महसूस होने लगा है। डूंगरपुर और बांसवाड़ा जिले के लगभग 25 से 30 हजार प्रवासी कुवैत में कार्यरत हैं। वहीं इजरायल में डूंगरपुर जिले के करीब 300 लोग सुरक्षित है।

सागवाड़ा निवासी पंकज भाटिया ने बताया कि इजरायल में शनिवार को पूर्ण अवकाश रहता है उसी दौरान सुबह करीब 8.30 बजे हमले का पहला सायरन बजा। जिसमें कई मिसाइलें ईरान की तरफ से दागी गई। सायरन बजते ही सभी शेल्टर में चले गए। शनिवार सुबह से प्रति घंटे सायरन बज रहे है। सभी डूंगरपुरवासी मिलजुल कर रह रहे हैं।

डूंगरपुर जिले के मुकरवाड़ा, नाथू पटेल थाना, ऊपरगांव, माड़ा, गामड़ी, नवलश्याम, घूघरा, देवल, गामड़ी, बोरी, सागवाड़ा व बांसवाड़ा जिले सहित वागड़ के करीब 300 युवा इजरायल में कार्यरत है। ये सभी सुरक्षित हैं।

कुवैत से ले रहे पल-पल की खबर

उधर, सागवाड़ा निवासी मोहम्मद भाई गढ़ीवाला एवं पुनर्वास कॉलोनी निवासी भरत भाटिया ने बताया कि ईरान की ओर से कुवैत पर हमला किए जाने से सभी अप्रवासी भारतीय चिन्ता में है। सागवाड़ा सहित आसपास के गांवों में निवास करने वाले परिजन सम्पर्क बनाए हुए है। पल-पल की खबर ले रहे है। मोहम्मद भाई गढ़ीवाला एवं भरत भाटिया ने बताया कि कुवैत में सभी भारतीय सुरक्षित है।

कुवैत में अभी स्थिति सामान्य

एक अप्रवासी भारतीय ने बताया कि कुवैत के नए एवं पुराने एयरपोर्ट के अलावा आर्मी बेस एवं अमेरिकन बेस पर हमला हुआ था लेकिन अब स्थिति सामान्य बनी हुई है। ईरान की ओर से कुवैत पर किए गए हमले को देखते हुए सभी के पास पर्याप्त राशन सामग्री जमा है।

सभी वागड़वासी चिन्ता में डूबे

गौरतलब है कि डूंगरपुर व बांसवाड़ा जिले के बड़ी संख्या में अप्रवासी कुवैत जाकर अपनी आजीविका चला रहे हैं। ईरान की ओर से किए गए हमले से सभी वागड़वासी चिन्ता में डूबे हुए है।

मातम में बदली होली की खुशियां

एक ही परिवार के 3 मासूमों के मिले शव, मां लापता; सहम गया पूरा गांव

सवाई माधोपुर, 2 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के गंगापुर सिटी क्षेत्र के वजीरपुर उपखंड के मीणा बड़ौदा गांव में होली के दिन एक दर्दनाक घटना सामने आई। जहां एक ही परिवार के 3 मासूम बच्चों के शव घर में मिलने से पूरे गांव में सनसनी फैल गई।

मृतकों में 7 वर्षीय बालिका, 4 वर्षीय बालक और करीब डेढ़ साल का मासूम बेटा शामिल है। तीनों बच्चे एक ही परिवार के थे। घटना के समय उनकी मां संगीता घर पर मौजूद नहीं थी और वह फिलहाल लापता बताई जा रही है। ग्रामीणों को जब घर में कोई हलचल नजर नहीं आई तो उन्हें शक हुआ। अंदर जाकर देखने पर तीनों बच्चे अचेत अवस्था में मिले। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

पुलिस ने प्रारंभिक जांच के बाद तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। परिजनों ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। लेकिन मां के लापता होने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

पुलिस ने महिला की तलाश शुरू कर दी है। आसपास के गांवों और संभावित ठिकानों पर पूछताछ की जा रही है। घटना के बाद से ही मीणा बड़ौदा गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है और डर का माहौल है।

पंजाब में गैंगवार से पहले हनुमानगढ़ पुलिस का बड़ा एक्शन

11 पिस्टल के साथ पकड़े बंबीहा गैंग के 2 गुर्गे

हनुमानगढ़, 2 मार्च (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ के टाउन पुलिस ने पंजाब में संभावित गैंगवार की बड़ी साजिश को नाकाम करते हुए बंबीहा गैंग के दो गुर्गों को अवैध हथियारों की खेप के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी इंदौर से पंजाब की ओर 11 पिस्टल और 22 मैग्जीन की सप्लाई करने जा रहे थे। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि इन हथियारों का उपयोग पंजाब क्षेत्र में गैंगवार सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों में किया जाना था।

हनुमानगढ़ में जब्त हथियारों के साथ पुलिसकर्मी (फोटोः पत्रिका)

आईजी बीकानेर रेंज ओमप्रकाश एवं एसपी हनुमानगढ़ हरीशंकर यादव ने लखुवाली चौकी में आयोजित प्रेस वार्ता में कार्रवाई का खुलासा किया। आईजी ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार संगठित अपराध एवं गैंगस्टरों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह सफलता मिली। उन्होंने बताया कि एसपी, एएसपी अरविंद बिश्नोई व सीओ सिटी मीनाक्षी के सुपरविजन तथा टाउन थाना प्रभारी अशोक बिश्नोई के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई अंजाम दी।

बस से जा रहे थे पंजाब

आईजी ओमप्रकाश ने बताया कि मुखबिर सूचना पर लखुवाली चौकी प्रभारी किशोर मान ने मय टीम मेगा हाइवे पर नाकाबंदी शुरू की। एक बस को रुकवा कर जांच की गई। इस दौरान दो संदिग्ध युवक बस से उतरकर मुख्य नहर के पटड़े की ओर जाने लगे। उनका पीछा कर तलाशी ली तो बैग से 11 पिस्टल व 22 मैग्जीन बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमनदीप सिंह उर्फ कैप्टन (30) पुत्र कलवंत सिंह उर्फ पप्पू सिंह व पवनदीप सिंह उर्फ बिल्ला उर्फ सन्नी (25) पुत्र बगा सिंह दोनों निवासी बरगाड़ी तहसील जैतो जिला फरीदकोट पंजाब के रूप में हुई। पवनदीप सिंह के खिलाफ पूर्व में आर्म्स एक्ट व संगठित अपराध के तीन प्रकरण दर्ज हैं। जबकि अमनदीप के खिलाफ मारपीट के मामले दर्ज हैं।

भीलवाड़ा को जल्द मिलेगी 'मेगा टेक्सटाइल पार्क' की सौगात

केंद्र सरकार ने आगे बढ़ाई प्रक्रिया

भीलवाड़ा, 2 मार्च (एजेंसियां)। वस्त्रनगरी भीलवाड़ा की लंबे समय से लंबित 'मेगा टेक्सटाइल पार्क' की मांग अब जल्द ही पूरी होने वाली है। केंद्र सरकार ने भीलवाड़ा में टेक्सटाइल पार्क की स्थापना के प्रस्ताव को अग्रिम कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग को प्रेषित कर दिया है।

प्रयासों को मिली सफलता

भीलवाड़ा टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन के अध्यक्ष व सांसद दामोदर अग्रवाल ने इसके लिए लंबे समय से मोर्चा संभाल रखा था। पूर्ववर्ती राज्य सरकार की ओर से जोधपुर का प्रस्ताव भेजे जाने के कारण भीलवाड़ा का दावा कमजोर पड़ गया था, लेकिन सांसद अग्रवाल ने हार नहीं मानी। उन्होंने केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह को भीलवाड़ा की औद्योगिक क्षमता से अवगत कराया और उन्हें यहां का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया। इस पर मंत्री सिंह ने भीलवाड़ा को उसका हक दिलाने का आश्वासन दिया था।

बजट प्रस्ताव और त्वरित पैरवी

बजट में घोषणा में 1 फरवरी 2026 को केंद्र सरकार ने 'मेगा टेक्सटाइल पार्क' का उल्लेख किया गया था। सांसद ने प्रधानमंत्री, कपड़ा मंत्री और मुख्यमंत्री से मिलकर इस संदर्भ में पुरजोर मांग रखी। केंद्रीय कपड़ा मंत्री के अनुसार भीलवाड़ा में पार्क की स्थापना का प्रस्ताव संबंधित प्रभाग को भेज दिया है।

जल्द मिलेगी खुशखबरी

सांसद कार्यालय प्रभारी और फेडरेशन महासचिव प्रेमस्वरूप गर्ग ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के माध्यम से भी केंद्र को प्रस्ताव भेजे थे। इनका परिणाम है कि अब केंद्र सरकार ने इस पर गंभीरता से ध्यान देना शुरू कर दिया है।

भीलवाड़ा टेक्सटाइल हब

भीलवाड़ा को वस्त्र नगरी' और 'भारत का मैनचेस्टर' कहा जाता है। देश के कपड़ा मानचित्र पर एक विशिष्ट स्थान रखता है। मेगा टेक्सटाइल पार्क की स्थापना से यहां के औद्योगिक परिदृश्य में क्रांतिकारी बदलाव आएंगे। भीलवाड़ा प्रति माह 125 करोड़ मीटर फैब्रिक का उत्पादन करता है। यहां निर्मित कपड़ा न केवल भारत के कोने-कोने में जाता है, बल्कि यूरोपीय और खाड़ी देशों में भी बड़े पैमाने पर निर्यात किया जाता है। यहां के उद्योग जिले में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाखों लोगों को रोजगार प्रदान कर रहा है।

मेगा टेक्सटाइल पार्क से होने वाले संभावित लाभ

रूपाहेली में मेगा टेक्सटाइल पार्क आने से सभी तरह के उद्योग स्थापित हो सकेंगे। गारमेंट की विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी। क्लस्टर आधारित विकास से लॉजिस्टिक्स और उत्पादन लागत में कमी आएगी। इससे स्थानीय उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे। पार्क की स्थापना से हजारों नए कुशल और अकुशल श्रमिकों के लिए रोजगार के द्वार खुलेंगे।

समय से पहले 'लू' की आहट? आईएमडी ने जारी किया अलर्ट!

जयपुर, 2 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में इस बार सर्दियों की विदाई उम्मीद से कहीं ज्यादा जल्दी हो गई है। मार्च की शुरुआत में ही सूरज के तेवर ऐसे हैं जैसे मई-जून की तपिश दस्तक दे रही हो। मौसम केंद्र जयपुर की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तापमान सामान्य से 2 से 7 डिग्री सेल्सियस तक ऊपर जा पहुंचा है।

रेवंत रेड्डी परिवार ने नई दुल्हन रश्मिका को दी साड़ी, वेडिंग रिसेप्शन का मिला न्यौता

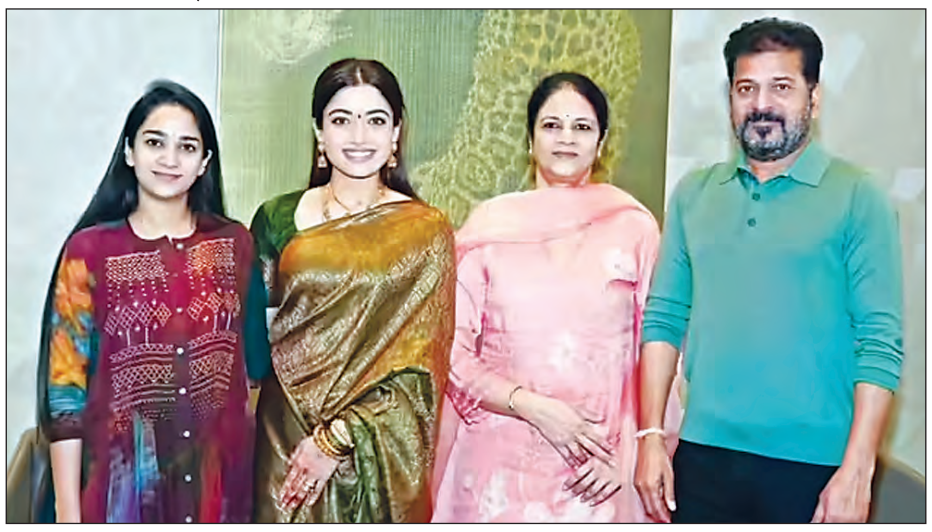

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत की जानी-मानी अभिनेत्री रश्मिका मंदाना शादी के बाद से ही छाई हुई हैं। बीते दिनों रश्मिका ने पीएम मोदी से मुलाकात की थी और अब उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से भेंट की। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने सीएम रेवंत रेड्डी से मुलाकात की तस्वीर शेयर की और उनसे मिले खास गिफ्ट का जिक्र भी किया, जो उन्हें सीएम की पत्नी गीता से मिला। दूसरी ओर, डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क भी अपनी पत्नी के साथ रेवंत रेड्डी के घर आए थे। रेवंत रेड्डी और उनकी पत्नी को बेटे की शादी में निमत्रंण दिया।

रश्मिका मंदाना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वे उनकी पत्नी गीता के साथ दिख रही हैं। फोटो में अभिनेत्री को सीएम की पत्नी की तरफ से गिफ्ट भी मिलता दिख रहा है, जो बेहद प्यारी साड़ी है।

अभिनेत्री ने प्यार लुटाती फोटो के कैप्शन में लिखा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, गीता गारू और निमिशा से मुलाकात हुई। आप लोगों के साथ समय बिताना और इतनी प्यारी बातें करना बहुत अच्छा लगा। साथ ही, खूबसूरत उपहार के लिए धन्यवाद। मैं इसे किसी खास मौके पर जरूर पहनूंगी।

माना जा रहा है कि अभिनेत्री अपने आगामी रिसेप्शन का न्योता देने के लिए सीएम से मिलने के लिए पहुंची थीं, जो 4 मार्च को होने वाला है। इससे पहले रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा दोनों ही पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिले थे। कपल ने पीएम मोदी से मुलाकात के बाद का अनुभव भी शेयर किया था। रश्मिका ने सोशल मीडिया पर पीएम मोदी द्वारा भेजा गया लेटर भी शेयर किया था।

उन्होंने लिखा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलना और उनके साथ हमारी संस्कृति और इतिहास के बारे में बातचीत करना बहुत ही खास अनुभव रहा। सबसे सुखद आश्चर्य तो वह भावपूर्ण पत्र था जो उन्होंने मेरे माता-पिता को लिखा था। कुछ पल हमेशा के लिए दिल में बस जाते हैं। अब 4 मार्च को हैदराबाद में रिसेप्शन है। माना जा रहा है कि बॉलीवुड और साउथ दोनों से बड़े स्टार्स को रिसेप्शन में देखा जा सकता है।

मसाज सेंटरों की आड़ में वेश्यावृत्ति का आरोप, नागरिकों ने जताई चिंता

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में बाल और महिला तस्करी पर रोक लगाने के लिए विशेष मानव तस्करी विरोधी शाखाएं गठित किए जाने के बावजूद नागरिकों का कहना है कि शहर के तीनों आयुक्त क्षेत्रों में संगठित वेश्यावृत्ति पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। बंजारा हिल्स, पंजागुट्टा, अमीरपेट, जुबली हिल्स, गाचीबोवली, कुकटपल्ली, कोंडापुर, हिमायतनगर, मलकपेट, दिलसुखनगर और सिकंदराबाद जैसे प्रमुख इलाकों में कई मसाज सेंटरों के वेश्यालय में बदलने के आरोप लगाए गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन गतिविधियों से व्यावसायिक इमारतों में काम करने वाले कर्मचारियों और निवासियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। एक निजी कार्यालय में कार्यरत कर्मचारी ने नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर बताया कि इमारत में आने-जाने वाले संदिग्ध लोगों के कारण महिलाएं असहज महसूस करती हैं। इसी तरह, पंजागुट्टा क्षेत्र के एक अन्य व्यक्ति ने आरोप लगाया कि कुछ केंद्रों पर आने वाले लोग महिलाओं पर भद्दी टिप्पणियां करते हैं।

मुख्य सचिव ने कलेक्टर सम्मेलन से पूर्व उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने मंगलवार को प्रस्तावित कलेक्टर सम्मेलन की तैयारियों के मद्देनज़र सोमवार को सचिवालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। सम्मेलन को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी तथा मंत्रिपरिषद के सदस्य संबोधित करेंगे।

बैठक में सम्मेलन की सुव्यवस्थित रूपरेखा, सार्थक विचार-विमर्श तथा ठोस परिणाम सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। मुख्य सचिव ने चर्चा के प्रमुख विषयों से अधिकारियों को अवगत कराते हुए सभी संबंधित विभागों को सूक्ष्म तैयारी करने के निर्देश दिए। पूर्वाह्न सत्र में जिला कलेक्टरों को आगामी जनगणना गणना प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

मुख्य सचिव ने जिला स्तर पर सटीक, पारदर्शी एवं समयबद्ध गणना सुनिश्चित करने हेतु ठोस आधारभूत तैयारी पर जोर दिया। अपराह्न सत्र में राज्य सरकार की 99 दिवसीय कार्ययोजना पर विशेष प्रस्तुति दी जाएगी, जिसमें प्राथमिकता वाले विकास कार्य, त्वरित भूमि अधिग्रहण तथा वन स्वीकृतियों की समयबद्ध प्रक्रिया पर बल रहेगा। विभागों को लक्ष्य, समय-सीमा और अनुश्रवण तंत्र सहित विस्तृत प्रस्तुति तैयार करने के निर्देश दिए गए। बैठक में 6 मार्च से 12 जून तक आयोजित होने वाले 'प्रजा पालन-प्रगति प्राणालिका' कार्यक्रम की व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की गई। इस पहल का उद्देश्य प्रशासनिक पहुंच को सुदृढ़ करना, विकास कार्यक्रमों में तेजी लाना तथा जमीनी स्तर पर सेवाओं की प्रभावी आपूर्ति सुनिश्चित करना है। जिला कलेक्टरों को इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए। बैठक में पुलिस महानिदेशक शिवधर रेड्डी सहित विभिन्न विभागों के विशेष मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री सीतक्का ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए बहु-विभागीय योजना बनाई

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की राज्य पंचायत राज, ग्रामीण विकास तथा महिला एवं बाल कल्याण मंत्री डॉ. दानसरी अनुराधा (सीतक्का) ने सोमवार को सचिवालय में व्यापक समीक्षा बैठक की, जिसमें राज्य में महिलाओं की सुरक्षा, कल्याण और सशक्तिकरण के लिए नई नीतियों को अंतिम रूप देने पर चर्चा हुई।

बैठक में वरिष्ठ अधिकारी संजय कुमार, शिका गोयल, क्रिस्टिना चोंगतु, अनिता रामाचंद्रन, प्रियंका वर्गीज, श्रुति ओझा और एसईआरपी की सीईओ दिव्या देवराजन उपस्थित थे। बैठक में मौजूदा व्यवस्था जैसे शी टीम, भरोसा केंद्र और साइबर क्राइम नियंत्रण इकाइयां प्रभावी पाई गईं, लेकिन शैक्षणिक संस्थाओं, छात्रावास, कार्यालयों, रात्रिकालीन यात्रा, डिजिटल प्लेटफार्म और असंगठित क्षेत्र में सुधार की आवश्यकता पाई गई। बैठक में शैक्षणिक और कॉर्पोरेट संस्थाओं में आंतरिक शिकायत समितियों का अनिवार्य ऑडिट सिस्टम, रात 8 बजे के बाद कार्यरत महिला कर्मचारियों के लिए जीपीएस -संलग्न सुरक्षित परिवहन, असंगठित क्षेत्र की महिलाओं के लिए विशेष पंजीकरण, आईडी कार्ड और शिकायत प्रणाली आदि पर चर्चा हुई। मंत्री ने राज्य स्तरीय महिला सुरक्षा समन्वय कार्यबल बनाने का प्रस्ताव रखा, जिसमें गृह, शिक्षा, श्रम, परिवहन, नगर प्रशासन, आईटी और स्वास्थ्य विभाग शामिल होंगे। उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के स्वास्थ्य प्रोफाइल तैयार करने और निजी क्षेत्र की महिला कर्मचारियों को कानूनी सुरक्षा के साथ मातृत्व लाभ सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मंत्री सीतक्का ने कहा, महिला सुरक्षा किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सरकार की समग्र जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की स्वीकृति के बाद जल्द ही प्रमुख योजनाएं शुरू की जाएंगी।

ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए 12.66 करोड़ का चैलेंज फंड शुरू

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रामीण गरीबी उन्मूलन संस्था (एसईआरपी) ने टीबीआईएस बीआईटीएस पिलानी हैदराबाद, टी-हब और डब्ल्यूई हब के सहयोग से ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए 12.66 करोड़ रुपये का चैलेंज फंड शुरू किया है। इस पहल में जमीनी स्तर पर महिलाओं और युवाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों पर विशेष जोर दिया गया है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के सहयोग से शुरू किए गए इस फंड का उद्देश्य 300 महिला और युवा उद्यमियों को संस्थागत सहायता प्रदान करना है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह पहल 65 लाख स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाओं को सूक्ष्म वित्त से आगे बढ़ाकर औपचारिक उद्यमिता और बड़े व्यवसायों की ओर ले जाने का प्रयास है।

'प्रजा पालन-प्रगति प्राणालिका' प्रभावी ढंग से लागू हो : जयेश

> प्रथम निगम परिषद बैठक में 30 विषयों पर स्वीकृति

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के नगर प्रशासन एवं शहरी विकास विभाग के विशेष मुख्य सचिव तथा विशेष अधिकारी जयेश रंजन ने निर्देश दिया है कि 6 मार्च से 12 जून तक संचालित होने वाली 99 दिवसीय 'प्रजा पालन-प्रगति प्राणालिका' को महानगर निगम क्षेत्र में पूर्णतः परिणामोन्मुख और प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। सोमवार को महानगर निगम मुख्यालय में उनकी अध्यक्षता में आयोजित प्रथम निगम परिषद बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में पूर्व स्थायी समिति द्वारा अनुमोदित 30 विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श कर परिषद ने उन्हें स्वीकृति प्रदान की।

विशेष मुख्य सचिव ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि 14 सप्ताह तक चलने वाले इस अभियान में प्रत्येक सप्ताह एक विशिष्ट विषय रखा जाएगा। प्रथम सप्ताह 'स्वच्छता' पर केंद्रित रहेगा। इसके अंतर्गत कचरा संवेदनशील स्थलों की पहचान कर उन्हें समाप्त करना, सार्वजनिक स्थलों पर कचरा फेंकने वालों पर दंडात्मक कार्रवाई, विद्युत अपशिष्ट का संग्रहण, झीलों और तालाबों की सफाई तथा वस्त्र अपशिष्ट एकत्रीकरण जैसे कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। स्वयं सहायता समूहों एवं स्वयंसेवकों के सहयोग से इन कार्यों को प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि युवा सप्ताह के दौरान युवाओं में कौशल विकास को बढ़ावा देने तथा नशामुक्ति के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सभी अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे 99 दिनों की विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर उच्च अधिकारियों की सतत निगरानी में कार्यक्रम को सफल बनाएं। बैठक में यह भी बताया गया कि सुशासन केंद्र दो दिनों के भीतर निगम की परिसंपत्तियों और दायित्वों के विभाजन की प्रक्रिया पूर्ण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगा। परिषद ने विभिन्न अवसंरचनात्मक एवं विकास कार्यों से संबंधित प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की। इनमें प्रमुख रूप से विभिन्न चौराहों पर उड्डानपुल और समपार पृथक्करण संरचनाओं का निर्माण, सड़क चौड़ीकरण हेतु संपत्तियों का अधिग्रहण, नालों के पुनर्निर्माण और विस्तार, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना, पार्कों का नामकरण, खेल परिसर के नाम परिवर्तन, भूमि विनिमय प्रस्ताव, जल निकासी तंत्र सुदृढ़ीकरण तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्य सम्मिलित हैं। बैठक में महानगर निगम आयुक्त आर.वी. कर्णन, अतिरिक्त आयुक्तों, मुख्य अभियंता तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

स्थायी वेतन आधारित आजीविका पर कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायत राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) ने कनाडा उच्चायोग के 'स्थानीय पहलों के लिए कनाडा कोष' (सीएफएलआई) के सहयोग से ग्रामीण भारत में ट्रांसजेंडर और लैंगिक विविध समुदायों के लिए स्थायी वेतन आधारित आजीविका के अवसरों पर राष्ट्रीय स्तर की परामर्श कार्यशाला आयोजित की।

कार्यशाला में नीति निर्माता, सरकारी अधिकारी, शिक्षाविद, लैंगिक अधिकार कार्यकर्ता, कौशल परिषदों के विशेषज्ञ, नियोक्ता और समुदाय के प्रतिनिधि शामिल हुए। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में वंचित ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए स्थायी और सम्मानजनक आजीविका के रास्ते तैयार करना था। कार्यशाला का उद्घाटन भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की पूर्व सचिव सुमिता डावरा ने किया। उन्होंने इस अवसर पर ट्रांस-आप्ति नामक वेब पोर्टल का लोकार्पण किया। यह पोर्टल आजीविका अभिरुचि आकलन, सफल आजीविका पहलों का संग्रह और प्रेरक कहानियों का दस्तावेजीकरण प्रदान करता है। श्रीमती डावरा ने संस्थान से कहा कि इस पोर्टल को राष्ट्रीय रोजगार सेवा पोर्टल के साथ जोड़ा जाए और केंद्रीय योजनाओं के साथ समन्वय स्थापित किया जाए। कनाडा कोष ने कहा कि कनाडा ट्रांसजेंडर और लैंगिक विविध समुदायों के लिए सम्मानजनक और समावेशी आजीविका के अवसर बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में संस्थान के साथ सहयोग कर गर्व महसूस करता है। कार्यशाला में कानून, नीतियां, कार्यान्वयन के ढांचे, स्वयं सहायता समूह, औपचारिक रोजगार, उद्यम स्थापित करने की संभावनाएं, सहकारी समितियों की भूमिका, चुनौतियां और मददगार कारक जैसे विषयों पर विस्तार से विचार किया गया।

प्रजावाणी शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करें : आयुक्त

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के आयुक्त आर.वी. कर्णन ने प्रजावाणी शिकायत निवारण कार्यक्रम के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों और आवेदनों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान नागरिकों से कुल 67 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 35 मुख्यालय तथा 32 विभिन्न जोनों से संबंधित थे। आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर शिकायतों का समाधान करने के निर्देश देते हुए सेवा प्रदाय में उत्तरदायित्व और तत्परता पर बल दिया। बैठक में अतिरिक्त आयुक्तों तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने तेलंगानावासियों को होली की बधाई दी

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रंगों के त्योहार होली के अवसर पर तेलंगानावासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने सोमवार को जारी संदेश में कहा कि वह आशा करते हैं कि लोग होली को उत्साह और आनंद के साथ मनाएंगे। उन्होंने बताया कि होली प्रेम, स्नेह, खुशी का त्योहार है और यह शांति व भाईचारे का प्रतीक भी है। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि वे प्राकृतिक रंगों का उपयोग करते हुए पारंपरिक तरीके से त्योहार मनाएं। रेवंत रेड्डी ने कहा कि होली जाति और धर्म के भेदभाव से ऊपर उठकर लोगों में एकता का प्रतीक भी है।

डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क ने भी दिया न्योता

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क भी अपनी पत्नी के साथ रेवंत रेड्डी के घर आए थे। रेवंत रेड्डी और उनकी पत्नी को बेटे की शादी के लिए निमत्रंण दिया।

भाजपा आफिस में गृह राज्य मंत्री बंडी संजय को स्वर्ण तेलंगाना की पुस्तक भेंट करते हुए बीजेपी लीडर एवं वाईस चेयरमैन महेश को ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड गोविन्द नारायण राठी साथ में रामराजू, करोड़ीमल नरसिंह पुरिया, गोलकोंडा प्रेसिडेंट उमा महेंद्र एवं शशि।

महाप्रबंधक ने रिपेयर शॉप तिरुपति का निरीक्षण किया

> ट्रेड यूनियन प्रतिनिधियों से ज्ञापन प्राप्त किए

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार कैरेज रिपेयर शॉप (सीआरएस), तिरुपति का विस्तृत निरीक्षण किया। इस अवसर पर एस. श्रीनिवास, मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, सीआरएस, तिरुपति, यू. सुधाकर, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक, गुंतकल मंडल तथा अन्य अधिकारी उनके साथ उपस्थित थे। महाप्रबंधक ने कैरेज रिपेयर कार्यशाला का गहन निरीक्षण करते हुए सीबीआर शॉप के कार्यों की समीक्षा की, जहां उन्होंने वंदे भारत कोचों तथा पारंपरिक एसी कोचों का निरीक्षण किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने पूरी कार्यशाला परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया और विभिन्न अनुभागों जैसे सीएफ शॉप, बोगी सेक्शन, व्हील प्रेस मशीन, एजेटीबी मशीन आदि के कार्यों की समीक्षा की। महाप्रबंधक ने आउटगोइंग शॉप में तैयार कोचों तथा बायो-टॉयलेट ओवरहॉलिंग सेक्शन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यशाला में उपलब्ध सुरक्षा उपकरणों का अवलोकन किया, कर्मचारियों से संवाद किया तथा ड्यूटी के दौरान अपनाए जा रहे सुरक्षा उपायों की जानकारी ली। कार्यशाला अधिकारियों ने महाप्रबंधक को मास्टर प्लान की जानकारी दी तथा भविष्य में कार्यशाला के विस्तार की योजनाओं से अवगत कराया। इसके उपरांत सीआरएस अधिकारियों द्वारा कार्यशाला के प्रदर्शन एवं प्रगति पर एक पावर पॉइंट प्रस्तुति दी गई तथा आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की गई। महाप्रबंधक ने ट्रेड यूनियन प्रतिनिधियों से भी बातचीत की और उनके ज्ञापन प्राप्त किए। संजय कुमार श्रीवास्तव ने उत्पादकता, गुणवत्ता, समग्र स्वच्छता में सुधार तथा यात्री सुरक्षा को बढ़ाने हेतु तकनीकी उन्नयन के प्रयासों के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम की सराहना की।

मोठकुराओपेट वन क्षेत्र में बाघ की दस्तक, तीन बैलों पर हमला

जगतियाल, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भीमराम मंडल के मोठकुराओपेट वन क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से बाघ की मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत है। वन अधिकारियों ने इलाके में मिले पदचिह्नों की जांच के बाद बाघ की उपस्थिति की पुष्टि की है। जानकारी के अनुसार, करीब एक सप्ताह पहले यह बाघ क्षेत्र में देखा गया था। शनिवार रात को यह फिर गांव के बाहरी इलाके में पहुंचा और तीन बैलों पर हमला कर दिया। मवेशियों के शोर मचाने पर बाघ वहां से भाग गया। 21 फरवरी को किसानों को अपने खेतों के पास बाघ के पदचिह्न मिले थे। उन्होंने इसकी सूचना वन विभाग को दी। बांदागुट्टा और मैसम्मा मंदिर के आसपास भी बाघ के निशान मिले थे। अधिकारियों ने बैलों के शरीर पर मिले निशान और चोटों की जांच के बाद बाघ की गतिविधि की पुष्टि की।

गांवों में बंदरों और कुत्तों से बढ़ी परेशानी, सरपंचों ने शुरू किए नए प्रयोग

करीमनगर, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के ग्रामीण इलाकों में नव निर्वाचित सरपंचों के सामने बंदरों और आवारा कुत्तों की समस्या बड़ी चुनौती बन गई है। गांवों में बंदरों का आतंक बढ़ने से लोग परेशान हैं। पंचायत चुनाव के दौरान उम्मीदवारों से इस समस्या पर सवाल पूछे गए थे और कई ने जीत के बाद समाधान का वादा किया था। वादे पूरे करने के लिए अब सरपंच अलग-अलग तरीके अपना रहे हैं। कुछ गांवों में प्रशिक्षित बंदर पकड़ने वालों को बुलाया गया है। वहीं कई जगह बंदरों को डराने के लिए गोरिल्ला की पोशाक पहनकर लोगों को गांव में घुमाया जा रहा है, जिससे बंदर भाग जाएं। शंकरपटनम मंडल के करीमपेट गांव में इस तरीके से अच्छे नतीजे मिलने के बाद पंचायत ने एक और व्यक्ति को इसी काम के लिए रखने का फैसला किया है। मंथानी ग्रामीण मंडल के गुंजापडुगु, थंगल्लापल्ली मंडल के मंडेपल्ली और घंबिराओपेट मंडल के नागमपेट समेत कई गांवों में यह तरीका अपनाया जा रहा है। नागमपेट में सरपंच मद्दूला नागिरेड्डी खुद गोरिल्ला की पोशाक पहनकर गांव में घूमे और बंदरों को भगाया। हालांकि बंदरों से कुछ समय के लिए राहत मिली है, लेकिन आवारा कुत्तों की समस्या अभी भी बनी हुई है। कुछ जिलों में कुत्तों को जहर देकर मारने की खबरों से विवाद हो गया है। पशु अधिकार कार्यकर्ताओं की शिकायत के बाद पुलिस ने मामले दर्ज किए हैं। जगतियाल जिले के पेगाडापल्ली में 22 जनवरी को आवारा कुत्तों को जहरीले इंजेक्शन देकर मारने के आरोप में केस दर्ज किया गया है।

पूर्व तट रेलवे
नीलामी सूचना
नीलामी सूची सं. CAT-PARK-00095
लॉट नं./वर्ग: PARKING-WAT-BGHU-MX-152-26-1 (Parking - Mixed)
विवरण: बोरीगुम्मा स्टेशन पर (साइकिल, दो पहिया एवं चार पहिया वाहन) के लिए पार्किंग, (दो पहिया) किराये और बुलाई की सुविधा।
ट्रिप्स/दिन : 1096, लॉट प्रारंभ होने की तिथि व समय : 11.03.2026 को 1100 बजे, लॉट बंद होने की तिथि : 11.03.2026 को 1130 बजे, न्युनतम वृद्धि : 0.2%
उपरोक्त ई-नीलामी सूचना का संपूर्ण विवरण वेबसाइट : https://www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।
वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर
PR-1185/Q/25-26

पूर्व तट रेलवे
सूचना सं. eT-West-WAT-03-2026
दिनांक : 25.02.2026
कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के KK-II लाइन पर सहायक मण्डल अभियंता/ जगदलपुर के अधिकार क्षेत्र में जगदलपुर स्टेशन में रनिंग रूम का विस्तार।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 3,03,20,597.37, EMD : ₹ 3,01,600.00, कार्य पुरा होने की अवधि : 08 महीने।
निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 20.03.2026 को 1500 बजे।
ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।
उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगी।
द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है ...
मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर
PR-1181/Q/25-26

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaartha2006@gmail.com
svaartha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत को सेमीफाइनल तक पहुंचाने वाले 5 हीरोज

सैमसन ने विंडीज से 'करो या मरो' मैच जिताया; बुमराह-ईशान ने पाकिस्तान को हराया

मुंबई, 2 मार्च (एजेंसियां)। डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने छठी बार टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली। टीम इंडिया ने अपने अभियान का आगाज लीग स्टेज के तीनों मैच जीतकर किया। लेकिन, सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम पहला सुपर-8 मैच साउथ अफ्रीका से हार गई।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मिली हार के बाद टीम इंडिया की सेमीफाइनल में पहुंचने की राह मुश्किल हो गई थी। इसके बाद उसने लगातार दो मैच जीतकर टॉप-4 में एंट्री की। स्टोरी में इंडिया को सेमीफाइनल में पहुंचाने वाले 5 हीरोज...

संजू सैमसन- मैच विनिंग पारी खेली

कोलकाता में भारत-वेस्टइंडीज का मैच करो या मरो था। टॉस हारकर पहले बैटिंग कर रही कैरेबियाई टीम ने 20 ओवर में 195 रन बनाए। संजू सैमसन 196 रन चेज कर रही भारतीय टीम से ओपन करने उतरे और मैच जिताकर लौटे। सैमसन ने 50 बॉल पर नाबाद 97 रनों की पारी खेली। सैमसन 3 मैच में एक फिफ्टी के सहारे 143 रन बना चुके हैं।

जसप्रीत बुमराह : पाकिस्तान के खिलाफ दो विकेट झटके

14 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में इंडिया ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 175 रन बनाए। 176 रन चेज कर रही पाकिस्तान ने एक रन पर साहिबजादा फरहान का विकेट गंवाया। अगले ही ओवर में बुमराह ने सईम अयूब (6 रन) और कप्तान कप्तान सलमान अली आगा (4 रन) को पवेलियन भेजकर पाकिस्तान को दबाव में डाल दिया। इससे पाकिस्तानी टीम उबर नहीं सकी और 61 रन से हार गई। इस जीत ने भारत को सुपर-8 में पहुंचा दिया।

ईशान किशन : नामीबिया, पाकिस्तान के खिलाफ फिफ्टी

ईशान मौजूदा वर्ल्ड कप में भारत के टॉप स्कोरर की लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने नामीबिया के खिलाफ 61 और पाकिस्तान के खिलाफ 77 रन बनाए। वे पाकिस्तान के खिलाफ अभिषेक शर्मा के साथ ओपन करने उतरे। लेकिन अभिषेक जीरो पर आउट हो गई।

ऐसे में ईशान ने तिलक वर्मा के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी ने टीम इंडिया को 175 रन के स्कोर तक पहुंचाया।

वरुण चक्रवर्ती : भारत के टॉप विकेट टेकर्स

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के टॉप-3 विकेट टेकर्स में शामिल हैं। भारत के टॉप विकेट टेकर हैं। अब तक खेले गए 7 मैचों में 12 विकेट चटका चुके हैं। नामीबिया और नीदरलैंड के खिलाफ 3-3 विकेट लिए थे। पाकिस्तान के खिलाफ भी 2 विकेट चटकाए थे।

हार्दिक पंड्या : 2 फिफ्टी, 6 विकेट भी झटके

बैट और बॉल दोनों से योगदान दिया। अब तक खेले गए 7 मैचों में 172 रन बनाए। इनमें दो फिफ्टी शामिल रही। उन्होंने 156.36 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। पंड्या ने नई बॉल से गेंदबाजी की। पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में साहिबजादा फरहान को पहले ही ओवर में जीरो पर पवेलियन भेज दिया। पंड्या अब तक 6 विकेट ले चुके हैं।

सेमीफाइनल के लिए आईसीसी का नियम

जिसके चलते दोपहर में ही शुरू हो जाएगा मैच

मुंबई, 2 मार्च (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 अब अपने आखिरी स्टेज में पहुंच गया है. चार सप्ताह के रोमांचक क्रिकेट के बाद आखिरी चार टीमों का फैसला हो चुका है. डिफेंडिंग चैंपियन भारत, साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड अब ट्रॉफी की रेस में बची हैं. अब सभी नॉकआउट मैच भारत में खेले जाएंगे. पहला सेमीफाइनल साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच होगा. फिर दूसरे सेमीफाइनल में भारत-इंग्लैंड की टीमें भिड़ेंगी. इन दोनों मैचों की विजेता टीम फाइनल में टकराएंगी. दोनों सेमीफाइनल में रिजर्व डे रखा गया है. आईसीसी ने मौसम को ध्यान में रखते हुए ये नियम बनाए हैं. हालांकि, मैच को निर्धारित दिन पर पूरा करने की पूरी कोशिश की जाएगी, जरूरत पड़ने पर ओवर कम भी किए जा सकते हैं.आईसीसी ने मैच को पूरा करने के लिए एक्सट्रा टाइम दिया है, ताकि रिजर्व डे का इस्तेमाल कम से कम हो. निर्धारित दिन पर 90 मिनट और रिजर्व डे पर 120 मिनट का एक्सट्रा टाइम मिलेगा. हालांकि, नतीजे के लिए दोनों टीमों को कम से कम 10 ओवर बल्लेबाजी करनी होगी. अगर रिजर्व डे पर मैच जाता है, तो खेल उसी स्थिति से रिज्यूम होगा जहां पहले दिन पर रुकेगा.

बता दें, ये दोनों सेमीफाइनल मैच भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे से खेले जाएंगे. लेकिन मुकाबला रिजर्व डे पर जाता है तो समय में बदलाव किया जाएगा. दरअसल, रिजर्व डे पर मुकाबले की शुरुआत दोपहर 3 बजे से ही कर दी जाएगी.

अगर मैच रिजर्व डे पर जाता है, तो दो स्थितियां हो सकती हैं. अगर मैच निर्धारित दिन पर शुरू हो गया था तो मैच उसी पॉइंट से जारी रहेगा, जहां से रुका था. अगर, मैच डे पर ओवर कम किए गए थे तो रिजर्व डे पर भी उतने ही ओवर लागू रहेंगे. दूसरी स्थिति ये है कि अगर मैच निर्धारित दिन पर कम ओवर में शुरू नहीं हुआ या खेल बिल्कुल शुरू नहीं हो सका था, तो रिजर्व डे पर मैच 20-20 ओवर का ही खेला जाएगा. अगर रिजर्व डे भी इस्तेमाल हो जाए और फिर भी नतीजा न निकले, तो ग्रुप पोजीशन के आधार पर आगे वाली टीम तय होगी.

ऑल इंग्लैंड में नहीं खेलेंगी पीवी सिंधू!

कोर्ट में उतरने से पहले ही क्यों आई बाहर होने की नौबत?

नई दिल्ली, 2 मार्च (एजेंसियां)। ईरान-इस्राइल-यूएस के बीच बढ़ते सैन्य तनाव का असर अब खेल जगत पर भी साफ दिखने लगा है। बर्मिंघम में शुरू हो रही प्रतिष्ठित ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप से पहले भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधू दुबई में फंस गई हैं। खाड़ी क्षेत्र में हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण वह समय पर इंग्लैंड नहीं पहुंच सकीं हैं और उनके टूर्नामेंट से हटने की आशंका है। बताया जा रहा है कि दुबई में उनके ठहरने के स्थान के पास विस्फोट भी हुआ था, जिसके बाद उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया।

विश्व बैडमिंटन महासंघ ने बयान जारी कर कहा, 'हम स्थिति पर रीयल-टाइम नजर बनाए हुए हैं और जिन खिलाड़ियों को देरी या रूट बदलने की समस्या हो रही है, उनकी मदद के लिए तैयार हैं।' सिंधू का पहला मुकाबला थाईलैंड की सुपनिदा कातेथोंग से होना था, लेकिन मौजूदा हालात में उनका कोर्ट पर उतरना मुश्किल नजर आ रहा है।

लक्ष्य और अन्य खिलाड़ियों के सामने कड़ी चुनौती

जहां सिंधू की भागीदारी संदिग्ध है, वहीं लक्ष्य सेन और युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी वैकल्पिक मार्ग से बर्मिंघम पहुंच चुके हैं। लक्ष्य का सामना पहले ही दौर में विश्व नंबर-1 शी यूकी से होगा। महिला एकल में मालविका बंसोड़ को ओलंपिक चैंपियन चेन यूफे से भिड़ना है। उन्नति हुड्डा की फ्लाइट रद्द होने के कारण उन्हें अफ्रीका के रास्ते लंबी यात्रा करनी पड़ी, जिससे जेट लैग का असर पड़ सकता है। पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी मलयेशिया के खिलाफ अभियान शुरू करेगी।

ऑल इंग्लैंड का खिताब अब तक केवल दो भारतीय जीत सके हैं। इनमें प्रकाश पादुकोण (1980) और पुलेला गोपीचंद (2001) शामिल हैं। हाल के वर्षों में साइना नेहवाल और लक्ष्य सेन उपविजेता रह चुके हैं, लेकिन खिताब अब भी दूर है।

ईरान-इस्राइल-यूएस संघर्ष ने यह दिखा दिया है कि वैश्विक राजनीति का असर खेल आयोजनों पर भी पड़ सकता है। खिलाड़ियों की सुरक्षा और यात्रा व्यवस्था अब बड़ी चुनौती बन चुकी है। सिंधू के अलावा इंग्लैंड क्रिकेट टीम के स्टार खिलाड़ी जॉनी बेयरस्टो भी अबू धाबी में फंस गए। वह इंग्लैंड लायंस के कोच के तौर पर अबू धाबी पहुंचे थे। वहां इंग्लैंड लायंस को पाकिस्तान-ए टीम के खिलाफ वनडे खेलना था। हालांकि, मैच भी रद्द हो गया। बेयरस्टो ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री से मदद की गुहार भी लगाई है।

ईरान फीफा वर्ल्ड कप का बॉयकॉट कर सकता है

फेडरेशन प्रेसिडेंट बोले जंग के बीच अमेरिका में फुटबॉल खेलना मुश्किल

खेल डेस्क, 2 मार्च (एजेंसियां)। फुटबॉल की दुनिया के सबसे बड़े टूर्नामेंट 'फीफा वर्ल्ड कप 2026' पर युद्ध का साया मंडराने लगा है। इजरायल और अमेरिका के हमलों के कारण ईरान टूर्नामेंट का बॉयकॉट कर सकता है। ईरान फुटबॉल फेडरेशन के प्रेसिडेंट मेहदी ताज ने कहा है कि मौजूदा हालातों में नेशनल टीम का अमेरिका जाकर फुटबॉल खेलना बेहद मुश्किल है। वर्ल्ड कप 11 जून से 19 जुलाई के बीच अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में खेला जाएगा। ईरान को अपने तीनों मैच अमेरिका में ही खेलने हैं।

उम्मीद के साथ वर्ल्ड कप नहीं देख सकते- मेहदी

ईरानी स्पोर्ट्स वेबसाइट 'वर्ज़िश-3' से बातचीत में मेहदी ताज ने कहा, ₹इस हमले के बाद हमसे यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि हम आशा और उत्साह के साथ वर्ल्ड कप की ओर देखें।

अमेरिका और इजरायल के हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए। इससे पूरे मिडिल ईस्ट में तनाव का माहौल बन गया।

ट्रंप सरकार ने ट्रैवल बैन भी लगाया

ईरान के लिए स्पोर्ट्स के अलावा राजनीतिक परेशानियां भी कम नहीं हैं। ट्रंप सरकार ने ईरानी फैंस को देश में एंट्री देने से मना कर दिया है। ऐसे में ईरानी टीम का अमेरिका जाकर खुलकर खेल पाना भी मुश्किल लग रहा है।

अमेरिका में होने हैं ईरान के मैच

ईरान को वर्ल्ड कप के लिए ग्रुप-जी में रखा गया है। शेड्यूल के मुताबिक, ईरान को अपने मुकाबले अमेरिकी शहरों में ही खेलने हैं:

15 जूनः vs न्यूजीलैंड; वेन्यू- इंग्लवुड, कैलिफोर्निया

21 जूनः vs बेल्जियम; वेन्यू- इंग्लवुड, कैलिफोर्निया

26 जूनः vs इजिप्ट; वेन्यू- सिएटल

फीफा ने अब तक कुछ नहीं कहा

वर्ल्ड कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में होना है। ईरान-इजरायल के मामले पर इंटरनेशनल फुटबॉल फेडरेशन ने कोई ऑफिशियल बयान नहीं दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अगर ईरान ने टूर्नामेंट से नाम वापस लिया तो फीफा को फाइनेंशियल नुकसान उठाना पड़ सकता है।

क्रिकेट वर्ल्ड कप में बांग्लादेश बॉयकॉट कर चुका

खेल जगत में यह पहला मौका नहीं है जब कोई देश वर्ल्ड कप बॉयकॉट करने के बारे में सोच रहा हो। पिछले महीने ही बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने सुरक्षा कारणों को हवाला देते हुए भारत में टी-20 वर्ल्ड कप खेलने से मना कर दिया था। जिसके बाद इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में एंट्री दे दी।

सनथ जयसूर्या श्रीलंका का हेड कोच पद छोड़ेंगे

टी-20 वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन के बाद इस्तीफा

कोलंबो, 2 मार्च (एजेंसियां)। श्रीलंका क्रिकेट के दिग्गज और हेड कोच सनथ जयसूर्या ने अपने पद से हटने का फैसला कर लिया है। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में श्रीलंका के खराब प्रदर्शन और सुपर-8 में बगैर जीत से बाहर होने के बाद जयसूर्या ने बड़ा कदम उठाया। पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी वर्ल्ड कप मैच में मिली 5 रन की करीबी हार के बाद जयसूर्या प्रेस कॉन्फ्रेंस करने पहुंचे। जहां उन्होंने साफ कर दिया कि वे अब इस जिम्मेदारी को आगे नहीं बढ़ाना चाहते।

जयसूर्या ने बताया कि इस बारे में श्रीलंका क्रिकेट को भी जानकारी नहीं दी। वे बोले, "मेरा कॉन्ट्रैक्ट जून 2026 तक है, लेकिन मुझे लगता है कि अब यह जिम्मेदारी किसी और को सौंपने का सही समय आ गया है। मैंने दो महीने पहले इंग्लैंड सीरीज के दौरान ही मन बना लिया था कि मैं ज्यादा समय तक इस पद पर नहीं रहूंगा।"

टी-20 वर्ल्ड कप में सह-मेजबान श्रीलंका से फैंस को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन टीम का ग्राफ लगातार गिरता गया। सुपर-8 राउंड में श्रीलंका को इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान से लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा। पल्लेकेले में पाकिस्तान के खिलाफ 213 रनों का पीछा करते हुए टीम जीत के करीब तो पहुंची, लेकिन लाइन क्रॉस नहीं कर सकी। ग्रुप स्टेज में श्रीलंका ने 2021 की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को जरूर हराया, लेकिन टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबला नहीं जीत सकी।

जयसूर्या ने भावुक होते हुए कहा, मैं वर्ल्ड कप को अच्छे नोट पर खत्म करना चाहता था, लेकिन वैसा नहीं कर पाया जैसा सोचा था। मुझे इस बात का दुख है। जयसूर्या का बतौर कोच सफर काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा। 2024 वर्ल्ड कप के बाद जब उन्होंने कमान संभाली थी, तब टीम ने भारत के खिलाफ 27 साल बाद वनडे सीरीज जीतकर इतिहास रचा था। न्यूजीलैंड को टेस्ट सीरीज में 2-0 से धोया और टीम रैंकिंग में भी सुधार किया।

जयसूर्या ने बताया, जब मैं आया था, तब वनडे रैंकिंग में हम 9वें नंबर पर थे, मैंने टीम को नंबर-4 तक पहुंचाया। टेस्ट में भी हम छठे नंबर पर आए, लेकिन इस वर्ल्ड कप की नाकामी ने सब बदल दिया।

श्रीलंका बोर्ड अब किसी विदेशी कोच की तलाश में है। जयसूर्या 13 मार्च से शारजाह में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली लिमिटेड ओवर सीरीज में टीम के साथ बने रह सकते हैं। हालांकि, जयसूर्या ने साफ कर दिया है कि अगर बोर्ड को कोई बेहतर कोच मिलता है, तो उन्हें जरूर मौका देना चाहिए।

सैमसन सेंचुरी नहीं, जीत के लिए खेले- हफीज: तेंदुलकर बोले- संजू को देखना शानदार अनुभव; प्रेशर में निखरे सैमसन- वसीम जाफर

मुंबई, 2 मार्च (एजेंसियां)। भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराया और सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। कोलकाता में संजू सैमसन भारत के हीरो रहे, जिन्होंने 97 रन की नॉटआउट इनिंग खेली। भारत की जीत पर क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर ने कहा कि संजू की बैटिंग देखना शानदार अनुभव रहा। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद हफीज ने भी सैमसन की तारीफ की, उन्होंने कहा कि संजू सेंचुरी नहीं, टीम की जीत के लिए खेले। वहीं भारत के वसीम जाफर बोले, संजू ने प्रेशर सिचुएशन में अपनी बेस्ट पारी खेली।

सचिन तेंदुलकर बोले- संजू को देखना शानदार अनुभव

क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर ने कहा, 'सेमीफाइनल स्पॉट लाइन पर थी, और लड़कों ने बेहतरीन खेल दिखाया। दोनों ही पारियों के डेथ ओवर्स में हम आगे रहे। संजू सैमसन के शांत स्वभाव को देखना एक शानदार अनुभव रहा। इस तरह की पारियां टीम में नई जान फूंक देती है। सभी बेहतरीन खेले। अब सेमीफाइनल की बारी है।'

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद हफीज ने कहा, संजू कभी पर्सनल माइलस्टोन के लिए नहीं खेल रहे थे। उन्होंने टीम की जरूरत के हिसाब से बैटिंग की। वे सेंचुरी के लिए नहीं, बस जीत के लिए खेले। उनमें शतक बनाने का लालच नजर ही नहीं आया, बड़े प्लेटफॉर्म पर यही चीजें आपको बाकी प्लेयर्स से अलग और बेस्ट बनाती हैं।

टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने कहा, संजू ने 12 से 19 ओवर के बीच एक भी शॉट हवा में नहीं खेला। बगैर रिस्क के बाउंड्री लगाईं और बेहतरीन कंट्रोल में बैटिंग की। संजू ने आज प्रोपर चेजिंग मास्टरक्लास दिखाई।

भारत के पूर्व टेस्ट खिलाड़ी वसीम जाफर ने कहा, संजू सैमसन मुश्किल सिचुएशन में आगे आए। प्रेशर में जिस शांति के साथ संजू ने अपनी परफॉर्मेंस को निखारा, उसकी तारीफ होनी चाहिए। वे खुद में विश्वास कर रहे थे कि टीम को जीत दिलाकर ही मानेंगे। ईडन गार्डन्स के हजारों दर्शकों के सामने संजू ने एक यादगार पारी खेली।

वर्ल्ड चैंपियन युवराज सिंह ने कहा, वर्ल्ड कप में बहुत ज्यादा मौके नहीं मिले, लेकिन संजू वहां खड़े रहे, जहां टीम को सबसे ज्यादा जरूरत थी। उन्होंने अपनी बेस्ट पारी खेली और चैंपियन खिलाड़ी का माइंडसेट दर्शाया। तैयार रहिए, शांत रहिए और विश्वास करना कभी मत छोड़िए। संजू आप पर गर्व है।

भारत के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा, भारत के लिए करो या मरो मैच में संजू सैमसन ही खिलाड़ी हैं। उन पर किसी का फोकस नहीं रहा, लेकिन उन्होंने खुद को गेमचेंजर साबित किया। उन्होंने बताया कि दुनिया में देर है, अंधेर नहीं। वे कोशिश करते रहे, हार नहीं मानी और भारत के लिए सबसे मुश्किल सिचुएशन में अपनी बेस्ट पारी खेली।

मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा, हमारी मिट्टी में एक स्पेशल पावर है जिसे कोई कम नहीं कर सकता। वे देश के लिए और भी ऊंचाइयां हासिल करें। संजू सैमसन को हार्दिक बधाई!

केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने संजू की पारी का एक वीडियो शेयर किया और लिखा, एक ही नाम- संजू सैमसन।

मोहम्मद आमिर ने भारत-इंग्लैंड सेमीफाइनल से पहले फिर उगला जहर!

खेल डेस्क, 2 मार्च (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत ने 1 मार्च को वेस्टइंडीज पर जीत दर्ज की और सेमीफाइनल का टिकट कटाया. वेस्टइंडीज ने टीम इंडिया के सामने 196 रनों का लक्ष्य रखा था. भारत ने 4 गेंद रहते 5 विकेट से जीत दर्ज की. टीम इंडिया अब फाइनल खेलने और ट्रॉफी जीतने के करीब है. पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर भारत की जीत और सेमीफाइनल में एंट्री से बौखलाए हुए हैं. उन्होंने चौंकाने वाली भविष्यवाणी करते हुए दावा किया कि टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप नहीं जीतेगी.

मोहम्मद आमिर ने भारत-वेस्टइंडीज महामुकाबले से पहले दावा किया था कि सूर्या एंड कंपनी हार जाएगी. हालांकि, आमिर की भविष्यवाणी गलत हो गई और टीम इंडिया ने जीत दर्ज की. इसी वजह से वो बौखलाए हुए नजर आए और उन्होंने दावा ठोक दिया कि टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप नहीं जीतेगी. उन्होंने कहा, 'भारत अच्छा क्रिकेट नहीं खेल रहा है. उनकी गेंदबाजी कमजोर पड़ रही है.

भारत में 1 टेस्ट और 3 वनडे खेलेगा अफगानिस्तान

धर्मशाला, मुल्लांपुर, चेन्नई और लखनऊ को मेजबानी; 6 से 20 जून के बीच होंगे मुकाबले

मुंबई, 2 मार्च (एजेंसियां)। अफगानिस्तान टीम 6 से 20 जून के बीच भारत में 1 टेस्ट और 3 वनडे खेलेगी। आईपीएल का 19वां सीजन खत्म होने के बाद सीरीज शुरू होगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने शेड्यूल रिलीज करते हुए बताया कि मुल्लांपुर में टेस्ट मैच से सीरीज शुरू होगी। फिर धर्मशाला, लखनऊ और चेन्नई में 3 वनडे खेले जाएंगे। बीसीसीआई ने मीडिया रिलीज में बताया कि महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 6 से 10 जून तक टेस्ट मैच होगा। फिर 14 जून को एचपीसीए स्टेडियम में पहला वनडे, 17 जून को इकाना स्टेडियम में दूसरा वनडे और 20 जून को चेपॉक स्टेडियम में तीसरा वनडे खेला जाएगा। सभी वनडे दोपहर 1.30 बजे से शुरू होंगे। टीम इंडिया फिलहाल होमग्राउंड पर टी-20 वर्ल्ड कप खेल रही है। भारत ने रविवार को सुपर-8 स्टेज मैच में वेस्टइंडीज को हराया और सेमीफाइनल में जगह बनाई। जहां टीम का सामना 5 मार्च को इंग्लैंड से होगा, मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। टूर्नामेंट का फाइनल 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। दूसरी ओर अफगानिस्तान टीम ग्रुप स्टेज भी पार नहीं कर सकी। टीम को न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के खिलाफ हार मिली। अफगानिस्तान ने यूएई और कनाडा को जरूर हराया, लेकिन ये जीत सुपर-8 स्टेज में पहुंचने के लिए काफी नहीं थीं।

ॉअफगानिस्तान ने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत ही टीम इंडिया के खिलाफ मैच से की थी। 2018 में बेंगलुरु के मैदान पर भारत ने पारी और 262 रन से मुकाबला जीत लिया था। तब से अफगानिस्तान ने 13 टेस्ट खेले, 4 जीते और 7 गंवा दिए। जबकि 2 ड्रॉ रहे।

क्या पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर लगा 50-50 लाख का जुर्माना?

टी20 विश्वकप से बाहर होने पर पीसीबी सख्त

कराची, 2 मार्च (एजेंसियां)। टी20 विश्वकप 2026 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बड़ा कदम उठाया है। सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहने पर टीम के प्रत्येक खिलाड़ी पर 50 लाख पाकिस्तानी रुपये (करीब 16 लाख भारतीय रुपये) का जुर्माना लगाया गया है। यह फैसला भारत के खिलाफ ग्रुप स्टेज हार और सुपर-8 में इंग्लैंड से मिली शिकस्त के बाद लिया गया। हालांकि, टीम ने श्रीलंका के खिलाफ करीबी जीत दर्ज की, लेकिन वह सेमीफाइनल की राह नहीं खोल सकी। बताया जा रहा है कि बोर्ड के अधिकारी टीम के प्रदर्शन से बेहद नाराज थे और लगातार आईसीसी टूर्नामेंट्स में असफलता को देखते हुए यह सख्त कदम उठाया गया। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान जावेद मियांदाद ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा, 'आपको दो साल में एक मौका मिलता है कि अपने देश के क्रिकेट की छाप छोड़ सकें और आप फिर असफल हो जाते हैं। यह देखना बेहद निराशाजनक है।' उन्होंने आगे कहा कि टी20 अब बेहद योजनाबद्ध प्रारूप बन चुका है और पाकिस्तान के खिलाड़ी बाकी टीमों के स्तर तक नहीं पहुंच पा रहे हैं।

पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ ने भी चयन नीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'कुछ खिलाड़ियों को खुद को साबित करने के लिए बहुत ज्यादा मौके दिए गए, लेकिन वे बड़े टूर्नामेंट में प्रदर्शन नहीं कर पाए। अब आगे बढ़ने और गलतियों से सीखने का समय है।' वहीं मोईन खान ने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'जब तक आप ऊंची रैंकिंग वाली टीमों को हराने की क्षमता नहीं रखते, तब तक आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत सकते। चयन और मैदान दोनों जगह हमने बहुत गलतियां कीं।'

कांग्रेस कार्यकर्ता बीजेपी की 'सांप्रदायिक राजनीति' का मुकाबला करें : राहुल गांधी

डीसीसी अध्यक्ष प्रशिक्षण शिविर का समापन

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे सत्तारूढ़ भाजपा की सांप्रदायिक और विभाजनकारी राजनीति के खिलाफ सैद्धांतिक और जन-स्तरीय संघर्ष करें।

विकाराबाद में डीसीसी अध्यक्ष प्रशिक्षण शिविर के समापन सत्र को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के मूल सिद्धांत शांति, अहिंसा, सत्य और समानता हैं। उन्होंने कहा कि ये मूल्य प्रत्येक पार्टी कार्यकर्ता के आचरण और जनता तक पहुँच में मार्गदर्शक होने चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जाति, धर्म, वर्ग, लिंग, गरीब या अमीर में भेदभाव किए बिना समानता के लिए खड़ी है। नेताओं को अहंकार त्यागकर लोगों के बीच काम करना चाहिए। पार्टी की ताकत जनता से आती है और जनता की ताकत पार्टी से कांग्रेस चुनाव चिन्ह अभय मुद्र का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यह सुरक्षा और आश्वासन का प्रतीक है, जो सभी धर्मों में सामंजस्य का संदेश देता है। उन्होंने डीसीसी अध्यक्ष के पद को केवल स्थिति नहीं, बल्कि जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि ईमानदार और मेहनती कार्यकर्ताओं के लिए उच्च नेतृत्व तक पहुँच के द्वार खुले हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि उनका कार्य शैली जनता का विश्वास जीतने योग्य हो। उन्होंने पार्टी संरचना में महिलाओं को प्राथमिकता और सम्मान देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। भाजपा पर सीधे हमले करते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि यह पार्टी सत्ता पाने के लिए नफरत और सामाजिक विभाजन का लाभ उठाती है। वे लोगों के बीच मतभेद पैदा कर सत्ता तक पहुँचते हैं। हमें सतर्क रहना चाहिए, ऐसे प्रयासों का विरोध करना चाहिए और देश की रक्षा करनी चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि वे प्रत्येक महीने 30 गांवों का दौरा करेंगे और जनता से संवाद करेंगे। उन्होंने डीसीसी कार्यालयों में शिकायत निवारण सेल स्थापित करने का आह्वान किया। उन्होंने पार्टी नेताओं को बूथ से जिला स्तर तक की समितियों का गठन दो महीने में पूरा करने का निर्देश दिया और कांग्रेस विचारधारा को तक पहुँचाने का संकल्प लिया। साथ ही, राहुल गांधी ने किसानों के मुद्दों के लिए लड़ने, केन्द्र द्वारा रोजगार गारंटी योजना रद्द करने का विरोध करने, अमेरिका-भारत समझौतों से होने वाले नुकसान को उजागर करने और शहरी क्षेत्रों में गिग श्रमिकों की समस्याओं को उठाने का संकल्प दोहराया।

राहुल गांधी के दौरे से पहले छात्र नेताओं की हिरासत शहर में हल्का तनाव

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी के दौरे के बाद शहर के कुछ हिस्सों में हल्का तनाव व्याप्त रहा, क्योंकि पुलिस ने सोमवार तड़के से ही बेरोजगार छात्र संघों के कई नेताओं को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने अशोक नगर में रहने वाले छात्र संघ नेता कोडंगल रवि को सुबह करीब 5 बजे हिरासत में लिया। खबरों के मुताबिक अधिकारियों ने आशंका जताई थी कि राहुल गांधी के दौरे के दौरान विरोध प्रदर्शन हो सकते हैं, इसी के आधार पर यह कार्रवाई की गई। बेरोजगार छात्रों ने इस कदम की कड़ी निंदा करते हुए आरोप लगाया कि गिरफ्तारियां अवैध थीं और बिना किसी पूर्व सूचना के की गईं। उनका कहना है कि वे शांतिपूर्वक अपनी मांगें रखना चाहते थे, लेकिन मनमानी कार्रवाई के जरिए उन्हें रोका गया। राजनीतिक दौरे को देखते हुए शहर के कई इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। हालांकि, अधिकारियों की ओर से गिरफ्तारियों के संबंध में अभी तक कोई विस्तृत बयान जारी नहीं किया गया है।

सूर्यापेट खनन ब्लॉकों की ई-नीलामी रद्द करने की मांग

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने सूर्यापेट जिले में खनन ब्लॉकों की ई-नीलामी में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए नीलामी को तुरंत रद्द करने और स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि पूरी प्रक्रिया में गंभीर खामियां और नियमों का उल्लंघन हुआ है। खनन एवं भूविज्ञान विभाग ने 30 अगस्त 2024 को जिन ब्लॉकों की नीलामी अधिसूचित की थी, उनमें पसुपुलबोडु, सैदुलनामा और सुल्तानपुर ब्लॉक शामिल हैं। बताया गया है कि करीब 1,100 एकड़ क्षेत्र आरक्षित वन भूमि के अंतर्गत आता है, जिससे पर्यावरण और कानून से जुड़ी चिंताएं बढ़ गई हैं।

ए रेवंत रेड्डी को लिखे खुले पत्र में रामाराव ने कहा कि नीलामी दस्तावेजों में जरूरी जानकारियां नहीं दी गईं। इनमें सटीक सीमा निर्देशांक, वन खंड विवरण, डीजीपीएस आधारित सीमांकन, भू-निर्देशांक और खनिज संसाधनों की विस्तृत भूवैज्ञानिक रिपोर्ट शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी चूक पारदर्शिता को कमजोर करती है। रामाराव ने यह भी आरोप लगाया कि लंबित कानूनी मामलों के बावजूद नीलामी प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। उन्होंने तेलंगाना उच्च न्यायालय में दायर जनहित याचिका का हवाला देते हुए कहा कि अदालत के निर्देशों का सही तरीके से पालन नहीं किया गया। उन्होंने सैदुलनामा ब्लॉक के लिए डेक्कन सीमेंट्स लिमिटेड और सुल्तानपुर ब्लॉक के लिए एनसीएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चयन पर भी सवाल उठाए। उनका दावा है कि इन कंपनियों के खिलाफ वन क्षेत्रों में उल्लंघन से जुड़े मामले लंबित हैं। रामाराव ने कहा कि वन विभाग से अनिवार्य अनापत्ति प्रमाण पत्र लिए बिना नीलामी करना गलत है। उन्होंने मांग की कि नई अधिसूचना तभी जारी की जाए जब पूरा सीमांकन, वैज्ञानिक सर्वेक्षण और पर्यावरण मंजूरी की प्रक्रिया पूरी हो जाए।

तेलंगाना में 'बुलडोजर राज' का आरोप

> राहुल गांधी से जवाब की मांग

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस संसदीय दल के उपनेता और राज्यसभा सांसद वद्दीराजू रविचंद्र ने कांग्रेस सरकार पर तेलंगाना में 'बुलडोजर राज' चलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने मांग की कि राहुल गांधी अपने राज्य दौरे के दौरान इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करें। तेलंगाना भवन में मीडिया से बातचीत करते हुए रविचंद्र ने कहा कि राहुल गांधी पिछले ढाई साल से राज्य का दौरा कर रहे हैं, लेकिन विकास कार्य ठप पड़े हैं। उन्होंने सवाल किया कि राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को क्या मार्गदर्शन दिया है, क्योंकि सरकार विकास के बजाय ध्यान भटकाने वाली राजनीति कर रही है। उन्होंने उत्तर प्रदेश में बुलडोजर कार्रवाई पर राहुल गांधी की आलोचना का जिक्र करते हुए पूछा कि क्या उन्हें तेलंगाना में हो रही तोड़फोड़ की जानकारी है। रविचंद्र ने खम्मम जिले के रामागुंडम, महबूबनगर और वेलुगुमतला में घरों के विध्वंस का हवाला दिया। उनका कहना है कि वेलुगुमतला की स्थिति गाजा जैसे युद्ध क्षेत्र की तरह हो गई है, जहां गरीब परिवार बेघर हो गए हैं और पुलिस प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग कर रही है। बीआरएस सांसद ने राहुल गांधी से खम्मम जाकर भूदान भूमि से बेदखल लोगों की स्थिति का जायजा लेने की अपील की। उन्होंने मांग की कि प्रभावित परिवारों के लिए उसी स्थान पर फिर से घर बनाए जाएं। रविचंद्र ने कांग्रेस से चुनाव से पहले किए गए वादों, जैसे छह गारंटी और दो लाख नौकरियों के आश्वासन, को पूरा करने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को तेलंगाना की जनता के प्रति जवाबदेह होना चाहिए।

दो अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार, 164 किलो गांजा बरामद

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कैंटोनमेंट जोन की स्पेशल ऑपरेशंस टीम (एसओटी) ने अब्दुल्लापुरमेट पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई में रविवार रात दो अंतरराज्यीय ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया। उनके पास से 41 लाख रुपये मूल्य का 164.86 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार ओडिशा निवासी नबीन सबर (28) और सुधाकर मंडल (27) को शहर के बाहरी इलाके में नालगोंडा धर्म कांटा के पास कार से प्रतिबंधित सामग्री की तस्करी करते हुए पकड़ा गया। वाहन की तलाशी लेने पर डिक्की में छुपाए गए मारिजुआना के 80 पैकेट और दो मोबाइल फोन बरामद हुए। जब्त की गई सामग्री की कुल कीमत 41 लाख रुपये से अधिक बताई गई है। गिरफ्तार आरोपियों और जब्त सामान को आगे की कार्रवाई के लिए अब्दुल्लापुरमेट पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

होली जिम्मेदारी से मनाएं, उपद्रव पर सख्त कार्रवाई : पुलिस आयुक्त

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने सोमवार को नागरिकों से होली का त्योहार जिम्मेदारी से मनाने की अपील की और चेतावनी दी कि उत्सव के दौरान उपद्रव या दूसरों को परेशान करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बंजारा हिल्स स्थित टीजीआईसीसीसी से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित बैठक में आयुक्त ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने पूरे शहर में कड़ी पुलिसिंग सुनिश्चित करने और ब्लू कॉल्ट्स टीमों व गश्ती इकाइयों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। आयुक्त ने कहा कि किसी भी व्यक्ति पर जबरदस्ती रंग लगाना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सार्वजनिक स्थानों पर पैदल चलने वालों या वाहनों पर रंग फेंकना भी प्रतिबंधित है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए 'शी टीम' के कर्मियों को सादे कपड़ों में तैनात किया जाएगा, जो असामाजिक तत्वों पर नजर रखेंगे।

नागरिकों को रासायनिक रंगों के बजाय प्राकृतिक रंगों के उपयोग की सलाह दी गई है। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि होली समारोह के दौरान डीजे की अनुमति नहीं होगी। सड़कों पर समूह बनाकर उपद्रव करने वालों के वाहन जब्त किए जाएंगे। रमज़ान माह को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि नमाज़ शांतिपूर्वक संपन्न कराई जाए। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किए जाएंगे और शांति समितियों के साथ समन्वय किया जाएगा। होली के मद्देनजर हैदराबाद कमिश्नरेट क्षेत्र में आने वाली शराब की दुकानें, ताड़ी की दुकानें, बार और रेस्तरां 3 मार्च को सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक बंद रहेंगे। पुलिस ने चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नगर पुलिस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। किसी भी कानून-व्यवस्था संबंधी समस्या की स्थिति में नागरिकों को 100 डायल करने की सलाह दी गई है।

ट्रैफिक जागरूकता कार्यक्रम, हेलमेट और सीट बेल्ट पर जोर

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कुलसुमपुरा ट्रैफिक पुलिस ने सोमवार को नानल नगर में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर सड़क सुरक्षा के महत्व और नियमों के सख्ती से पालन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में अतिरिक्त डीसीपी (ट्रैफिक) सी. वेणुगोपाल रेड्डी ने वाहन चालकों को संबोधित करते हुए कहा कि दोपहिया वाहन चलाने वालों और पीछे बैठने वालों, जिनमें चार वर्ष से अधिक आयु के बच्चे भी शामिल हैं, सभी के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य है। उन्होंने यह भी कहा कि कार में सवार प्रत्येक व्यक्ति को सीट बेल्ट अवश्य लगानी चाहिए। वाहन चालकों को बाईं ओर से ओवरटेक न करने और लेन अनुशासन का पालन करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय स्वयंसेवी टीमों के सहयोग से पात्र सवारों को लगभग 15 हेलमेट मुफ्त में वितरित किए गए।

सिंचाई पानी की मांग को लेकर बीआरएस का रास्ता रोको

सिद्दिपेट, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नारायणरावपेट मंडल के बीआरएस कार्यकर्ताओं ने सोमवार को लक्ष्मीदेवीपल्ली में सिद्दिपेट-मुस्तबाद सड़क पर रास्ता रोको प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकार से मंडल के धान के खेतों के लिए तुरंत सिंचाई का पानी छोड़ने की मांग की। कार्यकर्ताओं का कहना है कि मंडल के कई हिस्सों में रंगन्याका सागर और मल्लन्ना सागर से पानी नहीं पहुंच रहा है। इसी वजह से किसानों की फसलें प्रभावित हो रही हैं। सरकार का ध्यान इस समस्या की ओर दिलाने के लिए यह प्रदर्शन किया गया। बड़ी संख्या में किसान भी आंदोलन में शामिल हुए।

किसानों ने मांग की कि दोनों जलाशयों के नीचे लंबित नहरों की खुदाई जल्द शुरू की जाए, ताकि आखिरी छोर के खेतों तक भी पानी पहुंच सके। उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से रायथु भरोसा योजना की यशंगी किस्त बिना देरी जारी करने की अपील की। बीआरएस नेताओं ने यह भी कहा कि कृषि क्षेत्रों में बिजली की अनियमित आपूर्ति से फसलें सूख रही हैं। उन्होंने किसानों को 24 घंटे निर्बाध बिजली देने की मांग की। साथ ही दावा किया कि बीआरएस सरकार ने अपने 10 साल के कार्यकाल में किसानों के हित में कई कदम उठाए थे।

दूरस्थ गांवों में दो कंटेनर अस्पताल शुरू

खम्मम, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के दूरदराज एजेंसी गांवों में रहने वाले लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने के लिए दो कंटेनर अस्पताल स्थापित किए गए हैं। ये पूर्वनिर्मित स्वास्थ्य उप-केंद्र के रूप में काम करेंगे और आपातकालीन इलाज की सुविधा देंगे। जिला वन विभाग और एकीकृत जनजातीय विकास प्राधिकरण, भद्राचलम ने सिंगारेनी मंडल के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत रेलाकायालापल्ली गांव और सथुपल्ली के गंगाराम पीएचसी के अंतर्गत चंद्रैयापालेम गांव में ये अस्पताल स्थापित किए हैं। इन अस्पतालों की स्थापना तेलंगाना वन विकास निगम लिमिटेड से मिली धनराशि से की गई है। जिला वन अधिकारी सिद्धार्थ विक्रम सिंह ने बताया कि अस्पतालों में जरूरी चिकित्सा उपकरण और फर्नीचर उपलब्ध करा दिए गए हैं। करेपल्ली पीएचसी के चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश ने बताया कि एएनएम, मिड-लेवल हेल्थ प्रोवाइडर और आशा कार्यकर्ता सप्ताह में दो बार इन गांवों में सेवाएं देंगे।

हवाई क्षेत्र बंद किए जाने के कारण दुबई में फंसे मंत्री तुम्मला

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच दुबई में फंस गए हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा ईरान के खिलाफ की गई सैन्य कार्रवाई और उसके बाद खाड़ी क्षेत्र में हवाई क्षेत्र बंद किए जाने के कारण वे भारत वापस नहीं लौट पा रहे हैं। ईरान और इज़राइल के बीच बढ़ती शत्रुता के कारण मध्य पूर्व में तनाव बढ़ गया है, जिससे खाड़ी देशों में अस्थिरता की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इसके चलते दुबई सहित कई स्थानों पर हवाई सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गई हैं। मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव पांच दिन पहले दुबई गए थे। वे अपने एक गंभीर रूप से बीमार परिजन के बेहतर इलाज के लिए वहां पहुंचे थे। उपचार पूरा होने के बाद वे भारत लौटने की तैयारी में थे, तभी पश्चिम एशिया में संघर्ष तेज हो गया और उनकी वापसी रुक गई। बताया जा रहा है कि इज़राइल और अमेरिका द्वारा ईरानी ठिकानों पर समन्वित हमलों के जवाब में ईरान ने रविवार देर शाम दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 के पास मिसाइल हमले किए। सुरक्षा कारणों से सरकार ने दुबई से सभी उड़ानों को निलंबित कर दिया है, जिससे मंत्री भारत वापस नहीं आ पा रहे हैं। हालांकि, मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने टेलीफोन पर बातचीत में बताया है कि वे सुरक्षित हैं और एयरपोर्ट प्राधिकरण से अनुमति मिलने तक भारत नहीं लौट सकते। उन्होंने कहा कि उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

आवारा कुत्ते के हमले में चित्तीदार हिरण घायल

मेदक, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मनोहरबाद मंडल के जीदीपल्ली गांव के पास जंगल के बाहरी इलाके में सोमवार को एक चित्तीदार हिरण घायल हो गया। बताया जा रहा है कि हिरण गलती से जंगल से बाहर आ गया था, तभी उस पर एक आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के किसानों ने मौके पर पहुंचकर हिरण को कुत्तों से बचाया। किसानों ने तुरंत वन विभाग के अधिकारियों को सूचना दी। इस दौरान उन्होंने घायल हिरण को पानी भी पिलाया। हिरण घबराया हुआ था और इधर-उधर भागने की कोशिश कर रहा था। उसे और चोट न लगे, इसके लिए किसानों ने सावधानी से उसके दोनों पैर बांध दिए और बाद में उसे वन अधिकारियों को सौंप दिया। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि हिरण का इलाज किया जाएगा और पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद उसे फिर से जंगल में छोड़ दिया जाएगा।

बल्का सुमन की पुलिस हिरासत पर सुनवाई 5 मार्च को

मंचेरियल, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिला प्रधान न्यायालय ने बीआरएस जिला अध्यक्ष बल्का सुमन की पुलिस हिरासत से जुड़ी याचिका पर सुनवाई के लिए 5 मार्च की तारीख तय की है। जिला प्रधान न्यायालय के कनिष्ठ सिविल न्यायाधीश ए. निर्मल ने पुलिस की ओर से दायर हिरासत याचिका पर सुनवाई गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दी। पुलिस ने सुमन को दोबारा हिरासत में लेकर पूछताछ करने की अनुमति मांगी है। सुमन के खिलाफ क्याथनपल्ली में श्रम मंत्री डॉ. जी विवेक के काफिले पर कथित हमले, दंगा, गैरकानूनी सभा और एक अधिकारी के काम में बाधा डालने के आरोप में मामला दर्ज है।

शुक्रवार को अदालत ने पहले पुलिस की हिरासत याचिका खारिज कर दी थी। अदालत ने कहा था कि जांच पूरी होने के बाद सुमन को न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है, इसलिए दोबारा पुलिस हिरासत देना उचित नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि जिस पुलिस अधिकारी ने मामला दर्ज किया, उसी को जांच अधिकारी बनाया गया है। सुमन और छह अन्य नेताओं को 18 फरवरी को गिरफ्तार कर आदिलाबाद शहर की जेल में भेज दिया गया था। इसके बाद पुलिस ने शनिवार को नई याचिका दायर की, जिसकी सुनवाई अब 5 मार्च को होगी। बीआरएस कार्यकर्ताओं ने पुलिस द्वारा बार-बार याचिका दायर करने पर नाराजगी जताई है। उनका आरोप है कि राज्य सरकार जानबूझकर सुमन को परेशान कर रही है, क्योंकि हाल के नगरपालिका चुनाव में क्याथनपल्ली नगर पालिका में बीआरएस की जीत की रणनीति उन्होंने ही बनाई थी।

केंद्रीय बजट के बाद तेलंगाना पर बढ़ा वित्तीय दबाव

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय बजट 2026-27 में पर्याप्त धनराशि को लेकर स्पष्टता नहीं मिलने से तेलंगाना सरकार पर वित्तीय दबाव बढ़ गया है। राज्य सरकार अब अपने बजट और खर्च की योजनाओं की दोबारा समीक्षा कर रही है। यदि केंद्र से अनुदान या साझा फंड नहीं मिलता है, तो राज्य को विकास और कल्याणकारी योजनाओं के लिए ज्यादा कर्ज लेना पड़ सकता है। क्षेत्रीय रिंग रोड, मेट्रो चरण-2 और मूसी नदी पुनरुद्धार जैसी बड़ी परियोजनाओं के लिए केंद्र की ओर से कोई ठोस घोषणा नहीं हुई है। इसके कारण राज्य सरकार को संसाधनों की कमी का सामना करना पड़ रहा है। सरकार को योजनाएं जारी रखने के लिए कर्ज बढ़ाने या कुछ करों में बदलाव जैसे कठिन फैसले लेने पड़ सकते हैं। वित्त विभाग अलग-अलग विकल्पों पर विचार कर रहा है। सबसे आसान तरीका बाजार से ज्यादा कर्ज लेना है। लेकिन राजकोषीय घाटे की सीमा जीएसडीपी के 3 प्रतिशत तक तय है, इसलिए अधिक कर्ज लेने से राज्य पर ब्याज का बोझ बढ़ेगा। जरूरत पड़ने पर सरकारी संस्थाओं के माध्यम से बजट से बाहर भी कर्ज लिया जा सकता है। जानकारी के अनुसार, मौजूदा कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में राज्य का कुल कर्ज करीब 3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। केवल इस वित्त वर्ष में ही लगभग 83,000 करोड़ रुपये बाजार से उधार लिए गए हैं। कर्ज बढ़ने से आने वाले वर्षों में सामाजिक कल्याण और विकास योजनाओं के लिए धन कम पड़ सकता है।

सरकार खर्च में कटौती का विकल्प भी देख रही है। कुछ कल्याणकारी योजनाओं को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा सकता है या उनका दायरा घटाया जा सकता है। बड़ी शहरी और सिंचाई परियोजनाओं की रफ्तार भी धीमी की जा सकती है, जिससे विकास और रोजगार पर असर पड़ सकता है। राज्य सरकार गैर-कर राजस्व बढ़ाने के लिए सरकारी जमीन और संपत्तियों को बेचने या लंबी अवधि के पट्टे पर देने की संभावना भी देख रही है। हालांकि इससे तुरंत पैसा मिल सकता है, लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं है। इसके अलावा संपत्ति कर, सेवा शुल्क या अन्य शुल्कों में बदलाव पर भी विचार हो सकता है। लेकिन ऐसे कदमों का राजनीतिक असर हो सकता है और आम लोगों पर महंगाई का दबाव बढ़ सकता है। वित्त विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सभी संभावित विकल्पों पर विचार किया जा रहा है और विभागों से चर्चा के बाद ही अंतिम फैसला लिया जाएगा। कुल मिलाकर, राज्य की आर्थिक स्थिति अब विकास विस्तार से ज्यादा वित्तीय संतुलन बनाए रखने पर केंद्रित होती दिख रही है। केंद्र से अतिरिक्त सहायता या कर राजस्व में बढ़ोतरी नहीं हुई, तो कल्याण और विकास खर्च में कमी आ सकती है।

ट्रैफिक कांस्टेबल को कार से टक्कर मारने का प्रयास, युवक गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को गाचीबोवली इलाके में एक ट्रैफिक कांस्टेबल को कार से टक्कर मारने की कोशिश करने के आरोप में पुलिस ने 24 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान जी. तरुण के रूप में हुई है। बताया गया है कि वह शराब के नशे में कार चला रहा था। पहले उसने नानकरामगुडा में एक वाहन को टक्कर मारी और इसके बाद गाचीबोवली की ओर भाग गया। इसी दौरान ट्रैफिक कांस्टेबल नरसिम्हुलु ने उसकी कार को देखा और उसे रुकने का इशारा किया। लेकिन आरोपी ने कार रोकने के बजाय उसे कांस्टेबल की ओर बढ़ा दिया। अपनी जान बचाने के लिए कांस्टेबल चलती कार के बोनट पर कूद गए। पुलिस ने बताया कि आरोपी कुछ दूरी तक कांस्टेबल को बोनट पर लेकर गाड़ी चलाता रहा। बाद में राहगीरों के हस्तक्षेप के बाद उसने कार रोकी। सूचना मिलने पर गाचीबोवली पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया। उसके खिलाफ दो मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

तोड़फोड़ पर पिनारयी विजयन का हमला, 'बुलडोजर राज' का आरोप

खम्मम, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने तेलंगाना के खम्मम जिले में हाल ही में हुई तोड़फोड़ की कार्रवाई को लेकर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई बुलडोजर राज को दर्शाती है और बिना पूर्व सूचना के सैकड़ों परिवारों को बेघर कर दिया गया।

विजयन ने कहा कि कर्नाटक के बाद अब तेलंगाना में भी ऐसी कार्रवाई सामने आई है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने खम्मम जिले के वेलुगुमातला गांव का जिक्र करते हुए दावा किया कि 25 फरवरी की सुबह भूदान भूमि पर बने करीब 700 मकानों को बिना सूचना ध्वस्त कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस की मौजूदगी में चलाए गए इस अभियान में लगभग 3,000 लोग बेघर हो गए, जिनके पास पहचान पत्र भी थे। उनका कहना है कि ये मकान विनोबा नगर में स्थित थे और विनोबा भावे के नेतृत्व में चले भूदान आंदोलन के दौरान भूमिहीन परिवारों को आवंटित किए गए थे।

विजयन ने कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि तेलंगाना में कांग्रेस 1951 में शुरू हुए भूदान आंदोलन के सीमित उद्देश्यों को भी स्वीकार नहीं कर सकी। उन्होंने कर्नाटक के येलाहांका में हुई कथित तोड़फोड़ का भी जिक्र किया और कहा कि वहां के पीड़ित अब भी सड़कों पर रह रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि कांग्रेस किस तरह ऐसे कदमों का समर्थन कर सकती है, जिन्हें उन्होंने अमानवीय बताया। विजयन ने यह भी कहा कि केरल में कांग्रेस नेतृत्व को तेलंगाना की घटनाओं पर अपनी प्रतिक्रिया देनी चाहिए। तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि केरल में भूस्खलन से प्रभावित लोगों को नए घर देकर पुनर्वास किया गया, जबकि तेलंगाना में जमीन के मालिकाना हक रखने वालों को भी कथित तौर पर फर्जी पट्टाधारक बताया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकारें विस्थापन की नीति अपना रही हैं। हालांकि, कांग्रेस की ओर से इन आरोपों पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.